| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | ~ | 80,737.51 |
| निफ्टी | ~ | 24,542.50 |
| सोना | ~ | 99,060 |
| चांदी | ~ | 1,00,100 |
| डॉलर | ~ | 85.71 |

# बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

बालाघाट

बुधवार 04 जून 2025

ज्येष्ठ शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082

वर्ष 16, अंक 249

पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in


ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस बोले-

## पाकिस्तान ने 48 घंटे तक लड़ने का दम भरा, हमने 8 घंटे में घुटनों पर ला दिया

**नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि पहलगाम में जो हुआ, वह पीड़ितों के प्रति घोर क्रूरता थी। ऑपरेशन सिंदूर के पीछे सोच यह थी कि पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने पुणे में एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर के पीछे के कारणों पर बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान को भारत को आतंकवादी गतिविधियों का बंधक नहीं बनाना चाहिए। भारत अब आतंकवाद और परमाणु ब्लैकमेल की छाया में नहीं रहने वाला। उन्होंने फिर दोहराया कि पेशेवर सैन्य बलों पर असफलताओं और नुकसानों का कोई असर नहीं होता। नुकसान महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं।**

### संघर्ष का प्रारंभिक बिंदु पहलगाम आतंकी हमला था

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि इस संघर्ष का प्रारंभिक बिंदु पहलगाम आतंकी हमला था। क्या आतंकवाद युद्ध का एक तर्कसंगत तरीका है? मुझे नहीं लगता कि ऐसा है, क्योंकि आतंकवाद का कोई परिभाषित तर्क नहीं है। जहां तक हमारे विरोधी का सवाल है तो उसने भारत को हजारों घाव देकर खून बहाने का फैसला किया है। 1965 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ एक हजार साल के युद्ध की घोषणा की थी।

### असीम मुनीर ने उगला था जहर

सीडीएस जनरल चौहान ने युद्ध के अलग-अलग तरीकों पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भी युद्ध और राजनीति समानांतर रूप से हो रही थी। पहलगाम में जो कुछ हुआ, उससे कुछ सप्ताह पहले ही पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। हमने सीमा बढ़ा दी है, आतंक को पानी से जोड़ दिया है, आतंक के खिलाफ सैन्य अभियान की नई रेखा खींची है।

### बताएंगे कि कितने विमान नष्ट किए और हमने कितने रडार नष्ट किए

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा, जब मुझसे हमारी ओर से हुए नुकसान के बारे में पूछा गया तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है। नुकसान के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच में जाते हैं और आप किसी भी तरह से जीत जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं, इसका कोई सवाल ही नहीं है। तकनीकी मापदंडों के आधार पर हम यह विशेष डेटा निकालेंगे और आपके साथ साझा करेंगे।

### ऑपरेशन 8 घंटे में ही खत्म हुआ

सीडीएस ने कहा कि 10 मई को रात करीब एक बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य 48 घंटे में भारत को घुटने टेकने पर मजबूर करना था। कई हमले किए गए और उन्होंने इस संघर्ष को और बढ़ा दिया। हमने तो सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। ऑपरेशन जो उन्हें लगा कि 48 घंटे तक चलेगा, लगभग 8 घंटे में ही खत्म हो गया और फिर उन्होंने फोन उठाया और कहा कि वे बात करना चाहते हैं...। सीडीएस ने कहा कि हमने 7 मई को स्ट्राइक के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। जब पाकिस्तान की तरफ से बयानबाजी हुई, तो हमने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करता है तो हम उन्हें जवाब देंगे, जोरदार जवाब देंगे।

भारत में रहकर पाकिस्तान के लिए कर रहे थे मुखबिरी

## जम्मू-कश्मीर के एलजी ने कर दिया नौकरी से बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले और उसके बाद सीमापार के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद सरकार को कई ऐसे लोगों के बारे में जानकारी मिली है, जो भारत में रहकर पाकिस्तान के लिए मुखबिरी करते हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आतंकवाद से कथित संबंधों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों को मंगलवार को बर्खास्त कर दिया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आदेश पर ये कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गई, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर बिना जांच के नौकरी से निकाला जा सकता है। बर्खास्त किए गए कर्मचारी पहले से ही जेल में हैं। इनमें शामिल हैं- पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर, स्कूल शिक्षक एजाज अहमद और सरकारी मेडिकल कॉलेज में जूनियर सहायक वसीम अहमद खान।

### पुलिस कांस्टेबल का भाई पाकिस्तान में ले चुका था ट्रेनिंग

अधिकारियों के अनुसार, तीनों आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन से जुड़े थे और आतंकियों को मदद पहुंचा रहे थे। पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक पर आरोप है कि उसने हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप की जानकारी पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के साथ साझा की। उसका भाई खुद भी पाकिस्तान में ट्रेनिंग ले चुका लश्कर का आतंकी था, जो 2018 में मारा गया था। शिक्षक एजाज अहमद को नवंबर 2023 में हथियार और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन की प्रचार सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में सामने आया कि वह वर्षों से इस आतंकी संगठन की मदद कर रहा था। वसीम खान पर आरोप है कि वह 2018 में वरिष्ठ पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या की साजिश में शामिल था। अधिकारियों का कहना है कि उसने आतंकियों को साजो-सामान देने और भागने में मदद की थी। अब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ाव के शक में 75 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी बर्खास्त किए जा चुके हैं।

## खास खबर

### 15 जून को होने वाली नीट पीजी परीक्षा 3 अगस्त को कराने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने स्थ नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। अर्जी में परीक्षा 3 अगस्त को कराने की अनुमति मांगी है। पहले ये परीक्षा 15 जून को होनी थी। पिछले शुक्रवार को नीट पीजी परीक्षा 2025 को दो शिफ्ट में कराए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने दखल दिया था। कोर्ट ने कहा था कि एक ही शिफ्ट में परीक्षा कराई जाए। दो शिफ्ट में परीक्षा कराने से मनमानी होगी और कठिनाई के अलग-अलग स्तर पैदा होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन को निर्देश दिया था कि वह परीक्षा को एक शिफ्ट में आयोजित करने की व्यवस्था करें, अगर इसके लिए देरी होती है तो नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन और समय लेने के लिए कोर्ट आ सकता है।

### रत्नाकर पटनायक ने भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाला

मुंबई। रत्नाकर पटनायक को 1 जून 2025 को भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। भारत सरकार की 14 मई 2025 की अधिसूचना के तहत उन्हें प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। 1968 में जन्मे श्री पटनायक सितंबर 1990 में भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रत्यक्ष भर्ती अधिकारी के रूप में शामिल हुए। वे भौतिकी (ऑनर्स) में स्नातक हैं और लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री रखते हैं। वे भारतीय बीमा संस्थान के फेलो हैं और उनके पास स्वास्थ्य बीमा में डिप्लोमा भी है। एलआईसी के प्रबंध निदेशक का पदभार संभालने से पहले, श्री पटनायक निगम के कार्यकारी निदेशक (निवेश फ्रंट ऑफिस) और मुख्य निवेश अधिकारी थे।

### पंजाब में पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले के रहने वाले एक व्यक्ति को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा कर रहा था। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसमें ऐसी जानकारी थी, जिसे उसने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा किया था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि काउंटर-इंटेलिजेंस-पंजाब से मिली सूचना के आधार पर तरनतारन पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में गगनदीप सिंह उर्फ गगन को गिरफ्तार किया।

### 5 जून को अयोध्या नहीं आएं श्रद्धालु, राम मंदिर प्रशासन ने की अपील

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मंदिर में अब राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। भगवान राम की रामलला के स्वरुप की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को की गई थी। वहीं अब 5 जून को भी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। 5 जून को ही गंगा दशहरा होगा। राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा मंदिर में ही की जानी है। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद भी भक्त दर्शन सुविधा कर सकेंगे। वहीं मंदिर प्रशासन ने अपील की है कि 5 जून को श्रद्धालु अयोध्या ना आएं। मौसम के कारण इस दौरान कोई खास कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है।

### खुद ही कम हो जाएगी जनसंख्या, दुनिया में रह जाएंगे मात्र 10 करोड़ लोग

नई दिल्ली। दुनिया की जनसंख्या तेजी से बढ़ती गई और फिर ठहराव आया। इसे लेकर कई शोध प्रकाशित होते रहे हैं, लेकिन अब एक्सपर्ट ने जो दावा किया है, वह चौंकाने वाला है। फिलहाल दुनिया की आबादी 8 अरब है और वर्ष 2300 में यह संख्या तेजी से कम होते हुए महज 10 करोड़ ही रह जाएगी। उनसे इतर भी कई शोधों में यह कहा जा चुका है कि वर्ष 2100 तक दुनिया की आबादी में तेज गिरावट देखने को मिलेगी। वर्ष 2050 के बाद से स्थिरता की स्थिति होगी और फिर अगले 50 सालों में इसमें कमी आने लगेगी। अब टेक एक्सपर्ट सुभाष काक का कहना है कि दुनिया की आबादी में यह गिरावट कहीं ज्यादा तेजी से होगी और वर्ष 2300 तक तो महज 10 करोड़ लोग ही रह जाएंगे।

## कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी से जुड़ी केस डायरी 5 जून को पेश करने का कहा

कोलकाता । कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह कानून की पढ़ाई कर रही शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी से जुड़ी केस डायरी 5 जून को उसकी अंतरिम जमानत याचिका पर दोबारा सुनवाई के दौरान अदालत में पेश करे। न्यायमूर्ति पार्थ सारथी मुखर्जी की अवकाशकालीन पीठ ने आदेश दिया कि गार्डन रीच पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच की जाएगी, जिसके सिलसिले में पनोली को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस संबंध में दर्ज सभी अन्य प्राथमिकियों में कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी।

अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार पनोली की कथित कार्रवाई को लेकर अब कोई नया मामला दर्ज नहीं करे। पांच जून को अगली सुनवाई के दौरान केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मुखर्जी ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

शर्मिष्ठा पनोली ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था और ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने समुदाय विशेष को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया और अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया। इसके बाद 15 मई को उनके खिलाफ गार्डनरीच थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। कड़ी आलोचनाओं के बाद शर्मिष्ठा ने वीडियो हटा दिया और मामले में सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, लेकिन गिरफ्तारी से नहीं बच सकीं। यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर पर इंडिया ब्लॉक के 16 दलों की बैठक में बनी रणनीति

## पीएम से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए इंडिया ब्लॉक की मंगलवार को नई दिल्ली में बैठक हुई। इसमें 16 विपक्षी पार्टियों ने हिस्सा लिया। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने जानकारी दी कि सभी दलों ने पीएम को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई है। आम आदमी पार्टी मीटिंग में शामिल नहीं हुई। डेरेक ने बताया कि आप बुधवार को प्रधानमंत्री को अलग से चिट्ठी भेजेगी।

टीएमसी के मनोज झा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। दुनिया के एक देश के राष्ट्रपति रोज संरपंचई कर रहे हैं। 15 दिन में 13 बयान दिए। इससे कोई सरकार आहत हो या न हो, कोई राजनीतिक दल आहत हो या न हो, हिंदुस्तान की भावना आहत हुई है। ये पीड़ा है। ये चर्चा सोशल मीडिया, टीवी डिबेट्स में नहीं होगी। 1962 में चीन से युद्ध के दौरान संसद सत्र बुलाया गया था। हमने प्रधानमंत्री से गुजारिश की है कि इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब कोई चीज देश को आहत करती है और तब संसद ही दलों के दायरे से ऊपर होती है। ये 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का मसला है। ये पक्ष-विपक्ष का मामला नहीं है। मामला जिम्मेदारी का है। सरकार संसद के प्रति और संसद लोगों के लिए जवाबदेह है।

### सरकार हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए सभी दलों से बात करेगी

नई दिल्ली । संसद के आगामी सत्र में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति वर्मा इस साल की शुरुआत में उस समय खबरों में आए थे जब उनके सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बेहिसाब जली हुई नकदी बरामद हुई थी। तब से ही वह भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों की मानें तो जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग के लिए अलग जांच समिति की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। प्रस्ताव लोक सभा में लाया जाएगा या फिर राज्य सभा में, अभी यह तय नहीं है। आपको बता दें कि लोक सभा के लिए सौ और राज्य सभा के लिए पचास सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।

नियमों के अनुसार नोटिस मिलने के बाद पीठासीन अधिकारी एक जांच समिति गठित करते हैं और उसकी रिपोर्ट के बाद महाभियोग प्रस्ताव लाया जाता है। लेकिन इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की जांच रिपोर्ट के आधार पर ही महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार जस्टिस यशवंत वर्मा पर आपराधिक कार्रवाई महाभियोग के बाद ही संभव है क्योंकि जब तक वे पद पर हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती।

मप्र के कांग्रेस नेताओं को राहुल की दो टूक

## गुटबाजी खत्म करो, कोई बदलाव चाहिए तो बताओ, मैं करूं...

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राजधानी भोपाल में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी संगठन को मजबूत करना और बीस सालों से निस्तेज पड़े कांग्रेस संगठन को मिशन 2028 के लिए तैयार करना है। अपने पांच घंटे के दौरे के दौरान राहुल गांधी ने पांच बैठकों में हिस्सा लिया और नेताओं को गुटबाजी खत्म करने, एकजुट होकर काम करने और संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने का कड़ा संदेश दिया।

राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं को निर्देश देते हुए कहा कि गुटबाजी खत्म करें और मिलकर काम करें। कोई भी फैसला ऊपर से नहीं थोपा जाएगा। आप सब मिलकर फैसला करें और अगर कोई बदलाव की जरूरत होगी तो हम करेंगे।

### हेराफेरी बर्दाश्त नहीं

कांग्रेस के सीनियर लीडर ने संगठन के पुनर्गठन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि किसी भी तरह की हेराफेरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कहीं कुछ गलत दिखा, तो हम उसे तुरंत बदल देंगे। राहुल ने यह भी कहा कि भाजपा की मदद करने वाले नेताओं की पहचान की जाए और संगठन में सही व्यक्ति को सही स्थान दिया जाए।

### जिम्मेदारी और जवाबदेही भी तय होगी

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि राहुल गांधी ने जिला कांग्रेस कमेटियों को ताकतवर बनाने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटियों की भूमिका को लोकसभा, विधानसभा, नगर निगम और नगर पालिका में उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बनाया जाएगा। इसके साथ ही उनकी जिम्मेदारी और जवाबदेही भी तय की जाएगी। नायक ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) और राज्य के पर्यवेक्षक मिलकर इस प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से पूरा करेंगे। ब्लॉक, सेक्टर, वार्ड और पंचायत स्तर पर कांग्रेस कमेटियों का गठन युद्ध स्तर पर किया जाएगा, ताकि चुनाव के दौरान एक सशक्त संगठन तैयार हो, जो भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय मुद्दों और कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती से सामने रख सके।

### हम कर्मकांडों में विश्वास नहीं करते

राहुल गांधी के जूते पहनकर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देने के भाजपा के आरोपों पर मुकेश नायक ने जवाब देते हुए कहा कि हम कर्मकांडों में विश्वास करने वाले लोग नहीं हैं। संस्कार के नाम पर आंख में धूल झोंकना, धर्मांधता को बढ़ावा देना और नकली लोगों को नकली कपड़े पहनाकर जनता के बीच खड़ा करना अब पुराना हो चुका है। जनता इससे ऊब चुकी है। कांग्रेस का लक्ष्य समता-आधारित समाज का निर्माण और समावेशी विकास है।

## नीतीश सरकार का बड़ा फैसला, एविएशन फ्यूल पर घटाया वैट

### फ्लाइट टिकट होंगे सस्ते, हवाई यात्रियों की संख्या में होगा इजाफा

पटना। बिहार में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम घट गए हैं। नीतीश कैबिनेट ने एटीएफ पर वैट की दर को 29 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी करने का फैसला लिया है। इससे पटना, गया और दरभंगा एयरपोर्ट से फ्लाइट के टिकट सस्ते हो जाएंगे। साथ ही हवाई यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होगा। टैक्स कम होने से विमानों की संख्या में भी बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

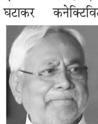

सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 47 फैसलों पर मुहर लगाई गई। इसमें एक फैसला वाणिज्य एवं कर विभाग का भी है। इसके तहत बिहार में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत एविएशन टर्बाइन फ्यूल की दर को 1 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला लिया गया। साथ ही अन्य मामलों में एटीएफ की बिक्री पर राज्य सरकार द्वारा आगे से 4 फीसदी वैट ही लगाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक अभी तक बिहार में एटीएफ पर वैट की दर 29 फीसदी थी। इससे कई एयरलाइन्स को विमानों का फ्यूल महंगा खरीदना पड़ रहा था। इसका असर यात्रियों पर पड़ रहा है। वैट कम होने से बिहार में हवाई यात्रा का किराया भी घटेगा।

बता दें बिहार में अभी तीन एयरपोर्ट से फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। पटना, गया और दरभंगा एयरपोर्ट। आने वाले महीनों में पूर्णिया एयरपोर्ट पर भी फ्लाइट संचालन शुरू हो जाएगा। सरकार अन्य शहरों में भी नए एयरपोर्ट शुरू करने की योजना पर काम कर रही है।

## खुर्शीद ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की : कांग्रेस का एक खेमा भड़का

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर पूरी दुनिया को ब्रीफ करने और आतंकवाद पर पाकिस्तान को घेरने के लिए विदेश गए भारत के सर्वदलीय डेलिगेशन में कांग्रेस सांसद सरकार की तारीफ कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इस पर कहा कि उन नेताओं पर पार्टी को कार्रवाई करनी चाहिए।

सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस सांसद के भारत सरकार की तारीफ करने पर राशिद अल्वी ने कहा, जो लोग डेलिगेशन में गए हैं, वे देश को रिप्रेजेंट कर रहे हैं, वे किसी पार्टी को रिप्रेजेंट नहीं कर रहे हैं। लेकिन, कोई भी कांग्रेस नेता कांग्रेस के मुकाबले बीजेपी की तारीफ करता है, तो पार्टी के अंदर कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, कांग्रेस से जो लोग भाजपा में गए हैं, मैं उन लोगों से यह भी कहना चाहता हूं कि बीजेपी ने चंद लोगों को छोड़कर किसी की इज्जत नहीं की है। उन सबको गुलाम बना कर रख रखा है। इसलिए ऐसे तमाम हमारे नेता, मैं किसी का नाम नहीं ले रहा, जो भाजपा और पीएम मोदी की तारीफों में लगे हैं, उनको एहसास होना चाहिए कि अगर कांग्रेस कमजोर होगी तो देश कमजोर होगा।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद के पीएम मोदी की तारीफ करने पर कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर राशिद अल्वी ने कहा, खुर्शीद के बयान पर अगर कोई स्टैंड लेना है तो कांग्रेस पार्टी के हाईकमान को लेना चाहिए। उनके बयान से मैं सहमत नहीं हूं। मैं कोई कार्रवाई की मांग नहीं कर रहा, अगर उनका बयान आया है तो कांग्रेस के सारे नेताओं ने सुना होगा। अगर वह कांग्रेस की नीति के खिलाफ है तो वह फैसला भी उन्हीं का होगा।

उन्होंने कहा, मैं उनकी बात से इत्तेफाक नहीं रखता हूं, वह डेलिगेशन में गए हैं तो वह पाकिस्तान को एक्सपोज करने और भारत का स्टैंड क्लियर करने के लिए गए थे। वह इसलिए नहीं गए थे कि भाजपा की नीतियों को वहां जाकर समझाएं। कश्मीर के अंदर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आतंकवाद बढ़ा है। पुलवामा हुआ तो सारे देश ने देखा। अब पहलगाम हुआ है, जिसके बाद पाकिस्तान के अंदर भारत सरकार को हमला करना पड़ा है। यह 370 हटाने के बाद हुआ है। 370 हटाने के बाद विकास तो छोड़िए हमारे कितने फौजी मारे गए? कितने सिविलियन मारे गए हैं? वहां पर कितना विकास हुआ? कितने फाइव स्टार बन गए, कितनी फैक्ट्रियां लग गईं? न वहां पर विकास हुआ और न ही हालात ठीक हुए हैं।

# पक्के मकान के आस में बेघर हो गए दो परिवार

## पीएम आवास के लिए पहले तुड़वा दिया मकान, किस्त हुई जारी, तो अब मकान बनाने पर लगा दी रोक, पीड़ितों ने जनसुनवाई में की शिकायत,कलेक्टर से लगाई इंसाफ की गुहार, किरनापुर की ग्राम पंचायत करियादंड के तेंदुटोला का मामला

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज़ )। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान का सपना देखना, दो आदिवासी परिवारों को उस वक्त महंगा पड़ गया। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनाने के लिए उन्होंने अपने कच्चे मकान को तोड़ दिया। जहां जिओ टेकिंग होने के बाद मकान बनाने के लिए पहली किस्त के रूप में 25000 भी शासन द्वारा भेज दिए गए और जब आदिवासी परिवार ने उक्त जमीन पर मकान का निर्माण करना शुरू किया तो पंचायत नें उनके मकान निर्माण पर ही रोक लगा दी और उक्त स्थान पर जाली लगाकर उसकी फेंसिंग करा दी। इसके बाद से आदिवासी परिवार बेघर हो गया है और अब वह उक्त स्थान पर पीएम आवास योजना के तहत अपने सपनों का आवास बनाने के लिए शासकीय कार्यालय के चक्कर काटता नजर आ रहा है। मामला जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत करियादंड के तेंदुटोला का है। जहां के उक्त दोनों परिवारों के सदस्यों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शिकायत करते हुए उनकी इस समस्या का निदान किए जाने की गुहार लगाई है।**

### पक्के के सपने में कच्चा मकान भी गया, आ गए सड़क पर

उक्त शिकायत लेकर अपने परिवार के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ग्रामीण हंशलाल कावरे ने बताया हमारा कच्चा मकान था, पीएम आवास का लाभ मिलते ही कच्चा मकान को तोड़ दिया अब उसी भूमि पर पंचायत ने जाली कराकर मकान बनाने में रोक लगा दी। इससे तो अच्छा ही था कि हमारा कच्चा मकान ही रह जाता! लेकिन पक्के मकान के सपने में हमारा कच्चा मकान भी चला गया और हम लोग सड़क पर आ गए।

### महापुरुषों की प्रतिमा लगाने हमें किया गया बे-दखल

फरयादी हंशलाल कावरे, ने बताया कि हमारा कच्चा मकान दो पीडितों से वहीं था, इस बार प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिला हैं। जिसके तहत पहली किस्त 25 हजार रूपये आवास निर्माण के लिए मिली हैं। उसके बाद सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक के द्वारा बोला गया कि आवास का निर्माण जल्द करना हैं, जिसके बाद हमने कच्चा आवास को तोड़ दिया। फिर सरपंच पति, रोजगार सहायक सहित अन्य परारमाली समाज के लोगों के द्वारा बोल दिया गया कि वह जमीन रोड़ मद की भूमि हैं अब वहा पर महापुरूषों की प्रतिमा स्थापना होंगी।ऐसा कहकर उक्त स्थान पर फेंसिंग जाली लगा दी गई है और हमें उक्त स्थान से बेदखल कर दिया गया है।जिस भूमि पर पीढी दर पीढी निवास करते थें वहीं मकान बनाने को लेकर रोक लगा दी गई हैं और वहा पर जाली लगाकर बंद कर दिया गया हैं। गांव के लोग जहां हमारा मकान था उसी जगह पर महात्मा ज्योतिबाराव फुले व माता सावित्री बाई फुले की मुर्ती स्थापित करना चाह रहें हैं। जबकि शासन के द्वारा उक्त भूमि का पट्टा भी दिया गया हैं। जबकि गांव में अन्य जगह खाली हैं। तोड़े गये मकान की जगह पर फेंसिंग लगा दी गई हैं अब हम सडक के किनारे झोपड़ी में रहने को मजबूर हैं। हम चाहते हैं कि पीएम आवास का निर्माण के लिए हमें मकान बनाने दिया जाए या फिर कहीं भूमि देकर पक्का आवास निर्माण कराया जाए। लेकिन हमें दूसरी जमीन भी नहीं दी जा रही है कहते हैं कि गांव के बाहर जाकर मकान बना लो ऐसा कैसे होगा। इसीलिए आज हम कलेक्टर कार्यालय आए हैं।

### जमीन रोड मद की भूमि हैं-अर्जुन बाहे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत करियादंड सचिव अर्जुन बाहे ने बताया की ग्राम पंचायत के तेंदूटोला निवासी दो आदिवासी परिवार का पीएम आवास के तहत मकान आया हुआ हैं, जिस मकान में निवास करते थे वहीं से जीओ टेकिंग करते हुए पहली किस्त भी आई हैं, अब वह जहां भी मकान बनायेगें वहा का जीओं टेकिंग किया जायेगा। जिस जमीन पर उनका मकान था वह जमीन रोड मद की भूमि हैं। इसकी जानकारी उन्हें दी जा चुकी है।

# ट्रैक्टर की ठोकर से गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम मंडवा से डोंगरिया के बीच बैलगाम एक ट्रैक्टर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया इस ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी उपमा के अस्पताल में मौत हो गई मृतक जितेंद्र पिता हीरालाल मरावी 35 वर्ष ग्राम मंडवा थाना बिठली निवासी है। उकवा पुलिस ने इस व्यक्ति का शौक पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। तो आप जानकारी के अनुसार जितेंद्र मेरावी अपने परिवार के साथ खेती मजदुरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया गया है कि दो जून को सुबह 9:00 बजे जितेंद्र मेरावी मोटरसाइकिल में अपने गांव मंडवा से अपने ससुराल जाने निकला था। तभी ग्राम मंडवा और डोंगरिया के बीच सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर जितेंद्र की मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। ट्रैक्टर की ठोकर से जितेंद्र मेरावी सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गया था।खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और गंभीर रूप से घायल जितेंद्र मेरावी को उपचार हेतु उकवा के शासकीय अस्पताल लाये। जहां जितेंद्र मेरावी की उपचार के दौरान मौत हो गई।उकवा पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक रविंद्र बिसेन ने उकवा अस्पताल पहुंचकर मृतक रविंद्र मेरावी का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

# निर्माणाधीन मकान के ऊपर तराई कर रहे व्यक्ति की विद्युत करेंट से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा बस स्टैंड के पास एक निर्माणाधीन मकान के ऊपर तराई के दौरान विद्युत करंट से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना 3 जून को करीब 2:00 बजे हुई।मृतक शंकर लाल पिता प्रेमलाल राहंगडाले 78 वर्ष ग्राम शाखा थाना बिरसा निवासी है। बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव बिरसा के अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है।जिसका पोस्टमार्टम 4 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकरलाल राहंगडाले ग्राम शाखा निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। ग्राम शाखा में शंकरलाल का मकान है वही बिरसा बस स्टैंड के पास में व्यवसाय की दृष्टि से काम्प्लेक्स बनाए हैं और काम्प्लेक्स के ऊपर ही मकान भी बनवा रहे हैं । मकान निर्माण कार्य चालू है। पलस्तर किया जा रहा है। शंकर लाल राहंगडाले के निर्माणाधीन मकान के बाजू से ही 11000 किलोवाट की हाई वोल्टेज विद्युत लाइन गई है और तारों के ऊपर प्लास्टिक के पाइप लगा दिया गया है। 3 जून को दोपहर 2:00 बजे करीब शंकर लाल राहंगडाले अपने निर्माणाधीन मकान के ऊपर छत पर तराई कर रहे थे। तराई करने के दौरान अचानक पैर फिसलने से शंकर लाल राहंगडाले विद्युत तार के ऊपर गिर गए और तार आपस में टकराने से हुई स्पार्किंग से शंकर लाल राहंगडाले विद्युत करेंट से झुलस गये। जिन्हें तुरंत ही बिरसा के अस्पताल लाया गया। जिसे डॉक्टर मृत घोषित कर दिए।बिरसा पुलिस थाने के प्रधान आरक्षक राजेश परते ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर मौके की कार्रवाई करते हुए मृतक शंकर लाल राहंगडाले के शव पोस्टमार्टम नहीं होने की स्थिति में बिरसा के अस्पताल में ही सुरक्षित रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 4 जून को सुबह किया जाएगा। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर आगे जांच की जा रही है।

आवश्यकता है
आराध्या कम्पयुटर में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

आवश्यकता है
पंचकर्म थेरेपिस्ट (महिला एवं पुरूष)
योग्यता-12वीं पास या डिप्लोमा
पता-सुनेरी आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक प्रेमनगर, वार्ड नं. 25 मार्डीकर गली बालाघाट
7000293553, 9479697117

# परसवाड़ा एवं लोहारा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में मंगलवार को ग्राम परसवाड़ा और लोहारा में विधिक जागरूकता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने कहा कि पुरूष और स्त्री सिक्के के दो पहलु है तो फिर शिक्षा भी एक समान प्राप्त होनी चाहिए। जिस तरह पुरूष का शैक्षिक जीवन इस समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण

है उसी प्रकार नारी शिक्षा भी देशहित के लिए आवश्यक है। श्री धुर्वे ने घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम एवं निशुल्क विधिक सहायता योजना योजना की विस्तार से जानकारी ग्रामीणजनों को दी। साथ ही उन्होने दहेज प्रतिषेद्य अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी एवं नषे के दुष्परिणामों के बारे भी उपस्थित ग्रामीणजनों को अवगत कराया। शिविर में श्री धुर्वे ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देषानुसार चलाये जा रहे 'साथी' अभियान के संबंध में ग्रामीणजनों को जानकारी दी। वहीं मुकेश लिल्हारे एवं चन्द्रेश नागेश्वर असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा डिफेंस काउंसिल योजना एवं घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया गया। शिविर में दुर्गेश लिमजे असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, ग्राम पंचायत के सचिव, पैरालीगल वालेन्टियर्स विजय सूर्यवंशी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# दृष्टिबाधित दिव्यांग ने कलेक्टर से लगाई गुहार, कहा अंक सूची लगाने के बाद भी कर दिया गया अपात्र

## नगर पालिका में भृत्य की नियुक्ति के लिए दिव्यांग ने किया था आवेदन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दृष्टिबाधित दिव्यांग ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए नगर पालिका में हुई दिव्यांग भर्ती पर सवाल खड़े किए हैं , उन्होंने बताया कि बीते दिनों नगर पालिका में दिव्यांगों के लिए भृत्य के पद पर नियुक्ति होना था जिसमें उनके द्वारा दो अलग अलग पद के लिए आवेदन किया गया था और दोनों में उन्होंने पूरे दस्तावेज लगाकर उन्हें सत्यापित भी करवाया था किंतु जब परिणाम आया तो उन्हें एक भृत्य पद के लिए पांचवी कक्षा की अंकसूची नहीं लगाए जाने को लेकर अपात्र कर दिया गया है, तो वहीं एक अन्य आवेदन में उनके दस्तावेज सही पाए गए हैं, जिस पर उन्होंने दिव्यांग भर्ती में सामाजिक न्याय विभाग के एक अधिकारी पर आरोप लगाते हुए , उन्हें इस भर्ती से अलग रखने की मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया है , उनका कहना है कि जब दोनों ही आवेदन में उन्होंने अंकसूची लगाया था तो फिर कैसे उन्हें एक आवेदन में अंकसूची नहीं लगाने को लेकर अपात्र किया गया है वह इस भर्ती में जांच करवाने की मांग कर रहे हैं। आपको बता दे कि नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा कुछ समय पहले ही भृत्य पद की भर्ती के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया है, और इस भर्ती प्रक्रिया में पांचवी व आठवीं की अंकसूची लगाना अनिवार्य किया गया था। वहीं जब नामों की सूची जारी की गई तो एक दृष्टि बाधित दिव्यांग को ये कहकर अपात्र कर दिया गया है कि उसने पांचवी की अंकसूची नहीं लगाया था। जिसके बाद दिव्यांग ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत की है, और मामले में उचित जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत कर्ता मुकेश कुमार डहारे ने बताया कि वह पूर्ण रूप से दृष्टि बाधित हैं और उसने नगर पालिका बालाघाट में भृत्य के पद में आवेदन किया था जिसमें उसने विधिवत सभी दस्तावेज व अंक सूची सम्मिलित किया था जिसकी पावती भी उसे मिली है, लेकिन सूची जारी करने पर उसे अपात्र की सूची में रखा गया। उसने बताया कि जान बूझकर उसकी पांचवी की अंकसूची को निकाला गया है, और उसे अपात्र कर उसके साथ अन्याय किया गया है। पीड़ित ने बताया कि नगर पालिका बालाघाट की भर्ती की सूची में ना किसी अधिकारी ना किसी छानबीन सदस्य की हस्ताक्षर हैं।जिसके चलते उसे लगता है कि किसी ने जान बूझकर ऐसा कृत्य किया है। जिसके चलते ही उसने कलेक्टर से मामले की शिकायत कर उचित जांच करवाकर उसकी पांचवी की अंकसूची पुन:शामिल कर उस पात्र घोषित किए जाने की मांग की है।

## नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती शशि ठाकरे पति श्री दीपलाल ठाकरे निवासी वर्तमान वार्ड नं. 33 अवधपुरी गायखुरी रोड बालाघाट की निवासी हूं। शादी के पूर्व मेरा नाम शशिकला पारधी पिता श्री रामबकस पारधी था। किन्तु शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती शशि ठाकरे पति श्री दीपलाल ठाकरे हो चुका है।

अत: मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जावे।

**सूचनाकर्ता**
**शशी ठाकरे**
**वार्ड नं. 33 अवधपुरी**
**गायखुरी रोड बालाघाट**

# बेटी का कर दिया कन्यादान अब तक नहीं मिली प्रोत्साहन राशि

## हितग्राही पहुंचे कलेक्टर कार्यालय सौंपा राशि दिए जाने को लेकर ज्ञापन

बालाघाट( पद्मेश न्यूज)। बीते कुछ महीने पहले शासन की योजना अनुसार जिले के अलग-अलग तहसील सहित शहर में भी मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह किए गए हैं । जिसमें कुछ हुए सामूहिक विवाह में हितग्राहियों को सामूहिक विवाह के बाद मिलने वाली राशि मिल गई है। किंतु बहुत से ऐसे भी ब्लॉक है जहां सामूहिक विवाह हुए , कुछ महीने बीत जाने के बावजूद भी अभी तक हितग्राहियों के खाते में सामूहिक विवाह की राशि नहीं आयी है। जिससे परेशान होकर हितग्राही अब जनसुनवाई में आवेदन लेकर आ रहे हैं। जिसमें ऐसा ही एक बैहर क्षेत्र में हुए सामूहिक विवाह में राशि नहीं मिलने के कारण प्रशासन को ज्ञापन दिया गया है और जल्द से जल्द हितग्राहियों को राशि दिए जाने की मांग जनसुनवाई के माध्यम से की गई है। आपको बता दे की नगर पालिका सहित जनपद पंचायत के माध्यम से अलग-अलग तहसील व क्षेत्र में संबंधित विभाग द्वारा बीते कुछ महीने पहले सामूहिक विवाह का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें विभाग द्वारा शासन की योजना अनुसार नव युगल जोड़ों को 55 हजार रूपये की सहायता राशि बेटियों के खातों में डाली जाती है, किंतु अभी तक बहुत से तहसील और क्षेत्र में हुए सामूहिक विवाह में सहायता राशि अभी तक नहीं डाली गई है। इस विषय को लेकर बैहर क्षेत्र के एक व्यक्ति ने मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में आवेदन किया है जहां उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि अलग-अलग तहसीलों में तो कुछ जगह सामूहिक विवाह में मिलने वाली राशि हितग्राहियों को दे दी गई है , लेकिन उनके क्षेत्र में यह राशि बेटियों के खाते में नहीं आयी है आवेदन देने आये जेठूसिंह टेकाम वार्ड नं 12 सतारा कटंगी द्वारा बताया गया की 11 अप्रैल 2025 को जनपद पंचायत बैहर के हाई स्कुल मैदान में सामूहिक विवाह हुआ था । किंतु अभी तक संबंधित विभाग द्वारा हितग्राहियों के खातों में सामूहिक विवाह की राशि नहीं डाली गई है । सभी हितग्राही शासन की योजना से मिलने वाली राशि का इंतजार कर रहे हैं जबकि उन्होंने यह भी बताया कि फरवरी महीने में हुए सामूहिक विवाह की राशि संबंधित विभाग के द्वारा डाल दी गई है । कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां पर अभी भी हितग्राही राशि आने का इंतजार कर रहे हैं उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सामूहिक विवाह में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को हितग्राहियों को दिया जाए जबकि बैहर जनपद में हुए 225 जोड़ों का भुगतान आज तक नहीं हुआ है और सभी बार-बार अपने खातों में राशि आने का इंतजार कर रहे हैं।

# नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया साइकिल दिवस

## विश्व साइकिल दिवस पर जागरुकता के लिए निकाली गई साइकिल रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। टेक्नोलॉजी के इस दौर में मानव समाज भले ही कितने ही तरक्की क्यों न कर ले, लेकिन बचपन से लेकर जवानी और बुढ़ापे तक कहीं ना कहीं उसका ताल्लुक साइकिल से जरूर रहता है।साइकिल एक सरल, सस्ता, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ परिवहन साधन है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।साइकिल की इसी विशिष्टता, और बहुमुखी प्रतिभा को स्वीकार करते हुए प्रतिवर्ष 3 जून के दिन को विश्व साइकिल दिवस के रूप में मनाया जाता है।वही इस दिन विशेष को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। जो प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 3 जून मंगलवार को नगर में आयोजित किए गए। जहां विश्व साइकिल दिवस पर साइकिलिंग के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को स्थानीय मुलना स्टेडियम में विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला साइकिल संघ एवं विभिन्न संघों की मौजूदगी नगर में साइकिल रैली निकाली गई जो कि मुलना स्टेडियम से शुरु होकर नगर के आंबेडकर चौक, हनुमान चौक, सराफा बाजार चौक, सुभाष चौक, महावीर चौक,राजघाट चौक, मेन रोड, काली पुतली चौक से होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल मुलना स्टेडियम पहुंची। यहां पर साइकिल रैली का समापन किया गया।

### साइकिलिंग से स्वास्थ्य भी रहता है, स्वस्थ्य

विश्व साइकिल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने कहा कि नियमित रुप से साइकिल चलाने से स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर होता है, और स्वास्थ्य सदैव स्वस्थ रहता है। साथ ही उन्होंने बताया कि साइकिलिंग के क्षेत्र में बालाघाट जिले के खिलाड़ी बहुत ही उम्दा प्रदर्शन कर रहे है, और लगातार मध्यप्रदेश का नेतृत्व भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कर रहे हैं। साइकिल दिवस पर साइकिल रैली के दौरान मुख्य अतिथि योगेश बिसेन उपाध्यक्ष नगरपालिका, मनोज उपवंशी जिला सचिव, तपेश असाटी अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट स्पोर्टस एकेडमी, नरेश धुवारे जिला एथलेटिक संघ, के.एल पालेवार, जयंत देशमुख,-टीकाराम लिल्हारे, मोहन लिलहारे व खेल युवा कल्याण के पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

## हिन्दी मुद्रलेखन प्रमाण गुम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी उमेश कुमार पिता स्व.श्री रंगलाल पंचेश्वर निवासी वार्ड नं. 23 दीनदयाल पुरम कालोनी बालाघाट, सिविल सर्जन कार्यालय बालाघाट में सहायक ग्रेड 3 के पद पर कार्यरत् हूँ।

मैने 11 नवम्बर 1990 को आयोजित हिन्दी मुद्रलेखन परिक्षा दिया था जिसका परिणाम 9 जनवरी 1991 को घोषित हुआ था जिसमें मुझे उत्तीर्ण घोषित किया गया एवं हिन्दी मुद्रलेखन पास होने की प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ था, जो कि उचित रख-रखाव के अभाव में गुम हो गया गया है।

अत: उक्त प्रमाण पत्र जिस किसी को भी मिले क्रृप्या वे मुझे मो.न. 9827196744 पर संपर्क करे।

**प्रार्थी**
**उमेश पंचेश्वर**
**वार्ड नं. 23 दीनदयाल पुरम कालोनी, बालाघाट(म.प्र.)**
**मो.न. 9827196744**

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

### तो कैसे पढ़ेगा और कैसे आगे बढ़ेगा इंडिया

# 2 गांव के 7 बच्चे शिक्षा से हो रहे वंचित

**अच्छे प्रतिशत होने के बावजूद भी गांव के सीएम राईज स्कूल में नही मिल रहा दाखिला, दोनों गांवों के बच्चों के साथ पालको ने कलेक्टेªट पहुचकर सौपा ज्ञापन**

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज़ )। पढ़ेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया यह स्लोगन पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए बनाया गया है। ताकि बच्चे पढ़ाई कर आगे बढ़ सके। लेकिन बात अगर बालाघाट जिले के ग्रामीण और दुरानाचल क्षेत्रों के बच्चों की करें तो उन्हें स्थानीय सरकारी स्कूल में दाखिला लेकर पढ़ाई करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।एक ऐसा ही एक मामला कटंगी क्षेत्र के ग्राम उमरी और ग्राम सेलवा से सामने आया है।जहां गांव के स्कूल में कक्षा 8वी पास करने के बाद उनका सीएम राइज स्कूल में दाखिला नही हो पा रहा है।वही गांव में कक्षा 9वी से कोई दूसरा सरकारी स्कूल भी नही है।जिससे बच्चो और उनके अभिभावकों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।जिसके सामाधान के लिए दोनों गांवों के बच्चों को साथ लेकर मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे, अभिभावकों ने कलेक्टर से करबद्ध निवेदन करते हुए उनके बच्चों का दाखिला गांव के समीप संदीपनी सीएम राइज स्कूल कटंगी में किए जाने की मांग की है।**

#### स्कूल में बैठक व्यवस्था ना होने की कही जा रही बात

जिले में, शासकीय स्कूलो के प्रति बढ़ते रूझान का ही परिणाम है कि अब, अभिभावक, अपने बच्चों को शासकीय स्कूल में प्रवेश दिलाना चाहते है लेकिन शासकीय स्कूलो में, बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जिसको लेकर प्राचार्य, स्कूल में बैठक व्यवस्था में कमी बता रहे है।दरअसल, सेलवा से कटंगी की दूरी महज दो से ढाई किलोमीटर है, जिससे अभिभावक चाहते है कि उनके 8 वीं कक्षा से पास बच्चों को संदीपनी स्कूल कटंगी में प्रवेश हो जाए लेकिन प्राचार्य, बैठक व्यवस्था नहीं होने से प्रवेश नहीं दे रहे है। जिससे अभिभावक परेशान है, उनका कहना है कि सेलवा से ढाई किलोमीटर में संदीपनी स्कूल ही एकमात्र हायर सेकेंडरी स्कूल है, जहां ग्राम के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है और सावंगी, हाईस्कूल में प्रवेश लेने की सलाह दी जा रही है।

#### दूसरे गांव में स्कूल है लेकिन नदी पर नही बना है पुल

अभिभावक योगराज पंचतिलक ने बताया कि सेलवा और ग्राम उमरी में 7 बच्चे है गांव से सावंगी के बीच चंदन नदी बहती है, जिस पर कोई पुल नहीं है, यदि वह बच्चों को वहां प्रवेश दिलाते है तो आगामी बरसात में बच्चों के स्कूल जाना पूरी तरह से अवरूद्ध हो जाएगा या फिर उन्हें 10 किलोमीटर का फेरा लगाकर जाना होगा। जिससे कटंगी संदीपनी स्कूल ही आवागम की दृष्टि से सेलवा और उमरी के बच्चो के लिए सुरक्षित है। जिससे हम चाहते है कि यहां के बच्चों को संदीपनी स्कूल में प्रवेश दिया जाए। चूंकि ग्राम में निवासरत परिवार किसानी और मजदूरी करते है, ऐसे में, निजी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से उन पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

#### अच्छे प्रतिशत के बावजूद नही मिल रहा प्रवेश-अरमान

वही ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान अभिभावकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुचे छात्र अरमान पंचतिलक ने बताया कि 8 वीं में उसका 83 प्रतिशत परीक्षा परिणाम है, बावजूद इसके, हमें प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इनके अलावा उनके साथ आए सभी विद्यार्थियों के अच्छे प्रतिशत हैं इसके बावजूद भी सीएम राइज स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है ।दूसरे गांव जाने कहां जा रहा है जबकि दूसरे गांव जाने के लिए हमें नदी पार करनी पड़ेगी। उस नदी में पुल भी नहीं है। बरसात के दिनों में आवागमन पूरी तरह से बाधित रहता है हम चाहते हैं कि कटंगी के सीएम राइज स्कूल में हमें प्रवेश दिया जाए।

# बेटे को मिला पिता की मौत के बाद बीमा का लाभ, जिला उपभोक्ता आयोग ने सुनाया अपना फैसला

**जबलपुर की एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को 5 लाख रूपये ब्याज के साथ देना होगा अन्य राशि**

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला उपभोक्ता आयोग में एक मामले में आयोग द्वारा अपना फैसला सुनाते हुए पिता की मौत के बाद बीमा का लाभ उनके पुत्र को दिलवाया गया है। जिसमें एक पिता की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, जिसका उनके बेटे को बीमा का लाभ नहीं मिल रहा था।जिसमें बेटे द्वारा इस पूरे मामले को जिला उपभोक्ता आयोग में डाला गया, जहां आयोग द्वारा अपना फैसला सुनाते हुए जबलपुर की एक कंपनी को बीमा और ब्याज के 5 लाख रुपए सहित अन्य वाद, व्यय की राशि दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं । आपको बता दे कि मंगलवार 03 जून को जिला उपभोक्ता आयोग ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जबलपुर को सेवा में कमी का दोषी पाते हुए एक माह के भीतर मृतक मगरूलाल बिसेन के दुर्घटना में मौत मामले में बीमा यूनियन ऋण सुरक्षा स्कीम के तहत पुत्र गोपाल बिसेन को 5 लाख रूपए बीमा क्षतिपूर्ति राशि, दावा प्रस्तुति से बीमा राशि भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज तथा वाद व्यय 2 हजार रूपए अदा करने का फैसला दिया है। यह फैसला बीमा अवधि में बीमित की स ?क हादसे में मौत पर कंपनी के बीमा क्लेम नहीं देने पर दायर वाद में आयोग की पैनल ने दिया है। जिले के, खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत, नवेगांव निवासी मगरूलाल बिसेन ने अपनी भूमि 1.502 हेक्टेयर, यूनियन बैंक शाखा वारासिवनी से 27 जुलाई 2018 को एक लाख 50 हजार रूपए, के.सी.सी. ऋण लिया था। इस ऋण को सुरक्षित करने 5 वर्ष का दुर्घटना बीमा, यूनियन ऋण सुरक्षा स्कीम के तहत बैंक ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जबलपुर से कराया था। जिसमें 6296 रूपए, मंगरूलाल के खाते से काटी गई थी। बीमा की यह अवधि 2 अगस्त 2018 से 1 अगस्त 2023 तक थी। इसी बीच मंगरूलाल की मौत, 04 नवंबर 2022 को मोटर साईकिल और ट्रेक्टर के बीच हुई दुर्घटना में हो गयी थी । जिसके बाद पुत्र गोपाल बिसेन ने, कंपनी पर बीमा क्लेम किया था। जिसमें पुलिस रिपोर्ट के साथ ही मर्ग इंस्टीमेशन सहित अन्य

दस्तावेज, बीमा कंपनी को भेजे थे, लेकिन बीमा कंपनी ने बीमा क्लेम को बिना किसी आधार के निरस्त कर दिया था। जिसके बाद गोपाल बिसेन ने बीमा कंपनी के खिलाफ, वाद, जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट में, अपने अधिवक्ता अवलेश बिसेन के माध्यम से पेश किया था।जिसमें सुनवाई करते हुए आयोग अध्यक्ष श्यामाचरण उपाध्याय और सदस्य डॉ. महेश कुमार चांडक तथा हर्षा बिजेवार की बैंच ने पूरे मामले में केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जबलपुर को, सेवा में कमी को पाते हुए कंपनी को एक माह के भीतर 5 लाख रूपए, दावा प्रस्तुति से बीमा राशि भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज तथा वाद व्यय 2 हजार रूपए अदा करने का आदेश दिया है। जिला उपभोक्ता आयोग सदस्य हर्षा बिजेवार ने घटना की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष श्यामाचरण उपाध्याय और सदस्य डॉ. महेश कुमार चांडक के साथ, आयोग लगातार उपभोक्ताओं के हितो में, आदेश जारी कर रही है।

# जिला स्पोर्ट एकेडमी की बैठक सम्पन्न

### 10 और 11 जून को नगर में होंगा जुम्बा,योगा का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। प्री मानसून खेल आयोजन को लेकर जिला स्पोर्ट एकेडमी के तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन किया गया।आयोजित इस बैठक में सर्व खेल संगठन, सांस्कृतिक सामाजिक संस्थाएं, नूतन कला निकेतन

,रोटरी क्लब, महिला संगठन, रक्षिका शौर्य संगठन, खेल और युवा कल्याण विभाग के प्रतिनिधि,समन्वयक, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं खेल शिक्षक सामाजिक कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।जिनकी प्रमुख उपस्थिति में प्री मानसून खेल आयोजन के तहत योगा ,फिटनेस एक्सरसाइज एवं जुंबा डांस, के आयोजन के संबंध में बैठक आहूत की गई।जिसमें सर्वसम्मति से दिनांक 10 एवं 11 जून को सुबह 6.30 से दो दिवसीय फिटनेस एक्सरसाइज योगा एवं जुंबा, मनोरंजन कार्यक्रम कराने का निर्णय लिया गया ।जहा कार्यक्रम के माध्यम से बालाघाट के युवाओं, खिलाड़ियों एवं हर आयु वर्ग के आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की एक नई मुहिम चलाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिसमें डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स अकैडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयोजन का उद्देश्य हर वर्ग स्कूल ,कॉलेज, युवाओं ,हर उम्र के नागरिकों को मनोरंजन, योगा, फिटनेस, ओर खैलो से जोड़ना है उन्होंने सुबह के समय हर कोई एक घंटा रोज फिटनेस का डोज खेल मंत्रालय भारत सरकार के फिटनेस स्वास्थ्यवर्धक मंत्र को आगे बढ़ाकर इस आयोजन में सभी भाग लेने की अपील भी की है ।बताया गया कि इस आयोजन में किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा जो नि:शुल्क रहेगा। बालाघाट के आम नागरिकों से इस आयोजन का हिस्सा बनने हेतु सुबह 6:30 बजे से 10 जून और 11 जून को आने के लिए कहां गया है। इच्छुक युवाओं और नागरिको को आयोजन में भाग लेने के लिए सुबह 6:30 बजे मुलना स्टेडियम मैदान में लोअर टी-शर्ट शूज ,चटाई , पानी की बोटल साथ लाए युवतियां महिलाएं सलवार सूट , लोअर टी-शर्ट या व्यायाम के लिए उपयुक्त ड्रेस पहनना अनिवार्य किया गया है।बताया गया कि कार्यक्रम 6:30 प्रारंभ हो जाएगा।उपरोक्त बैठक में संरक्षक देवेंद्र सिंह चंदेल ,अध्यक्ष योग आयोग एवं जिला स्पोर्ट एकैडमी तपेश असाटी, भानु प्रताप सिंह चौधरी, अभिषेक पांडे, सुधीर तोमर ,श्रीमती गुप्ता मैडम , श्रीमती जय श्री सोनवाने, मोहसिन खान, अनिल चदेश्वर, शैलेंद्र यादव, कमल किशोर तेलासे, अजय ठाकुर, सुनील यादव, सजिन्द्र कृष्णन, लव कुमार पटेल, अनिल चंद्रेश्वर, ओमप्रकाश दमाहे, डी के रंहागडाले ,प्रमोद घोड़ेश्वर,अंकित उइके, और दिलीप राजपूत सहित खेल संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# निरीक्षण के 15 दिन बाद भी नहीं बदली बायपास और डेंजर रोड की सूरत

**डेंजर रोड की अनदेखी कहीं बरसात में पड़ ना जाए भारी, एसडीएम ने कहा जल्द शुरू किया जाएगा मरम्मत का कार्य**

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों डेंजर रोड की स्थिति फिर से धीरे-धीरे खराब होते जा रही है । बीते दिनों भी जिला प्रशासन के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों की एक टीम द्वारा डेंजर रोड सहित बायपास रोड का निरीक्षण किया गया था। संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया था कि वह बरसात के पूर्व रोड को तुरंत दुरुस्त करें , किंतु अभी तक निरीक्षण के 15 दिन बीत जाने के बाद भी डेंजर रोड पर किसी प्रकार का कोई परिवर्तन देखने को नही मिल रहा है । गोंगलाई से लेकर नवेगांव तक की रोड अत्यधिक जर्जर हो चुकी है यहां पर जानकार बता रहे हैं कि कभी भी कोई घटना इसी प्रकार रोड रही तो घट जाएगी। जबकि विभाग द्वारा बायपास रोड के बजट के लिए विभाग को पत्राचार भी किया गया है, किंतु शासन से अभी बजट नहीं मिला है वहीं बरसात के पूर्व संबंधित विभाग एक बार फिर बायपास रोड का मरम्मत कार्य करने के लिए निर्देशित कर दिया गया है , किंतु अभी तक कोई भी मरम्मत कारण का कार्य शुरू नहीं हुआ है। इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी से चर्चा की गई थी तो उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले हुई बारिश के कारण रोड पर कोई भी कार्य शुरू नहीं किया गया है और जल्द ही वह रोड को दुरुस्त करने के लिए कार्य को गति देने निर्देशित करेंगे , साथ ही अभी बन रहे ओवरब्रिजों का कार्य भी अधुरा पड़ा हुआ है, जिससे बरसात के समय आवागमन करने वाले यात्रियों को अच्छी खासी परेशानी का सामना भी करना पड़ेगा।

आपको बता दे कि खनिज और वन संपदा से प्रदेश को सबसे बड़ा राजस्व देने वाला बालाघाट जिला मुख्यालय में एक अदद बायपास नहीं है, यही कारण है कि आवागमन का सीधा दबाव, शहर की सड़को पर पड़ रहा है। सालो पहले, शहर के ऑक्सीजन जोन कहे जाने वाले डेंजर रोड की हरियाली को खत्म कर, इसे बायपास बनाने का प्रयास किया गया लेकिन करोड़ो खर्च करने के बावजूद, बायपास की डामर एक सालों बाद ही उखड़कर गड्ढो में तब्दील होते गई। जो वर्तमान में शहर के सरेखा और गर्रा रेलवे लाईन पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कारण, एकमात्र बायपास का रास्ता है, दो बरसात झेल चुके, बायपास की वर्तमान हालत, जर्जर है, लगभग सात किलोमीटर का यह बायपास मार्ग, अलग-अलग जगह में लगभग चार किलोमीटर तक जर्जर हालत में है। प्रशासन ने इसके जीर्णोद्धार के लिए तकरीबन 20 करोड़ का प्रस्ताव भेजा है, लेकिन, अब तक, शासन से उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। बायपास का विषय, इस वक्त, इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आगामी दिनो में बरसात शुरू हो जाएगी। ऐसे में बायपास की जो हालत है, उस, स्थिति में इस बरसात को झेल पाना, संभव नजर नहीं आता है। हालांकि, सरेखा और गर्रा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण तक किसी तरह, यह बायपास, आवागमन को झेल सके, इसे देखते हुए विगत 15 मई को एसडीएम गोपाल सोनी ने पुलिस, यातायात और पीडब्ल्युडी अमले के साथ इसका निरीक्षण किया था और पीडब्ल्युडी विभाग को इसके, मरम्मत के निर्देश दिए थे, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी केवल साईड सोल्डर में मिट्टी डाली जा सकी है, जो भी बीते दिनो में हुई बारिश के कारण, वाहनों के चक्कों से धंस गई है।

#### हुई बारिश के कारण मरम्मत का कार्य थोड़ा लेट हो गया - गोपाल सोनी

इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि निश्चित ही बायपास रोड सहित डेंजर रोड की स्थिति थोड़ी खराब है। जिसके लिए मरम्मत का कार्य होना है । क्योंकि अभी कुछ दिन पहले हुई बारिश के कारण मरम्मत का कार्य थोड़ा लेट हो गया, किंतु जल्द ही बायपास रोड और डेंजर रोड पर मरम्मत का कार्य किया जाएगा । जिसे जल्द से जल्द किए जाने को लेकर निर्देशित किया जाएगा, डेंजर रोड और बायपास रोड दोनों के विषय में प्रशासन लगातार अपनी नजर बनाए हुए हैं।

# ढेरो वादे कर कालोनी में बेचे गए थे प्लाट लेकिन पंचायत के हैंडओवर नही की रास्ते की भूमि

### अब कच्ची सड़क का नही हो रहा पक्का निर्माण, सड़क निर्माण को लेकर हो रही परेशानी,मूलभूत सुविधा को तरस रहे कॉलोनीवासी, ग्राम भटेरा के रामेश्वरम नगर का मामला,रहवासियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)।नगरीय क्षेत्र से लगे गांव में बिल्डरो ने कॉलोनी के नाम से प्लाट काटकर जमीन तो बेच दी, लेकिन कॉलोनीवासियो को मूलभूत सुविधाए प्रदान नहीं की है, अब कॉलोनी में रहने वाले नागरिक सड़क, नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है।मामला जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भटेरा के वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 स्थित रामेश्वरम नगर का है। जहां जमीन विक्रेताओं ने प्लाट विक्रय करने का काम 2009-10 में किया था और बड़ी संख्या में यहां लोगों ने प्लाट खरीदकर अपने-अपने मकानों का निर्माण किया है, लेकिन जमीन विक्रेताओं के द्वारा उक्त प्लाटिंग की कच्ची सड़क को ग्राम पंचायत के हैंडओवर अब तक नहीं किया गया है। जिसके चलते यहां के रहवासियों के आवागमन की कच्ची सड़क का पक्का निर्माण नहीं हो पा रहा है, और रहवासियों को परेशान होना पड़ रहा है।जिसके चलते ही मंगलवार को रहवासियों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर से मामले की शिकायत की है, और वार्ड की सड़क की जमीन को शासन के पक्ष में दान करवाने की मांग की है। जिससे कि उनकी समस्या का समाधान हो सके।

#### पांच वर्षो से कर रहे विक्रेताओं से संपर्क

रामेश्वरम नगर के रहवासी राम सनेनी सिंह, अरविंद शरणागत, विनित कानतोड़े सहित अन्य ने बताया कि वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 के रहवासियों के आवागमन के लिए एकमात्र कच्ची सड़क है, और इस सड़क के दोनों तरफ मधु सिंगी पति स्वर्गीय विनय सिंगी, शीला पति मुकेश संचेती तथा सुषमा पति सुनील छाबड़ा द्वारा प्लाटिंग कर प्लाट विक्रय का कार्य किया गया था और हम सभी ने प्लाट खरीदने के बाद मकान बनाए है, लेकिन इन विक्रेताओं के द्वारा एक मात्र कच्ची सड़क शासन के पक्ष में दान नहीं की जा रही है जिससे ग्राम पंचायत भटेरा इस सड़क का निर्माण नहीं करवा पा रही है।जिसका खामियाजा रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि करीब पांच वर्षो से लगातार विक्रेताओं से सड़क हैंडओवर किए जाने के लिए संपर्क किया जा रहा है, लेकिन विक्रेता समस्या का समाधान नहीं कर रहे है बल्कि उक्त कार्य के लिए रुपयों की मांग कर रहे है। जिससे रहवासी परेशान हो रहे हैं।

#### वर्षाकाल में हो जाती है, गंभीर स्थिति

रहवासी देवेन्द्र नखाते, महेन्द्र कुमार ठाकुर, ओमकार सर्राटे सहित अन्य रहवासियों ने बताया कि कच्ची सड़क होने से सदैव ही आवागमन में परेशानी होती है। कुछ देर के लिए भी वर्षा हो जाने पर सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे रहवासियों को आवागमन करना मुश्किल हो जाता है। वहीं वर्षाकाल के दौरान स्थिति अति गंभीर हो जाती है, यहां बच्चे जहां स्कूल नहीं जा पाते है, वहीं रहवासी अपना कामकाज तक नहीं कर पाते है, अति आवश्यक की स्थिति में दलदल भरी कच्ची सड़क पर आवागमन करना मजबूरी बन जाता हैं। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द कॉलोनी की उक्त सड़क को पंचायत के हैंडओवर किया जाए ताकि उसका पक्का निर्माण किया जा सके और यहां से आवागमन करने में कॉलोनी वासियों को परेशानी ना हो।

# गंगा दशहरा महापर्व कल

**जल की देवी मां गंगा का विधि विधान से होगा पूजन, जलाभिषेक, वस्त्र भेट ,हवन -पूजन, दीपदान, चुनरी भेंट, गंगा आरती, भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाएंगे आयोजन**

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मां गंगा समिति द्वारा गंगा दशहरा महापर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाएगा।गुरुवार 5 जून को मां गंगाधाम मंदिर, शंकर घाट परिसर में आयोजित इस महापर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसके तहत 5 जून गुरुवार दोपहर 3 बजे माता जी का जलाभिषेक कर, वस्त्र भेंट किया जाएगा। तो वहीं शाम 4 बजे हवन पूजन कार्यक्रम संपन्न कराकर, शाम 5 बजे दीपदान किया जाएगा। इसके अलावा शाम 6 बजे मां गंगा को 1008 फुट लंबी चुनरी भेंट की जाएगी। तो वही शाम 7 बजे मां गंगा की माह आरती का आयोजन कर, श्री गुरुदेव भजन मंडली पिपरवानी द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके उपरांत महाप्रसादी व भंडारा का आयोजन कर जल की देवी मां गंगा के दशहरा महापर्व का समापन किया जाएगा।आयोजित इस सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहने की अपील माँ गंगा मंदिर सदस्य गण- बबलू चंदेल, सुनील राउत, मंयक दुबे, धीरज चुनचुनवार, मनोज गिरी, संतोष भारद्वाज, बंटू भैया, संदीप नेमा, विजय अग्रवाल, बिन्नु स्वामी, दिलीप बंसारे, सुशील, मोहित, राजेश बनोटे, संतोष, संदीप, राजेश बरडिया, प्रवीण शरणागत, अशोक डहरवाल, बललू श्रीवास्तव, अजय येवले, कपिल बर्वे, अनु उरकुडे, पूनानंद दौने और त्रिवेन्द्र नगपुरे सहित माँ गंगा समिति के अन्य पदाधिकारी सदस्यों द्वारा की गई है।

# देशी-अंग्रेजी शराब दुकान में नकाबपोश लुटेरों ने बन्दुक की नोक दिखाकर शराब व राशि लेकर हुए फरार

## नकाबपोश लुटेरे सीसीटीव्ही कैमरे में हुए कैद, पुलिस ने अज्ञात नकाबपोश लुटेरों के खिलाफ किया मामला पंजीबध्द

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नकाबपोश लुटेरों ने जाम स्थित देशी एवं अंग्रेजी शराब दुकान में रविवार की रात 11 बजे घुसकर महंगी शराब एवं नगद 37500 रूपये लुटकर फरार हो गये। वहीं इस अंग्रेजी-देशी शराब में हुई वारदात सीसीटीव्ही फुटेज में सामने आया है। जिसमें साफ-साफ दिख रहा है कि किस तरह से लुटेरे बंदुक की नोक पर शराब दुकान के अंदर घुमते है और कर्मचारियों को डरा-धमकाकर पूरी वारदात को अंजाम देते है। साथ ही नकाबपोश लुटेरों ने पहले शराब दुकान पहुंचकर बीयर की बॉटल लिये उसके कुछ देर बाद पुन: शराब दुकान के अंदर बंदुक लेकर घुसे और लुट की घटना को अंजाम दिये है। इस तरह की लुट की घटना से लोग भयभित है कि शराब दुकान में जब लुट की घटना हो सकती है तो किसी दिन किसी के घरों में भी लुटपाट की घटना हो सकती है। पुलिस प्रशासन से रात्रि के समय ग्रामीण क्षेत्रों में भी गस्त करने की मांग की है। वहीं पुलिस ने शराब दुकान के कर्मचारी 25 वर्षीय पचोखर तहसील नरैयनी जिला बांदा उत्तरप्रदेश, हाल मुकाम दिलीप सनोडिया के मकान पोस्ट आफिस के पास बारहपत्थर कुरई जिला सिवनी निवासी अंकित उपाध्याय की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात नकाबपोश लुटेरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 309(4) के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच शुरू कर दी है।

### सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर नकाबपोशों की तलाश कर रही पुलिस

प्राप्त जानकारी के अनुसार जाम के सेवा सहकारी समिति के समीप मोहगांव जाम मार्ग पर स्थित देशी-अंग्रेजी शराब दुकान में रविवार की रात करीब 11 बजे दो व्यक्ति नकाब पहनकर शराब दुकान में घुस गये और शराब दुकान के कर्मचारी को बन्दुक की नोक दिखाकर हजारों रूपये की शराब एवं नगद 37500 रूपये लुटकर फरार हो गये। इस दौरान अगर शराब दुकान के कर्मचारी विरोध करते तो नकाब पोश लुटेरे उन पर गोली भी चला सकते थे जिससे उनकी जान भी जा सकती थी। इस तरह से नकाब पोश लुटेरे शराब दुकान में बीती रात्रि में घुसकर नगद राशि एवं शराब लेकर फरार हो गये । जिससे देशी-अंग्रेजी शराब दुकान के संचालक को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। वहीं अज्ञात नकाब पोश लुटेरे शराब दुकान में लगी सीसीटीव्ही कैमरे में कैद को चुके है जिसमें एक नकाब पोश व्यक्ति के हाथ में बन्दुक है जो बंदुक की नोक पर शराब दुकान के कर्मचारी को डराते हुए दिखाई दे रहा है। साथ ही दुकान के अंदर दो व्यक्ति घुसे थे एवं एक बाहर था जिससे ऐसा लग रहा है कि बंदूक की नोक पर शराब दुकान में की गई लूटपाट की घटना में तीन नकाबपोश व्यक्ति शामिल है। जबकि जिस स्थान पर शराब की दुकान है वहां मोहगांव जाम रोड़ पर स्थित है और इस मार्ग से रात्रि के समय लोगों का आवागमन होते रहता है। जिसके समीप में सेवा सहकारी समिति का कार्यालय एवं कुछ दुरी पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी हैं। बावजूद उसके अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने

बंदुक की नोक पर रविवार की रात करीब 11 बजे शराब दुकान के अंदर पहुंचकर लुटपाट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गये। जिससे ऐसा लग रहा है कि लुटेरों को पुलिस को कोई डर नही है। तभी तो देशी-अंग्रेजी शराब दुकान में लुटपाट की घटना को अंजाम दिया है। जबकि इन स्थानों पर अकसर रात 12 बजे तक लोग रहते है उसके बाद भी लुटेरे बंदुक की नोक पर घटना को अंजाम देकर फरार हो गये। इस लूटपाट की घटना से जाम स्थित शराब दुकान के मालिक को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है, जिन्होने पुलिस प्रशासन से अज्ञात नकाबपोश लुटेरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

### अज्ञात नकाबपोश लुटेरों को जल्द किया जायेगा गिरफ्तार - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि जाम स्थित देशी-अंग्रेजी शराब दुकान में रविवार की रात 11 बजे दो नकाबपोश व्यक्ति दुकान के अंदर घुसकर बंदुक की नोक दिखाकर शराब एवं नगद राशि लेकर फरार हो गये है। शराब दुकान के कर्मचारी की रिपोर्ट पर अज्ञात नकाबपोश व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है एवं सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज एवं अन्य तकनीकी के माध्यम से लुटेरों की तलाश की जा रही है। जिन्हे जल्द गिरफ्तार कर इस लुटपाट की घटना का खुलासा किया जायेगा।

# राहुल गांधी का भोपाल में हुआ भव्य स्वागत, ढ़ोल-मंजीरे बजा पार्टी कार्यकर्ताओं ने माहौल को किया कांग्रेसमय

## पीसीसी पहुंचे राहुल ने इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भोपाल। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज मंगलवार को मध्य प्रदेश दौरे पर भोपाल पहुंचे हैं। यहां उनका उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त स्वागत किया और ढोल-मंजीरों के साथ नाचते-गाते माहौल को कांग्रेसमय बना दिया।

भोपाल एयरपोर्ट से पीसीसी कार्यालय के बीच में जगह-जगह मंच बनाकर राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया गया है। भोपाल एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार समेत पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने किया। इसके बाद एयरपोर्ट से पीसीसी दफ्तर जाने के लिए राहुल गांधी का काफिला आगे बढ़ा इसी दौरान रास्ते में कुछ पार्टी कार्यकर्ता जोश में आकर उनकी गाड़ी के समक्ष भी आ गए। जोश में पार्टी कार्यकर्ता राहुल गांधी के नारे लगा रहे थे। तभी पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रास्ते से अलग करते हुए काफिले को आगे बढ़ाया।

इस भव्य स्वागत के साथ ही राहुल गांधी पीसीसी दफ्तर पहुंचे जहां उन्हें कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक लेनी है। राहुल गांधी ने पीसीसी कार्यालय के बाहर इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। यहां बताते चलें कि राहुल गांधी भोपाल में करीब 6 घंटे रहने वाले हैं। इसी बीच दोपहर बाद राहुल गांधी रवीन्द्र भवन में जिलाध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों के अधिवेशन को संबोधित भी करेंगे। इस प्रकार राहुल गांधी का यह दौरा खास माना जा रहा है, जो कि संगठन को मजबूती प्रदान करने वाला है।

# भीम आर्मी भारत एकता मिशन का हुआ पुर्नगठन

## बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा, कार्यक्रमों की बनाई गई रणनीति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के आमाटोला स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में 3 जून को भीम आर्मी भारत एकता मिशन की ब्लाक स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला मुख्य सचिव, प्रवक्ता जीतू बौध्द के मुख्य आतिथ्य एवं संभाग अध्यक्ष निलेश बौध्द की अध्यक्षता एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने गौतम बुध्द एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में भीम आर्मी भारत एकता मिशन का पुर्नगठन, एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार के खिलाफ कैसे लड़ाई लड़ना है सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर भीम आर्मी भारत एकता मिशन का पुर्नगठन कर नये सदस्यों को इस मिशन (संगठन) में शामिल किया गया। जिसके बाद नये सदस्यों को गमछा भेंट कर उनका स्वागत किया गया। साथ ही भीम आर्मी भारत एकता मिशन के माध्यम से किस तरह से एससी, एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक समुदाय के हितों में काम करना है उसके बारे में सभी को बताया गया और सभी को संगठित होकर काम करने दिशा-निर्देश भी दिये गये। वहीं उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूती देने के लिए योजना भी बनाये ताकि क्षेत्र में संगठन का विस्तार कर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ सके एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति भी तैयार की गई है। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के संभागाध्यक्ष निलेश बौध्द ने बताया कि बैठक में लालबर्रा में भीम आर्मी भारत एकता मिशन (संगठन) का पुर्नगठन सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है और हमारे द्वारा एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ जो अन्याय एवं अत्याचार हो रहा है जिसके प्रति लोगों को जागरूक कर उन्हे न्याय दिलवाने का काम कर रहे है। साथ ही हमारे संगठन से लोग जुड़ने लगे है और संगठित होकर सभी के हित की लड़ाई लड़कर न्याय दिलवाने का काम किया जायेगा। इस अवसर पर स्टुटेंड फेडरेशन जिलाध्यक्ष सुजल मेश्राम, तहसील अध्यक्ष संजीव राव, कार्यकारी अध्यक्ष विजय कांगड़े, महासचिव ईमरान खान, उपाध्यक्ष अध्यक्ष अशरफ़ खान, कोषा अध्यक्ष सोहेब कुरैशी, उपाध्यक्ष सत्यसील मेश्राम, संजय शाहू, सचिव अहेतेसाम भाई, मीडिया प्रभारी साहिल मेश्राम, सदस्य मोह. सफीक खान, विशाल वैध, दीपेन्द्र हुमनेकर, दीपक मेश्राम, राजेश शाहू, शाहिल मेश्राम, निशांत मेश्राम, फैज़ अली, इरशाद कुरैशी, मोहसिन खान, सरफराज कुरैशी, अहलेशाम अली, इंद्रराज मेश्राम सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

# चौपहिया वाहन की टक्कर से बाईक सवार व्यक्ति की हुई मौत

## पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस, मृतक मोटरसाइकिल से अपने ससुराल पांडेवाड़ा कार्यक्रम में शामिल होने एवं पत्नि व बच्चें को लेने जा रहा था

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोंडी में (मेटाडोल) चौपहिया वाहन की टक्कर से बाईक सवार 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने पीकअप वाहन को जप्त कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बागडोगरी (छपारा) निवासी 40 वर्षीय राजेश राहंगडाले का ससुराल पांडेवाड़ा (खमरिया) का है। जिसकी पत्नि अपने दो ब'चों के साथ मायके पांडेवाड़ा किसी कार्यक्रम में शामिल होने आ गये थे। वहीं 3 जून को राजेश के ससुराल में कुछ कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने और अपनी पत्नि व बच्चों को लेने के लिए वहां 3 जून को दोपहर करीब 12 बजे मोटरसाइकिल से पांडेवाड़ा (खमरिया) जा रहा था। तभी लालबर्रा की ओर से जा रहे चौपहिया (मेटाडोल) वाहन चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद मार्ग से गुजर रहे लोग एकत्रित हुए और पुलिस को घटना की जानकारी दिये और तत्काल निजि वाहन से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं सड़क दुर्घटना में राजेश राहंगडाले की मौत हो जाने की जानकारी लगने के बाद उनके परिचित एवं ससुराल पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी लिये और मृतक व्यक्ति के परिजनों से मुलाकात कर ढंढास बांधा। वहीं घटना के बाद से मृतक व्यक्ति के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। पुलिस ने मृतक व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक राजेश राहंगडाले कृषि एवं मजदूरी कार्य करता था जिसके परिवार में पत्नि, दो बच्चें है जिसमें बेटी 10 वर्ष की एवं बेटा 6 वर्ष का है और राजेश परिवार का मुखिया था जो कृषि एवं मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। जिसकी मृत्यु हो जाने से उसके परिवार को जीविकापार्जन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### राजेश अपने ससुराल आ रहा था - अनिल

खमरिया सरपंच प्रतिनिधि अनिल टेंभरे ने बताया कि राजेश राहंगडाले का मूल निवास बागडोगरी (छपारा) का है। जिसका ससुराल पांडेवाड़ा का है, जो 3 जून को अपने गांव से मोटरसाइकिल में पांडेवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आ रहा था, तभी पोंडी (नेवरगांव ला.) के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। जिसकी जानकारी लगने पर हम लोग तत्काल अस्पताल आये तो पता चला की उसकी मौत हो चुकी है, यह बहुत दु:खद घटना है। श्री टेंभरे ने बताया कि मृतक की पत्नि दो दिन पहले अपने ब'चें के साथ अपने मायके पांडेवाड़ा आ गई थी और मंगलवार को राजेश अपने ससुराल आ रहा था तभी रास्ते में मेटाडोल चालक ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत होने की बात कही जा रही है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### मामले की जांच की जा रही है - दुर्गाप्रसाद

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते ने बताया कि बागडोगरी (छपारा) निवासी राजेश राहंगडाले मोटरसाइकिल से अपने ससुराल पांडेवाड़ा जा रहा था, तभी पोंडी के पास चौपहिया वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। साथ ही चौपहिया वाहन (मेटाडोर) को जप्त कर थाने में खड़ा करवा दिया गया है, जिसके चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

# उच्च न्यायालय एवं श्रम आयुक्त के आदेश के बाद भी भृत्य, नल चालकों को नही मिल रहा कलेक्टर दर पर मानदेय

## बैठक में भृत्य एवं नल चालक संगठन ने आंदोलन करने की बनाई रणनीति, जनपद में करेगें धरना प्रदर्शन, आदेश जारी होने के बाद भी कलेक्टर दर पर मानदेय नही मिलने से पंचायत के भृत्य, नल चालक व लिपिकों में आक्रोश व्याप्त

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायतों में कार्यरत भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी संगठन के द्वारा कलेक्टर दर पर मानदेय दिये जाने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर किये थे। जिस पर हाईकोर्ट के द्वारा करीब दो वर्ष पूर्व आदेश पारित करते हुए पंचायतों में पदस्थ भृत्य, नल चालक, लिपिक कर्मचारियों को न्यूनतम वेतनमान के संबंध में श्रम आयोग को निर्देशित किया गया था कि वह पंचायत कर्मियों को न्यूनतम मानदेय अर्ध्दकुशल श्रेणी के अनुसार प्रदान करें। इस संबंध में श्रम आयुक्त इंदौर के द्वारा विभिन्न जिलों के जिला कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओं को पत्र जारी किये गये थे। जिसके बाद जिला पंचायत सीईओं के द्वारा जनपद पंचायत के सीईओं को पत्र जारी किया गया था और यह पत्र जारी हुए 7 माह होने लगे है। लेकिन अब तक ग्राम पंचायतों में पदस्थ भृत्य, नल चालक, लिपिकों को कलेक्टर दर पर पंचायत के सचिव, सरपंच के द्वारा मानदेय प्रदान नही किया जा रहा है। जिससे पंचायतों में पदस्थ भृत्य, नल चालक एवं लिपिकों में आक्रोश व्याप्त है और अपनी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए आगामी समय में आंदोलन करने की रणनीति तैयार कर रहे है। 3 जून को भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी संगठन लालबर्रा की बैठक संपन्न हुई। जिसमें उपस्थित भृत्य एवं अन्य कर्मचारियों ने पंचायतों में काम करने के दौरान आ रही परेशानी, अल्प वेतन मिलने के बाद भी समय पर पैमेंट नही मिलने एवं कम वेतन पर इस बढ़ती महंगाई में जीवनयापन करने में आ रही परेशानी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर उच्च न्यायालय एवं श्रम आयुक्त के आदेश का पालन नही होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेटर दर पर मानदेय दिये जाने की मांग को लेकर आगामी समय में जनपद पंचायत कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करने की रूपरेखा तैयार की है। इस तरह से अब भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी संगठन के द्वारा अपनी लंबित मांगों को पूरा करवाने के लिए काम-बंद हड़ताल कर धरना प्रदर्शन करेगें। भृत्य एवं नल चालक कर्मचारी संगठन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि हम लोग पंचायतों में विगत वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे है परन्तु मानदेय बहुत कम मिल रहा है यानि मजदूरों से भी कम मिल रहा है और इस बढ़ती महंगाई में इतने कम वेतन में परिवार का पालन-पोषण करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और लंबे

समय से शासन-प्रशासन से कलेक्टर दर पर मानदेय प्रदाय करने की मांग कर रहे है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी पंचायतों में कार्यरत भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि उच्च न्यायालय के द्वारा श्रम आयुक्त को पंचायत में कार्यरत भृत्य एवं नल चालक सहित अन्य लिपिक वर्ग के कर्मचारियों को कुशल, अर्ध्दकुशल श्रमिक के आधार पर कलेक्टर दर पर मानदेय दिये जाने आदेशित किया गया है लेकिन इस आदेश का सरपंच, सचिव एवं सीईओं पालन नही कर रहे है। जिससे सभी परेशान है। हमारी मांग है हमें कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाये नही तो आगामी समय में धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष सावनलाल चौहान, सचिव संतोष भारद्वाज, सदस्य अनिल साकोने सहित अन्य भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

### मांगे पूरी नही होने पर करेगें धरना प्रदर्शन - रहीम

नल चालक अ. रहीम कुरैशी ने बताया कि पंचायतों में विगत वर्ष से काम कर रहे है लेकिन हमें मानदेय बहुत कम मिलता है। जिसके कारण इस बढ़ती महंगाई में परिवार का पालन-पोषण करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि हम लोग पानी प्रदाय करने सहित सभी काम पंचायत में करते है और कलेक्टर दर पर मानदेय दिये जाने श्रम विभाग ने आदेश पारित कर चुका है उसके बावजूद पंचायत के सरपंच-सचिव नही दे रहे है। जिससे पंचायतों में पदस्थ भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी परेशान है। श्री कुरैशी ने बताया कि लंबे समय से हमें कलेक्टर दर पर मानदेय देने की मांग कर रहे है लेकिन पूरी नही हो रही है इसलिए आगामी समय में जनपद पंचायत का घेराव कर धरना प्रदर्शन करेगें।

### कलेक्टर दर पर मिलना चाहिए मानदेय - संतोष

भृत्य, नल चालक एवं लिपिक कर्मचारी संगठन लालबर्रा सचिव संतोष भारद्वाज ने बताया कि श्रम आयोग भोपाल के माध्यम से प्रदेश के ग्राम पंचायतों में पदस्थ भृत्य, नल चालक एवं लिपिकों को अर्ध्दकुशल श्रेणी मानकर कलेक्टर दर पर मानदेय दिये जाने के आदेश दिये गये है। जिसके लिए जिला सीईओं के द्वारा जनपद पंचायत सीईओं को पत्र जारी हुए 7 माह हो चुके है लेकिन पंचायत के सचिव व सरपंच पैमेंट देने के लिए कोई मद नही होने की बात कहकर उ'च न्यायालय एवं श्रम आयुक्त के आदेश एवं जिला सीईओं, जनपद सीईओं के आदेश का पालन नही कर रहे है। श्री भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान में हम लोगों को बहुत कम मानदेय मिलता है, कलेक्टर दर पर 11 हजार रूपये मिलेगा लेकिन नही मिल रहा है। जिससे हम लोग आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान है। वहीं सीईओं साहब का कहना है कि हमने पंचायत को आदेश कर दिया है लेकिन सरपंच-सचिव नही कर रहे है। इस तरह से अधिकारी-कर्मचारी एक-दुसरे पर टाल रहे है। हमारी मांग है कि श्रम आयुक्त के आदेशानुसार हमें कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाये।

# महाराजपुर पुलिया खस्ताहाल दुर्घटना की बन रही हैं संभावना

## राहगीरों को पुलियां पर से आने जाने में हो रही दिक्कत

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के महाराजपुर ग्राम के प्रारंभ में स्थित पुलियां खस्ताहाल हो गया है। जहां पर आवागमन कर रहे लोगो को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करते हुए आना जाना पड़ रहा है। इस दौरान दुर्घटना की संभावना बनी हुई है किंतु मजबूरी में लोग मार्ग से आवागमन कर रहे हैं। जहां पर अनेकों बार राहगीरों के द्वारा कोस्ते महाराजपुर के मध्य स्थित पुलियां की मरम्मत करने की मांग की जा चुकी है । परंतु वर्तमान तक किसी भी जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है। जहां पर स्थिति यथावत बनी हुई है जिसकी मरम्मत की मांग लोगों के द्वारा की जा रही है ताकि आवागमन कर रहे लोगों को समस्या का सामना ना करना पड़े।**

### मरम्मत के अभाव में पुलियां कई स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुका है

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डोंगरगांव के ग्राम महाराजपुर के प्रारंभ में पुलियां बना हुआ है। जो मरम्मत के अभाव में कई स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुका है यह मार्ग सीधे महाराष्ट्र से जुड़ने के कारण भारी वाहनों की भी संख्या बढ़ चुकी है। ऐसे में भारी वाहन जाने पर पुलियां जंप करने लगता है पुलियां की रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हो गई है । जिसके जमीन पर बने पिलर टूट गए हैं तो वहीं लोहे के एंगल और पाइप भी निकल चुके हैं। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है जबकि यह पुलियां बारिश में डूब जाता है । वहीं पुलियां पर भी पानी जमा रहता है वाहनों के आवागमन के कारण पुलियां की सरिया कुछ स्थानों से बाहर आने लगी है। सरिया उखड़ गई है पुलिया के जॉइंट भी खुल गए हैं जहां नाली बन गई है। बारिश का पानी पुलियां पर छटने के लिए दोनों तरफ बने हुए गड्ढे भी धूल की परत में बंद हो गए हैं। जहां भारी वाहन आने के कारण कई बार मोटर साइकिल अनियंत्रित हो जाती है। जिसके एक तरफ थोड़ी अच्छी स्थिति में रेलिंग है तो दूसरी तरफ रेलिंग की स्थिति खराब है। जिससे दुर्घटना होने की संभावना हमेशा बनी हुई है और कई बार घटना हुई भी है मार्ग के दोनों छोर पर गोलाई बनी हुई है। जहां से आने वाले वाहनों को सामने से आ रहे वाहन का आभास नहीं हो पता है ,जबकि इस मार्ग का उपयोग प्रतिदिन दर्जनों ग्राम के ग्रामीण सहित क्षेत्र के लोग आने जाने के लिए करते हैं। जिन्हें इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है यह पुलियां पर वर्तमान में ज्यादा समस्या देखने में तो नहीं आती है की बरसात के समय समस्या बढ़ जाती है। जहां मार्ग निर्माण या निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों के द्वारा अधिकारियों से पुलियां की मरम्मत करने की मांग की जा चुकी है । परंतु वर्तमान तक कोई अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया है जिससे स्थिति यथावत है।

### दुर्घटना होने की बनी हुई है संभावना

यह मार्ग वारासिवनी से डोंगरमाली और सीधे महाराष्ट्र को जोड़ता है जहां पर गोंदिया के लिए समीप का मार्ग होने से आवागमन बढ़ गया है। ट्रक ट्रैक्टर डंपर जैसे विभिन्न प्रकार के छोटे बड़े वाहन से लोग आवागमन करते हैं वहीं भारी वस्तुओं का परिवहन भी किया जाता है। ऐसे में मार्ग पर दौड़ रहे वाहन तेज रफ्तार में गुजरते हैं उक्त स्थान पर कई बार दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है और होती रहती है। क्योंकि गोलाई होने के कारण सामने से आने वाला वाहन नहीं दिख पता है ,वहीं भारी वाहन के आने पर पुलियां से मोटरसाइकिल वाले का गुजरना कठिन हो जाता है। क्योंकि सुरक्षा के लिए लगाई गई रैलींगक्षतिग्रस्त है जहां से रोजाना दर्जनों वाहन आते जाते हैं इस दौरान दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है।

### पुलियां में बारिश के समय आवागमन में समस्या होती है-दीपक मेश्राम

दीपक मेश्राम ने बताया कि यह वारासिवनी से डोंगरमाली मार्ग है इस पुलियां में समस्या हमेशा बनी रहती है यहां बारिश में पानी भर जाता है आवागमन में समस्या होती है। रेलिंग टूट गई है कोई भी वाहन आते जाते हैं तो उन्हें समस्या होती है और विशेष कर जब पुलियां में पानी भरा रहता है लोग अपने वाहन नाले में उतारते हैं ऐसे में पानी तेज होने से दिक्कत हो सकती है। सबसे बड़ी समस्या है की पुलियां के दोनों तरफ गोलाई है सीधा वाहन पुलियां पर आता है। लाइट की चकाचौंध में कई बार दुर्घटनाएं होती है रात्रि के समय बहुत समस्या है। शासन प्रशासन को मामले में संज्ञान लेना चाहिए सीधा वाहन पुलियां पर आता है हम यही चाहते हैं कि शासन प्रशासन उक्त समस्या की सुध लेकर इसे बनाएं और भविष्य में जनहानि ना हो इसका ख्याल रखें।

### रेलिंग टूट गई है असामाजिक तत्वों के द्वारा रेलिंग की चोरी की है-कैलाश मेश्राम

कैलाश मेश्राम ने बताया कि यह पुलियां कोस्ते से महाराजपुर के बीच में है जो महाराजपुर के अंदर आता है यहां बारिश के समय बहुत ज्यादा परेशानी होती है। पुलियां पर पानी जमा रहता है कई बार पुलियां डूब जाता है। हमेशा दुर्घटना होने की समस्या बनी रहती है यहां पर बारिश को लेकर काफ ी समस्या है परंतु अभी भी दुर्घटना होने की समस्या तो है। रेलिंग टूट गई है यहां पर असामाजिक तत्व कहे या लोगों के द्वारा रेलिंग चोरी की गई है एक तरफ से पाइप निकाल दिए गए हैं। तो वहीं जगह जगह से पुलियां भी क्षतिग्रस्त हो गया है इस पर गंभीरता से जिम्मेदार लोगों को ध्यान देना चाहिए। शासन प्रशासन ने संज्ञान लेकर मरम्मत करनी चाहिए ताकि राहगीरों को समस्या ना हो।

### यह पुलियां की समस्या विगत वर्षो की समस्या है-उमाशंकर लिमजे

उमाशंकर लिमजे ने बताया कि मैं वारासिवनी का रहने वाला हूं प्रतिदिन इस मार्ग से विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की ओर व्यापार के लिए आना जाना करना पड़ता है। यह महाराजपुर पुलियां है इस पर से आने.जाने में समस्या तो है परंतु रोजी रोटी के लिए हमें आना जाना पड़ता है। यहां पर रेलिंग क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है मार्ग में सरिया बाहर आ गई है गिट्टी उखड़ने लगी है पुलियां के जॉइंट में दरारे आकर नालियां बन गई है। अभी तो ठीक स्थिति है बरसात में बहुत ज्यादा खराब स्थिति हो जाती है दोनों रेलिंग के पास में धूल की परत जमा हो गई है जो बरसात में कीचड़ बन जाती है। वाहन अनियंत्रित और स्लिप होने का डर लगा रहता है अत्यधिक बारिश के कारण पुलियां भी डूब जाता है। यह आज की स्थिति नहीं है वर्षों से है पर किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

# भाजपा नगर मंडल ने आयोजित की कार्यशाला

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के भाजपा कार्यालय में मंगलवार को नगर भाजपा मंडल के तत्वाधान में भारतीय जनता पार्टी की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल , भाजपा नेता शैलेन्द्र सेठी, पूर्व नपा अध्यक्ष आलोक खरे, नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, महामंत्री सुनील पिपरेवार सहित अन्य लोगो की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पं दिनदयाल उपाध्याय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यशाला की शुरूवात की गई। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की ५ जून विश्व पर्यावरण दिवस, २१ जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, २३ जून डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस और २५ जून आपातकाल के काले अध्याय का ५० वॉ वर्ष, और मोदी सरकार के ११ वर्ष संकल्प से सिद्धी तक पर कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। जिसके लिये विनय सुराना,श्रीमती निर्मला पटले, आलोक खरे, निरंजन बिसेन, डॉ नीरज अरोरा को संयोजक का दायित्व प्रदान किया गया है। इन संयोजको ने सहसंयोजक और सदस्यों की टीम भी तैयार कर कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस दौरान पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शिव, श्रीमती मधू जायसवाल, किरण शर्मा, श्रीमती दीपा रूसिया, श्रीमती श्रीति पालेवार, श्रीमती सीमा देव्हारे मौजूद रही। कार्यशाला के दौरान शिक्षाविद व पूर्व जिलाध्यक्ष गोपालराव एलकर बालाघाट, बुद्धनसिंह मरकाम बैहर व अधिवक्ता अनूप चौबे वारासिवनी के निधन पर उनके सेवामयी कार्यो को याद कर श्रद्धाजंलि सभा भी आयोजित की गई।

# धान से भरा ट्रक पलटा, बाईक सवार धीरज गंभीर रूप से घायल

## घटना नेवरगांव वॉ सेवा सहकारी समिति के सामने की

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवरगांव वॉ की सेवा सहकारी समिति के सामने ३ जून की दोपहर करीब ४ बजे धान से भरा ट्रक एक २३ वर्षीय युवक को अपनी चपेट में लेकर गंभीर रूप से घायल कर अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा उस समय हुआ जब धीरज एडे अपनी मोटर साइकिल से घर जा रहा था। इस दुर्घटना में तेज रफ्तार ट्रक के द्वारा मार्ग किनारे स्थित पंचायत के हाई मास्क लाइट एवं एलटी लाइन को टक्कर मार क्षतिग्रस्त कर दिया गया हैं। घटना में ट्रक चालक को मामूली चोटे आई है तो वहीं धीरज गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे उपचार के लिए बालाघाट रिफर कर दिया गया है। उसकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई है मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा ट्रक चालक की लापरवाही बताई जा रही है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन से वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण लगाने की मांग की जा रही है ताकि हर कोई सुरक्षित आवागमन कर सकें।**

### जबरदस्त टक्कर मार कर मौके पर पलटा ट्रक एक युवक घायल

प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू आयशर ट्रक क्रमांक एमएच ५० एन १३७३ नायलॉन की विभिन्न रंग की बोरियों में धान का परिवहन वारासिवनी से लालबर्रा की ओर कर रहा था। इस दौरान धीरज पिता शंकरलाल एडे उम्र २३ वर्ष नेवरगांव वॉ निवासी सुरेश सोनी की चाय पान की दुकान से अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी ५० एमआर ४६०३ पर सवार होकर दोपहर करीब ४ बजे अपने घर के लिए जा रहा था। तभी वारासिवनी से मुरझड होते हुए यह ट्रक लालबर्रा की ओर जा रहा था जहां ग्राम नेवरगांव वॉ के प्रारंभ में ही स्थित सेवा सहकारी समिति के सामने ट्रक चालक के द्वारा मोटर साइकिल चालक धीरज एडे की मोटरसाइकिल को टक्कर मार कर उसे मोटरसाइकिल सहित घसीटता हुआ सोसायटी किनारे तुमाड़ी बायपास मार्ग पर सड़क किनारे लगे ग्राम पंचायत के हाई मास्क एवं एलटी विद्युत लाइन को जबरदस्त टक्कर मार कर मौके पर पलट गया। जिसमें रखी धान की बोरियां फट गई तो वहीं धान बिखर गई यह दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि आवाज सुन आस पड़ोस के लोग घरों से बाहर दौड़कर आए तो देखे की ट्रक पलटा हुआ है। तो वहीं एक मोटरसाइकिल चालक दर्द के कारण जोर जोर से चिल्ला रहा है जिसका पैर टूट चुका था जिस पर उपस्थित जनों के द्वारा घटना की जानकारी युवक के परिवार को दी गई। जिस पर परिवार के लोगों के द्वारा उसे बालाघाट चिकित्सालय में उपचार के लिए ले जाया गया जहां मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

### रफ्तार का कहर बदस्तूर जारी

वारासिवनी लालबर्रा मार्ग हाईवे के रूप में उपयोग किया जाता है जो नगर को महानगरों से जोड़ता है। जिसके लिए प्रतिदिन यात्री वाहन एवं भारी वाहनों का आवागमन लगा रहता है जिनके द्वारा तेज रफ्तार से मार्ग पर वाहन दौडाये जाते हैं। जहां वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं होता है जो सड़क पर स्थित ग्रामीण क्षेत्र से भी परेज नहीं करते हैं। जिसका कारण है कि उक्त मार्ग पर लगातार दुर्घटना की स्थिति बनी हुई रहती है और आए दिन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है। इस मार्ग पर बीते कुछ दिनों पूर्व ही बस की टक्कर से लालपुर निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई थी तो वहीं इसके भी पहले डंपर की चपेट में आने से नया टोला निवासी एक लड़की की मौत हो गई थी और उसके पहले भी ऐसे कई हादसे होते रहे हैं। जिसका मूल कारण वाहनों की रफ्तार को बताया जाता है ऐसे में कई बार ग्रामीणों के द्वारा मार्ग में दौड़ रहे वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण लगाने के लिए आंदोलन और ज्ञापन के माध्यम से मांग की जा चुकी है। परंतु आज तक किसी जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसी का परिणाम है कि असमय लोग काल के गाल में समाते जा रहे हैं।

### ट्रक चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है-जितेंद्र बोपचे

ग्रामीण जितेंद्र बोपचे ने बताया कि यह घटना ग्राम में दोपहर करीब ४ बजे की है जहां धीरज पिता शंकर लाल एडे उम्र २३ वर्ष सोनी पान सेंटर से मोटर साइकिल के माध्यम से अपने घर जा रहा था। तभी वारासिवनी से लालबर्रा की ओर जा रहे धान से भरे ट्रक ने तेज गति से चला कर धीरज की गाड़ी को टक्कर मार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। जिसका पैर टूटा है ट्रक ने विद्युत विभाग की एलटी लाइन को टक्कर मारी है हाई मास्क को भी क्षतिग्रस्त कर पलट गया है। ट्रक चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है वाहन तेज गति से चलते रहते हैं यह मार्ग का उपयोग हाईवे के रूप में होता है। जबलपुर, इंदौर जैसे महानगरों के लिए यहां से वाहन आना जाना करते हैं। अनेकों बार दुर्घटनाएं होती रहती है इसका कारण रफ्तार पर नियंत्रण ना होना है १५ दिन पहले ही बस से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हम चाहते हैं कि इस पर शासन प्रशासन ध्यान दें कार्यवाही करें और जो नियमावली बनाई गई है उस पर ध्यान देना चाहिए।

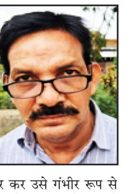

# सड़क दुर्घटनाएं मृत व्यक्ति कि हूई पहचान

## खड़े ट्रक में मोटरसाइकिल घुसने से हुई थी मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।बैहर थाना अंतर्गत मलाजखंड रोड ग्राम बिरवा के पास रोड किनारे खड़े ट्रक में मोटरसाइकिल घुसने से मृत व्यक्ति की पहचान हीरालाल पिता सहारन धुर्वे वार्ड नंबर 12 ग्राम बिरवा थाना बैहर निवासी के नाम से की गई। ज्ञात की 2 जून की शाम 7:00 बजे करीब बैहर से मलाजखंड रोड पर स्थित ग्राम बिरवा के पास रोड किनारे खड़े ट्रक में मोटरसाइकिल घुसने से मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस व्यक्ति की लाश बैहर के अस्पताल में लाई गई। जिसकी मौके पर पहचान नहीं हो पाएगी थ किंतु देर रात में इस व्यक्ति की पहचान हीरालाल पिता सहारनसिह धुर्वे 44 वर्ष गर्म बिरवा निवासी के नाम से की गई। 3 जुलाई को प्रधान आरक्षक कुंवर सिंह धुर्वे ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और ट्रक चालक के विरुद्ध धारा 106(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज का विवेचना शुरू की है।

# घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों खासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिस्तान भी अपनी औकात को समझ चुका है। परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल जरूर उठाये जा रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं।उधर भारत की तरफ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य जिम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुन: शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस MkvA फाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फरवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस Mkw का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुई, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ मार्शल ने रक्षा फरीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया और साफ तौर से यह कहा कि हमें जो चीफ आज चाहिए, वो आज ही चाहिए। युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ AMCA फाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि – मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है। दूसरी तरफ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71प्रति. पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हजार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद खाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा

# आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और दर्द को समझें

बच्चों को देश एवं दुनिया के भविष्य की तरह देखा जाता है। लेकिन उनका यह बचपन रूपी भविष्य लगातार हो रहे युद्धों की विभीषिका, त्रासदी एवं खौफनाक स्थितियों के कारण गहन अंधेरों एवं परेशानियों से घिरा है। आज का बचपन हिंसा, शोषण, यौन विकृतियों, अभाव, उपेक्षा, नशे एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन इतना उपेक्षित, प्रताड़ित, डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्यों बचपन बदहाल होता जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज, सरकार एवं युद्धरत देशों की सत्ताएं इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? ये प्रश्न 4 जून को आक्रमण के शिकार हुए मासूम बच्चों के दिवस को मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। इस दिवस को मनाने की प्रासंगिकता आज के परिप्रेक्ष्य में ज्यादा महसूस हो रही है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और उनके दर्द को स्वीकार करना, बाल अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराना, समाज में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के साथ हिंसा रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रयास करना, बच्चों के लिए सुरक्षित, हिंसामुक्त और अनुकूल वातावरण बनाना एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें हिंसा से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरुआत 1982 में की थी, जब फिलिस्तीनी और लेबनानी बच्चों पर हुए अत्याचारों के बाद यह दिवस घोषित किया गया था, जिसे मनाते हुए हमें दुनिया भर में बच्चों द्वारा झेले गए दर्द को स्वीकारना होगा, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

बच्चे दुनिया की आबादी का एक चौथाई हिस्सा हैं और किसी भी समाज की भलाई के लिए बच्चों का सुरक्षित एवं संरक्षित होना जरूरी हैं। वे समाज के सबसे कमजोर सदस्य हैं, जिन्हें निष्कंटक, खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए समान अवसर दिए जाने और उनकी रक्षा किए जाने की आवश्यकता है। लेकिन, हर साल संघर्ष और युद्धों के कारण बच्चों की एक बड़ी संख्या हिंसा, विस्थापन, अपंगता और दुर्व्यवहार का शिकार होती है। यह केवल इस बात को साबित करता है कि बच्चों पर किसी भी संघर्ष का गंभीर एवं घातक प्रभाव पड़ता है। निश्चित ही रूस एवं यूक्रेन, गाजा एवं इजरायल जैसे लम्बे समय से चल रहे युद्धों के कारण हर दिन, दुनिया भर में बच्चे अकथनीय भयावहता एवं त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों में सोने या बाहर खेलने, स्कूल में पढ़ने या अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सुरक्षित नहीं हैं। हत्या और अपंगता, अपहरण और यौन हिंसा से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले नयी बन रही विश्व संरचना के लिये गंभीर चुनौती है। बच्चे चौंका देने वाले पैमाने पर युद्धरत दलों के निशाने पर आ रहे हैं।

हाल के वर्षों में, कई संघर्ष एवं युद्ध क्षेत्रों में, महामारियों एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष, युद्ध, हिंसा एवं महामारियों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाने से बचाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून को बढ़ावा देने के लिए और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयासों एवं संकल्पों की जरूरत है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित एवं सुनिश्चित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल था और बच्चों के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण को समाप्त करने के लिए कई अन्य हिंसा-संबंधी लक्ष्यों को मुख्यधारा में शामिल किया गया। विश्वस्तर पर बालकों के उन्नत जीवन के ऐसे आयोजनों के बावजूद आज भी बचपन उपेक्षित, प्रताड़ित एवं नारकीय बना हुआ है, आज बच्चों की इन बदहाल स्थिति की प्रमुख वजहें हैं, वे हैं-सरकारी योजनाओं का कागज तक ही सीमित रहना, बुद्धिजीवी वर्ग व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता, दुनिया की महाशक्तियों की ओर से बच्चों के ज्वलंत प्रश्नों पर आंख मूंद लेना, इनके प्रति समाज का संवेदनहीन होना एवं गरीबी-शिक्षा के लिये जागरुकता का अभाव है।

युद्धों एवं ऐसी ही स्थितियों में 11,649 बच्चे मारे गए या अपंग हो गए। अधिकांश मामलों में, विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगों का उपयोग आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया, जिसके कारण बच्चों की मृत्यु हुई और वे अपंग हो गए। 8,655 बच्चों का इस्तेमाल संघर्ष में किया गया और 4356 का अपहरण किया गया, जिनमें से सबसे ज्यादा संख्या कांगो, सोमालिया और नाइजीरिया के लोकतांत्रिक गणराज्य में पायी गयी। पीड़ितों में से लगभग 30 प्रतिशत लड़कियां थीं। 1,470 बच्चे यौन हिंसा के शिकार हुए है। संघर्ष में यौन हिंसा कलंक और कानूनी सुरक्षा की कमी के कारण लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली गंभीर हिंसा है। 90 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा लड़कियों के खिलाफ की गई, जो यौन हिंसा और जबरन विवाह से असमान रूप से प्रभावित हैं, हालांकि लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2022 से 2023 तक मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो अक्सर अन्य गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि के साथ मेल खाती है। 2024 के लिए, मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में कई संदर्भों में गिरावट आने की उम्मीद है, विशेष रूप से अफगानिस्तान, म्यांमार और सूडान में मानवीय संगठनों और कर्मियों पर नियंत्रण बढ़ाने वाले प्रतिबंधात्मक नियमों को अपनाने के कारण। 2023 तक, स्कूलों पर हमलों में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोफी अन्नान ने एक बार कहा था, 'दुनिया में बच्चों के साथ जो भरोसा है, उससे ज्यादा पवित्र कोई भरोसा नहीं है। यह सुनिश्चित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई कर्तव्य नहीं है कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए, उनके कल्याण की रक्षा की जाए, उनका जीवन भय और अभाव से मुक्त हो और वे शांति से बड़े हो सकें।'

बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों को समाप्त करना और रोकना बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर जनादेश का मुख्य हिस्सा है। बच्चों को शत्रुता से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उन दबाव और खींचतान वाले कारकों को खत्म करना है जो उन्हें सशस्त्र संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं जब वे हँसते-मुस्कुराते हैं। बच्चे यदि तनावरहित रहते हैं तो चारों तरफ खुशी का माहौल बन जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि बच्चे भी पीड़ा महसूस करते हैं। यह पीड़ा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक किसी भी तरह के शोषण से पैदा होती है। बच्चे खुश, स्वस्थ और सुरक्षित होने चाहिए। उन्हें जाने-अनजाने में भी कोई पीड़ा नहीं दी जानी चाहिए। बच्चों की खुशी में देश एवं दुनिया का उज्ज्वल भविष्य छुपा है। कुछ बीमार मानसिकता यानी पीडोफिलिया ग्रस्त व्यक्ति मासूम बच्चों को क्रूरतम मानसिक व शारीरिक यातनाएं देने में आनंद की प्राप्ति करता है तथा उसके लिए यह एक ऐसा नशा बन जाता है कि वह बच्चों को यातनाएं देने कि क्रूरतम विधियां इजाद करता जाता है जिसमें बच्चो के साथ सेक्स, शरीर को चोटिल करना-काटना, जलाना, यहाँ तक कि उनके टुकडे-टुकडे कर उनके मांस तक खाना शामिल है। कुछ देशों में बच्चों को ऊंट की पीथ पर बान्धकर ऊटों को दौड़ाया जाता है जिससे बच्चे कि चीत्कार-चीख से वहां के लोग आनन्द एवं मनोरंजन की प्राप्ति करते हैं, यह भी पीडोफिलिया का ही एक उदाहरण है। इन क्रूर एवं अमानवीय स्थितियों का मासूम बच्चों पर भारी दुष्प्रभाव पड़ता है और इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त दुनिया की कल्पना कर सकते हैं?

**- ललित गर्ग**

# भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

# रेखा सरकार के 100 दिन- उम्मीदों और चुनौतियों का सम्मिश्रण

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हुआ और रेखा गुप्ता को इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी का नेतृत्व करने का मौका मिला।रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार विधायक चुनी गई। हरियाणा के जींद में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ीं रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर दिल्लीविश्वविद्यालय के छात्रसंघ की अध्यक्ष से शुरू हुआ। वह तीन बार दिल्ली नगर निगम की पार्षद और बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा की महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना को साधने की रणनीति के रूप में देखा गया। उन्होनें 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरुआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कार्यों से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रस्तुत किया है। 20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जिसके बाद उनकी सरकार ने 30 मई 2025 को अपने 100 दिन पूरे किए। इस अवधि में भाजपा की नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली को विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के वादे के साथ कई पहल शुरू की। सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मंजूरी दी। यह योजना दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करती है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है। रेखा गुप्ता सरकार ने केंद्र की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू किया जिसे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने रोके रखा था। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है, साथ ही राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 5 लाख रुपये का टॉप-अप दिया जा रहा है। इसी प्रकार वयोवंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के 6 लाख बुजुर्गों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया गया। यह कदम बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक ब?ा कदम है। 100 दिन में दिल्ली की सेहत सुधारने के लिए 100 दिन की सेवा में 12826 करोड रुपए का बजट दिया गया। 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण की योजना शुरू की गई। सभी सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र बनाने का फैसला लिया गया। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, शिक्षकों की प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी ज़ोर दिया गया है। रेखा गुप्ता ने सरकार की कमान संभालते ही यमुना नदी की सफाई को प्राथमिकता दी। रेखा गुप्ता ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर वहाँ वृक्षारोपण और सफाई की शुरुआत की। यमुना के वसुदेव घाट पर उन्होंने कैबिनेट के साथ आरती की और नदी की सफाई को अपनी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता घोषित किया। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।सरकार ने यमुना नदी को पुनर्जनन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ एक एमओयू भी साइन किया जिसमें वजीराबाद बैराज से जगतपुर तक फेरी और क्रूज सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई। इसी के साथ 27 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को मंजूरी दी गई और एक समग्र अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया। यह दीर्घकालिक परियोजना है जिसके ठोस परिणाम अभी सामने नहीं आ पाए हैं। यमुना नदी की सफाई और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम भी उनकी प्राथमिकताओं में हैं। हालांकि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक योजना और संसाधनों की आवश्यकता होगी। रेखा गुप्ता ने मॉनसून से पहले दिल्ली के प्रमुख नालों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सफाई के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने बाहरी रिंग रोड को गड्ढा-मुक्त करने का लक्ष्य भी रखा जो दिल्ली की बुनियादी ढांचे की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक प्रयास है। यमुना की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण में प्रगति धीमी है और दिल्ली अभी भी सबसे प्रदूषित राजधानियों में अग्रणी है। सड़कों की स्थिति सुधारने, ट्रैफिक जाम को कम करने और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ाने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने मुंबई से अत्याधुनिक मशीनें मंगवाकर सीवर और नालों की सफाई शुरू की जिससे मिंटो ब्रिज जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। शालीमार बाग में आयुर्वेदिक झुग्गी में सीवेज प्लांट की समस्या हल हुई वहीं हैदरपुर गांव में नई नाली बनाई गई और मैक्स अस्पताल के पास खुले नाले को 34 लाख रुपये की लागत से ढका गया। ये कदम जल निकासी और स्वच्छता में सुधार ला रहे हैं लेकिन पूरी दिल्ली की तस्वीर बदलने में अभी लम्बा समय लगेगा। मई 2025 में दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच गया, जो मई के महीने में अभूतपूर्व था। प्रदूषण के निवारण के लिए अभी दिल्ली को किसी दीर्घकालिक योजना की दरकार है। 100 दिवस के कार्यकाल में 16 लाख मीट्रिक टन गाद यमुना से हटाई गई और 804 करो? की लागत से आठ अमृत परियोजनाओं को मंजूरी सरकार के द्वारा दी गई। यमुना की सफाई के लिए 40 एसटीपी मंजूर किये गए। 1167 जीपीएस टैंकर चलकर दिल्ली के टैंकर माफिया के खिलाफ बड़ा प्रहार किया गया। दिल्ली में आम जान से सुझाव मांगे और 1 लाख करो? का ऐतिहासिक बजट सरकार द्वारा पेश किया गया।

**- हर्षवर्धन पान्डे**

# व्यावहारिक रूप से विश्व में शासन के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के अधिकारों व शक्तियों में संतुलन स्थापित है

वैश्विक स्तरपर अक्सर हम लोकतंत्र के चार स्तंभों, विधायिका,कार्यपालिका न्यायपालिका व मीडिया के बारे में व उनके अधिकारों कर्तव्य जवाबदेही व कार्यक्षेत्रों के बारे में अक्सर सुनते पढ़ते रहते हैं स्वाभाविक रूप से चारों स्तंभों के अलग-अलग कार्यक्षेत्र अधिकार व कर्तव्य हैं, परंतु इनकी आपस में तुलना नहीं की जाती सकती, किसी को भी कम-अधिक नहीं आंका जा सकता, परंतु प्रैक्टिकली जब हम देखते हैं तो एक स्वाभाविक रूप से मन में प्रश्न खड़ा होता है कि, विशेष रूप से तीन स्तंभों विधायिका कार्यपालिका, न्यायपालिका में सबसे शक्तिशाली कौन है ?यह विचार मेरे मन में भी आया कि वास्तव में तीनों स्तंभों में शक्तिशाली कौन है, किस स्तंभ का सर्वोच्च पद तीनों स्तंभों में शक्तिशाली है? तो अति गहन अध्ययनकर मैंने अपने विचार रखे कि कोई भी पद शक्तिशाली नहीं होता परंतु उस पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहससे ही उस पद की शक्ति जाहिर होती है,ऐसा विचार किसी और ने भी रखा था जिससे मैं पूर्ण रूपसे सहमत हूं,हालांकि मेरे 45 वर्षों के लेखन कार्यकाल के अनुभव में तीनों स्तंभों के सर्वोच्च पद पर अनेकों व्यक्ति बैठे, परंतु अभी तक उनके निर्णयों डिसीजन्स का हम विश्लेषण कर अंदाज लगा सकते हैं कि पद महत्वपूर्ण है,या उनपर बैठने वाले व्यक्ति की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहस, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। आज इस विषय पर हम इसलिए चर्चा कर रहे हैं क्योंकि जिस तरह भारतीय पीएम के पिछले कार्यकाल के डिसीजन्स मेकिंग विशेष रूप से 370,तीन तलाक, सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर जीएसटी सहित अनेकों निर्णय व अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जिन्होंने पदभार ग्रहण करते ही अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ केस,नागरिकता केस, पनामा नहर,यूक्रेन रूस युद्ध समाप्ति पहल, हमास इजरायल युद्ध समाप्ति पहल सीरिया पर लगे प्रतिबन्ध हटाना व अभी टैरिफ पर फेडरल कोर्ट द्वारा लगाई गई रोग को, अपीलीय कोर्ट द्वारा खारिज कर टैरिफ को बहाल करने जैसे अनेकों मुद्दे हैं, जो इन दोनों व्यक्तित्वों की योग्यता क्षमता नैतिक साहस को दर्शाता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने शनिवार (31 मई, 2025) को इलाहाबाद में नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन कार्यक्रम में कहा भारतीय संविधान लागू होने की 75 साल की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है।चूँकि हालाँकि, व्यावहारिक रूप से विश्व में शासन के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के अधिकारों व शक्तियों में संतुलन स्थापित है,परंतु आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व में कार्यपालिका और न्यायपालिका में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन पद बड़ा या पद पर बैठने वाले की क्षमता निर्णय क्षमता योग्यता व नैतिक साहस बढ़ा?

साथियों बात अगर हम कार्यपालिका व न्यायपालिका की करें तो,भारत में कार्यपालिका अधिक शक्तिशाली है । कार्यपालिका नियम और कानून बनाती है और न्यायपालिका उन कानूनों के पालन कराने में सहयोग करती है। न्यायपालिका अपने स्तरपर कानून नहीं बना सकती। कार्यपालिका न्यायपालिका के आदेशों की पालना करना आवश्यक नहीं समझती, क्योंकि वह संबंधित कानून को बदलने का अधिकार रखती है।शाहबानो के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को सरकार ने नहीं माना। कांग्रेस सरकार ने संविधान संशोधन लाकर कानून ही बदल दिया। ठीक उसी तरह दिल्ली केस में भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक नया विधेयक लाकर पलट दिया गया। 2 साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने एससी एसटी वर्ग के कर्मचारियों को कार्यस्थल पर पीडति करने के मामले में एक आदेश पारित

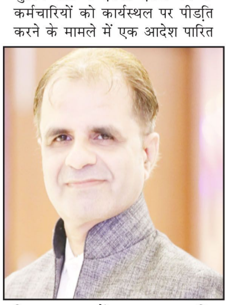

किया था। उसमें कहा गया था कि बिना जांच किए अन्य वर्ग से संबंधित व्यक्ति पर केस दर्ज नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार को कानून बनाने के लिए आदेश दिया। लोकसभा में उस आदेश की पालना में कानून बनाया गया, लेकिन भारी विरोध के कारण सरकार को उस कानून को वापिस लेना पड़ा। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने मुसलमानों के हित के लिए तीन तलाक को रोकने के लिए कानून बनाने का निर्देश दिया। राज्यसभा में इस बिल को पास कराने के लिए विपक्षी पार्टियों का काफी विरोध सहना पड़ा।इस प्रकार भारतीयसंविधान में कार्यपालिकाअर्थात् लोकसभा और राज्यसभा के अधिकार ज्यादा शक्तिशाली हैं।

साथियों बात अगर हम कार्यपालिका व न्यायपालिका में तुलनात्मक शक्तिशाली के एंगल से देखें तो,भारत में कार्यपालिका और न्यायपालिका में कौन अधिक शक्तिशाली है और क्यों ?भारत में कार्यपालिका और न्यायपालिका में कार्यपालिका अधिक शक्तिशाली है । कार्यपालिका नियम और कानून बनाती है और न्यायपालिका उन कानूनों के पालन कराने में सहयोग करती है। न्यायपालिका अपने स्तर पर कानून नहीं बना सकती। कार्यपालिका न्यायपालिका के आदेशों की पालना करना आवश्यक नहीं समझती, क्योंकि वह संबंधित कानून को बदलने का अधिकार रखती है।भारत के प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश में से कौन ज्यादा शक्तिशाली है? अगर संविधान में देखें तो प्रधानमंत्री व्यक्ति कई साल और कई बार रह सकता है बिना अधिकतम आयु सीमा के, पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल सिर्फ एक बार कुछ महीने या वर्ष के लिए होता है 65 वर्ष की आयु सीमा तक होता है। प्रधानमंत्री को कभी भी हटना पड़ सकता है जबकि मुख्य न्यायाधीश को हटाना लगभग असम्भव है । मुख्य न्यायाधीश के निर्णय को पीएम को मानना होता है पर ताकतवर प्रधानमंत्री उसे संसद के द्वारा बदल भी सकता है।वर्तमान प्रधानमंत्री तो मोदी जी भी हैं , इंदिरा गांधी , नरसिंह राव भी थे और इन्होंने पद के साथ जुड़ी शक्तियों का उपयोग किया लेकिन 10 साल प्रधानमंत्री रह कर भी कांग्रेस के एकव्यक्ति ने उन शक्तियों का प्रयोग नहीं किया था। टी एन शेषन ने 6 साल में मुख्य चुनाव आयुक्त रह कर पूरी चुनाव प्रक्रिया बदल दी। उसके पहले और बाद में आने वाले आयुक्त वैसा नहीं कर पाए। इंदिरा गांधी के समय के मुख्य न्यायाधीश उनके अनुचित कार्यों (आपातकाल) को उचित ठहराते रहते थे।वस्तुत: पद शक्तिशाली नहीं होता है,पद पर बैठने वाले की क्षमता , योग्यता और नैतिक साहस से किसी पद की शक्ति तय होती है,व्यावहारिक रूप से,भारत में किसके पास अधिक शक्ति है,न्यायपालिका, कार्यकारी या फिर विधायिका व्यवहारिक रूप से भी भारत में शासन के तीनों अंगों यथा, विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के अधिकारों एवं शक्तियों में संतुलन स्थापित है।विधायिका और कार्यपालिका का अस्तित्व एक दूसरे पर निर्भर है कार्यपालिका तभी तक अस्तित्व में है जब तक उसे विधायिका का विश्वास प्राप्त है और कार्यपालिका के प्रमुख प्रधानमंत्री की अनुशंसा पर राष्ट्रपति विधायिका को भंग कर सकते हैं।जहाँ अनुच्छेद 121 और 211 विधायिका को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी न्यायाधीश के आचरण पर चर्चा करने से मना करते हैं, वहीं दूसरी तरफ, अनुच्छेद 122 और 212 अदालतों को विधायिका की आंतरिक कार्यवाही पर निर्णय लेने से रोकते हैं।इसके अतिरिक्त भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) विधायकों को उनकी भाषण की स्वतंत्रता और वोट देने की आजादी के संबंध में अदालतों के हस्तक्षेप से रक्षा करते हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व में कार्यपालिका और न्यायपालिका में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन? पद बड़ा या पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता व नैतिक साहस बड़ा व्यावहारिक रूप से विश्व में शासन के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका एंव न्यायपालिका के अधिकारों व शक्तियों में संतुलन स्थापित है।विश्व में कोई भी पद शक्तिशाली नहीं होता,पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहस से किसी पद की शक्ति तय होती है, सटीक विचार।

**- संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए( एटीसी )**
**- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

## इन्दौर बाजार भाव

**इन्दौर।** लेवाली के अभाव में मंगलवार को भी दलहनों में चना घटाकर बोला गया। किन्तु मसूर में सुधार आया। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर व सूखे मेवों में सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली अभाव में बाजार मंदी के रहे। चना आज अच्छे मालों में 5800-5850 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। मसूर में 50-100 रू. प्रति क्विटल सुधर गये। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। किन्तु भावों में मंदी देखी गयी। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व सूखे मेवों में लेवाली सुस्त रही। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना-** शक्कर 4110-4150, खोपरा गोला 225-265, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2600, (160) 2900-3000, (200) 3300-3400, (250) 3400-3500

**तेल-** सींगदाना 1330-1350, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2130, सोया साल्वेंट 1110-1115, सोया रिफाइंड 1165-1175, कपास्या 1180, धूलिया 1185, कड़ी 1185,

**रात की धारणा-** गुजरात लुज 1300, मुम्बई पाम 1160, मुम्बई सोया 1190,

**खली-** कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विटल)

**तिलहन-** सरसो 6400-6500, रायडा 5600, सोयाबीन 4150, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

**दलहन-** चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5000-5200, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 6700-6800, पाला 6800-6900, चमकी 7000-7100, नायलोन 7100-7200, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7500-7600, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

**दाल-** चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

**अनाज-** गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

**चावल-** चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

**मावा-** इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

## इन्दौर सराफा बाजार

**इन्दौर।** मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 99000, चॉंदी (99) 98900, टंच 98200, सिक्का 1100, सोना 10 ग्राम 97700,

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 23 पैसे की गिरावट पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी अमेरिकी मुद्रा में मामूली सुधार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के दौरान ही रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर 85.49 प्रति डॉलर पर आ गया था। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणाओं से पहले अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने भी घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा कमजोर रुख के साथ खुली और सीमित दायरे में रही। रुपया शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.49 पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है।

## आज का राशिफल

**मेष-** आज आपके कुछ नया करने के प्रयास बेहतर रहेंगे। विद्यार्थियों की बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। अपने यदि किसी परीक्षा को दिया था, उसके परिणाम आ सकते हैं। आप अपनी शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। उसके बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। किसी नई योजना में निवेश करना बेहतर रहेगा।

**वृषभ-** आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपकी कोई डील प्रॉपर्टी को लेकर अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। आपने यदि अपने आस पड़ोस में चल रहे वाद विवाद में कोई बातचीत की, तो वह मामला कानूनी हो सकता है। आपको अपने कामों को लेकर समझदारी दिखानी होगी। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

**मिथुन-** आज का दिन आपके लिए कमजोर रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपका कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों को थोड़ा समझदारी दिखाते हुए इन्वेस्टमेंट करने होंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को अपने प्रयासों में तेजी लानी होगी, तभी उन्हें कोई सफलता मिलती दिख रही है।

**कर्क-** आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आपका मन परेशान रहेगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी बड़े नेता से मिलने का मौका मिल सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों से थोड़ा सावधान रहना होगा। आप ससुराल पक्ष से किसी व्यक्ति से मेल मिलाप करने जा सकते हैं। संतान की संगति पर भी आपको विशेष ध्यान देना होगा और आप परिवार के सदस्यों को आप खुश करने की कोशिश में लगे रहेंगे, जिसमें आप कामयाब अवश्य होंगे।

**सिंह-** आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आप को कोई पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको किसी से कोई भी बात समझदारी दिखाते हुए बोलनी होगी। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपके जीवनसाथी के बीच यदि कुछ अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी।

**कन्या-** आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आप अपनी वाणी पर भी संयम रखें। किसी से कोई बात सोच समझ कर बोलें। आप अपने मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में जुटे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

**तुला-** आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखना होगा। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे आप समय रहते पूरा करने की कोशिश करें।

**वृश्चिक-** आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके गिले शिकवे बेहतर रहेंगे, क्योंकि आप अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपको अपने किसी पुराने दोस्त से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपका कोई काम समय से पूरा न होने से आपका मन परेशान रहेगा। जीवनसाथी से आपको अपने रिश्तों को बेहतर करना होगा।

**धनु-** आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आप संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को घर लेकर आ सकते हैं। आपको एक के बाद खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन समय रहते चुकटा होगा। आपको किसी काम को लेकर सोच विचार कर आगे बढ़ना होगा। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपके अंदर कॉन्फिडेंस की कमी रहेगी, जिससे आपको जागृत करना होगा।

**मकर-** आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको किसी बीमारी को छोटा नहीं समझना है। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपने बिजनेस की कुछ योजनाओं को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आपके घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

**कुंभ-** आज का दिन आपके लिए इनकम के सोर्स को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने धन को थोड़ा ध्यान देकर खर्च करने की आवश्यकता है। आपको किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपको किसी कानूनी मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो आपको मिलने की पूरी संभावना है।

**मीन-** आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आज आपको अपने कामों को समझदारी दिखाते हुए निपटाने की आवश्यकता है। आपको किसी वाद विवाद से दूर रहना होगा। आपकी कोई मन इच्छा पूरी हो सकती हैं। संतान से किसी किए हुए वादे को आप समय रहते पूरा करेंगे। आपको धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप बिजनेस के कामों में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे।

## शब्दजाल - 7919

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | स | बी | ला | प | इ | ज | हा | र | क | मां |
| ग | दा | औ | प | रिं | लै | ला | दि | शा | को | क |
| इ | ब | म | रि | दा | ल | अ | प | रि | हा | र |
| कु | हा | रु | हा | त | स | द | व | हा | र | म |
| व | र | न्न | र | क | ते | री | ग | स | ता | द |
| म | रि | प | व | गा | स | मा | हा | र | न | ती |
| गा | नु | स | अं | प | म | खे | क | ला | व | क |
| उ | जी | हा | ला | क | शा | सौ | व | हा | जू | क |
| प | थो | तें | र | ल | ज | का | त | न | नी | द |
| हा | ल | व्य | व | हा | र | ऐ | हा | न | हा | थ |
| र | सा | ल | व | कु | श | जा | एं | र | क | र |

*शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछ 'हार' शब्द लगा है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.*

उपहार, परिहार, अपरिहार, समाहार, मनुहार, सदाबहार, शाकाहार, खेवनहार, इजहार, व्यवहार

### शब्दजाल - 7918 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | अ | मे | रि | का | स | मा | न | न | प | क |
| न | का | क | वि | इं | डे | ने | ग | ति | मा | न |
| अ | दा | श | ल | मा | ग | स | द | ह | प | का |
| जी | ग | ल | मा | ब | न | स | पा | ह | लि | ल |
| त | अ | अ | सौ | न | जा | मे | ह | मा | न | दे |
| अ | भि | नु | मो | व | प | वा | स्ता | ह | यु | बां |
| ग | मा | ल | मा | व | प | ला | य | मा | न | ग |
| र | न | भा | र | न | प | स | रा | ल | वि | ला |
| क | या | बा | तें | व | न | ई | मा | न | जू | दे |
| र | प्र | ति | मा | न | सिं | ब्रा | रु | अ | प | श |
| बां | स | ल | प | रु | स | स | त्ता | प | क | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**4 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 06.01 बजे से |
| चंद्र | सिंह में | कर्क | 08.15 बजे से |
| मंगल | कर्क में | सिंह | 10.31 बजे से |
| बुध | वृष में | कन्या | 12.43 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 14.54 बजे से |
| शुक्र | मेष में | वृश्चिक | 17.08 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 19.24 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मकर | 21.29 बजे से |
| केतु | सिंह में | कुंभ | 23.16 बजे से |
| राहुकाल | | मीन | 00.49 बजे से |
| 12.00 से 1.30 | | मेष | 02.19 बजे से |
| बजे तक | | वृष | 03.59 बजे से |

**बुधवार** 2025 वर्ष का 155 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** नवमी 23.55 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 03.36 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** वज्र 08.29 बजे को समाप्त।
**करण** बालव 10.52 बजे तदनन्तर कौलव 23.55 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 07.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 26'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872365
**जूलियन दिन** 2460830.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** जिल्हेज **तारीख** 07
**विशेष** महेश नवमी।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 6863

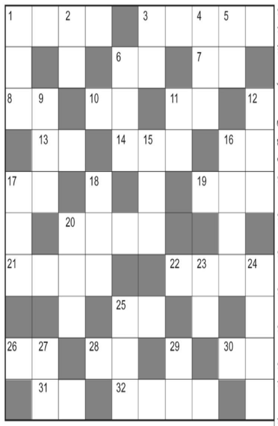

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

### फिल्म वर्ग पहेली- 6862

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रि | मि | न | ल | | प | र | व | रि | श |
| श | | ती | | डो | र | | र | | मा |
| | अ | जा | म | | दे | व | दा | स | |
| का | श | | ह | व | स | | न | म | क |
| ला | | ला | ल | च | | अ | | झो | |
| पा | य | ल | | न | सी | म | | ता | ल |
| नी | | कि | ला | | आ | ला | प | | ड़ |
| | त | ला | श | | ई | | रि | हा | ई |
| तु | म | | | मं | डी | | णी | | |
| | ना | | श | जू | | गी | ता | बा | ली |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः श्रम और स्वास्थ्य

एक राजा था। उसके खजाने में अकूत धन था, फिर भी उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता था। कई वैद्यों ने उसका इलाज किया, फिर भी कोई लाभ नहीं हुआ। यह बात प्रजा में फैल गई। तब एक बूढ़े ने राजा के पास आकर उसका इलाज करने की इच्छा प्रकट की। राजा से अनुमति पाकर वह बोला, 'आप किसी सुखी मनुष्य का कुर्ता पहनिए, स्वस्थ हो जाएंगे।' बूढ़े की बात सुनकर सभी हंसने लगे, लेकिन राजा ने सोचा कि इतने सारे इलाज किए हैं तो एक और सही। राजा के सेवकों ने सुखी मनुष्य की बहुत खोज की, लेकिन उन्हें पूर्ण सुखी कोई नहीं मिला। हर किसी को किसी न किसी बात का दुख था। अब राजा स्वयं सुखी मनुष्य की खोज में निकल पड़ा। वह एक खेत में जा पहुंचा। तपती दोपहर में एक किसान अपने काम में लगा हुआ था। राजा ने उससे पूछा, 'क्यों जी, तुम सुखी हो?' किसान की आंखें चमक उठीं। वह मुस्करा कर बोला, 'ईश्वर की कृपा से मुझे कोई दुख नहीं है।' यह सुनकर राजा खुश हो गया। उसने सोचा कि किसान का कुर्ता मांग लिया जाए। पर तभी उसका ध्यान इस बात पर गया कि किसान सिर्फ धोती पहने हुए है और उसकी सारी देह पसीने से तर है। राजा समझ गया कि श्रम करने के कारण ही यह किसान सुखी है। उसने आराम-चैन छोड़कर परिश्रम करने का संकल्प लिया। थोड़े ही दिनों में राजा की बीमारी दूर हो गई।

## सूडोकु नवताल- 7172

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7171 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

## शब्द पहेली - 8387

**बाएँ से दाएँ**

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

**ऊपर से नीचे**

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

### शब्द पहेली -8386 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | भ | क | | सा | र | सं | भा | ल |
| का | या | | व | ज | ह | | त | प |
| ग | न | र | | न | न | द | | ल |
| | क | स | म | | स | | पा | षा |
| ह | | म | न | मो | ह | क | | ना |
| म | स्त | | भा | | न | म | क | |
| स | | क | व | च | | र | म | ल |
| फ | ना | | न | र | म | | त | ब |
| र | म | ण | | म | | शो | र | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। एशियाई और दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में ये गिरावट बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636 अंकों की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएनई निफ्टी 174 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,543 के स्तर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए हैं। निफ्टी पर बैंक, फाइनेंशियल, एफएमसीजी, मेटल, आटो, आईटी और फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए हैं जबकि रियल्टी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स के 29 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान में जबकि 1 बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ है। आज एमएंडएम के शेयर सबसे ज्यादा उछले जबकि अडानी पोर्ट , बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड , इंडसइंड बैंक के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुलने के बाद लाल निशान में आ गये। सेंसेक्स 393.74 अंक गिरकर 80,980 पर जबकि 88.15 अंक गिरकर 24,628.45 पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट पर बंद हुए। वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत, विदेशी निवेशकों का रुख तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की टैरिफ योजनाओं और अमेरिका-चीन व्यापार तनावों पर बनी चिंताओं के मिश्रण से बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी प्रभावित हुए हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को हल्की बढ़त देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई तेजी के चलते आई। हालांकि, वैश्विक व्यापार तनाव और गहराने के संकेत मिल रहे हैं। उधर चीन ने अमेरिका पर अस्थायी व्यापार समझौते के उल्लंघन के आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही अमेरिकी पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा न करने का भी आरोप लगाया। इस बीच जापान का निक्केई इंडेक्स 0.43 फीसदी ऊपर था, जबकि टॉपिक्स और कोस्पी में मामूली तेजी के साथ स्थिरता थी। एएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा था। दक्षिण कोरियाई बाजार वोटर्स डे के कारण बंद रहे। सोमवार को एसएंडपी 500 में 0.41 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.67 फीसदी, और डॉव जोन्स में 0.08 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

## स्टील पर ट्रंप शुल्क की मार, भारत के पास तीन विकल्प

नई दिल्ली। अमेरिका ने हाल ही में स्टील और एल्युमीनियम आयात पर लगाए गए सेफगार्ड शुल्क को 50 फीसदी तक बढ़ा दिया है। इस निर्णय के बाद भारत को इस विवाद को हल करने के लिए तीन विकल्पों पर विचार करना पड़ेगा। सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत के पास तीन मुख्य विकल्प हैं। पहला, भारत द्वारा एक प्रतिक्रियात्मक शुल्क लगाना। दूसरा, विश्व व्यापार संगठन में शिकायत दर्ज करना। और तीसरा, द्विपक्षीय वार्ता जारी रखना और समझौते पर पहुंचना। सभी विकल्प तैयार हैं लेकिन अंतिम निर्णय लेने के लिए अभी इंतजार किया जा रहा है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दोनों देशों के बीच इस मुद्दे को हल करने के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध उत्कृष्ट हैं और उन्हें सहमति पर पहुंचने के लिए विचार करना चाहिए। भारत ने डब्ल्यूटीओ को अपनी सेफगार्ड समझौते के तहत अमेरिकी शुल्क का जवाब देने के लिए रियायतों को निलंबित करने की सूचना दी। भारत का कहना है कि अमेरिकी शुल्क उन्हें समान रियायतें वापस लेने का अधिकार देते हैं, क्योंकि वे डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत सेफगार्ड उपायों की तरह हैं। अमेरिका ने इसका जवाब देते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा कार्रवाई है और उसके प्रतिक्रियात्मक शुल्क पर चर्चा नहीं की जाएगी। इसके बजाय अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क से भारत के निर्यात पर असर पड़ने की संभावना है। इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने से पहले भारत का निर्णय महत्वपूर्ण होगा और दोनों देशों के बीच के व्यापारिक संबंधों के बारे में नए मोड़ का निर्माण हो सकता है।

## जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में निर्यातकों को राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। आगामी 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने ब्रोकरों, एजेंटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित प्रमुख मध्यस्थों को निर्यातकों के रूप में पुनर्वर्गीकृत करने और उनकी सेवाओं को शून्य-रेटेड दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई। इस कदम का मकसद ऐसी इकाइयों पर 18 प्रतिशत जीएसटी का बोझ कम करना है। विधि समिति की मंजूरी के बाद इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए पेश किया जा सकता है। इस सुधार से अनुमानित 3,357 करोड़ रुपये के कारण लंबित जीएसटी नोटिस के मामले में तेजी आ सकती है। कर विशेषज्ञों ने इसे भारत के कानून के अनुसार संधान समृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण माना। इस सुधार द्वारा, भारतीय मध्यस्थों को विदेशी क्लाइंटों के साथ स्मूथ व्यापार करने के लिए एकसमान अवसर मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में राज्यों से आग्रह कर सकती हैं कि वे जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए सुव्यवस्थित मानदंडों के अनुसार बनाएं ताकि एक नए दौर का आरंभ हो सके, जो भारतीय व्यापारियों के लिए संजीवनी साबित हो सकता है।

# बालाघाट- आमगांव मार्ग में हो रही देरी से आमजन परेशान : दुर्घटनाओं का बना है अंदेशा

**लांजी ( पद्मेश न्यूज )। लांजी नगर में आमगांव एवं बालाघाट मार्ग पर लगभग 2 करोड़ की लागत से मॉडल रोड का निर्माण कार्य नगर परिषद लांजी के द्वारा निविदाकार सिद्धार्थ बिल्डर्स के द्वारा किया जा रहा है। जिसका कार्य वर्तमान में बंद पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य बंद होने के कारण नगर की जनता एवं व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि व्यापारियो के प्रतिष्ठानों के सामने खुदाई कर दी गई, गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है जिसके चलते वाहन खडे करने के लिये जगह नही, सड ?ा पर वाहन खडे हो रहे है जिस कारण भी परेशानी हो रही है। नगर की जनता एवं व्यापारियों ने नगर परिषद लांजी से कहा है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाये। दुसरी ओर अधूरे निर्माण कार्य के चलते दुर्घटनाऐं भी घटित हो रही है इस पर भी नगर परिषद ध्यान दे।**

### मार्ग पर बिजली पोल एवं वृक्षो सहित अतिक्रमण के चलते रूका निर्माण कार्य

निर्माण कार्य अवरूद्ध होने को लेकर जब जानकारी ली गई तो ज्ञात हुआ कि मार्ग पर विद्युत पोल, वृक्ष एवं अतिक्रमण है जिसके चलते मार्ग निर्माण कार्य ठप्प पड़ा है यदि समय रहते विद्युत पोल, वृक्ष आदि हटाये जाते तो मार्ग के निर्माण कार्य में अवरूद्धता नही होती। विभाग को यह भी ध्यान देना चाहिये था कि जब मार्ग कि निविदायें निकाली जा रही थी तब ही उक्त मार्ग पर से विद्युत पोल, वृक्ष अतिक्रमण आदि हटाया जाना चाहिये था लेकिन विभाग ने ऐसा नही किया और निविदाकार को कार्य प्रारंभ करने का आदेश जारी कर दिया गया और आज इन्ही अतिक्रमणों के चलते निविदाकार कार्य नही कर पा रहा है।

### निविदाकार ने कलेक्टर को लिखा पत्र

उक्त संबध मे जब ठेकेदार सिद्धार्थ बिल्डर्स से चर्चा की गई तो आपने बताया कि हमारे द्वारा पूर्व में ही मार्ग निर्माण को लेकर कलेक्टर बालाघाट को शिकायत की जा चुकी है। जिसमें लेख है कि उक्त मार्ग की आनलाईन निविदा 7 मार्च 2024 को भरी गई थी एवं निविदा 4 नवंबर 2024 को संबधित विभाग के द्वारा खोली गई, 9 माह उपरांत उक्त निविदा खोली गई जिसमे किसी भी प्रकार का प्राईज एक्सक्लेशन नही है। निविदाकार के द्वारा 12 मई 2025 को कलेक्टर बालाघाट को पत्र प्रेषित किया जिसमें विभाग की लापरवाही होना बताया गया है। विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार से तकनीकी सहयोग प्रदान नही किया जा रहा है। हमारे द्वारा इसके पूर्व भी पत्र के माध्यम से अनेको बार पत्राचार किया जा चुका है। जिसमें हमने उक्त मार्ग निर्माण मे आ रहे बिजली पोल, पेड़ पौधे हटाने, नई पाईप बिछाने के संबध में पत्र व्यवहार किया गया है। उक्त मार्ग में हमारे द्वारा विभागीय तौर पर जो निविदा जारी की गई है उस तारतम्य में हमारे द्वारा कार्य किया जा चुका। आगामी समय में बारिश का मौसम इस वर्षा काल में डामरीकरण कर पाना मुश्किल है विभाग की लापवाही कारण आज 2 माह से कार्य बंद पड़ा हुआ है।

### बारिश के मौसम मे होगी परेशानी

मार्ग निर्माण में जहां वर्तमान में व्यापारियों एवं आम जन को परेशानी हो रही है वहीं आगामी वर्षा काल मे यह परेशानी और भी बढेगी क्योकि वर्तमान मे जिस पर मार्ग निर्माण किया गया है वह नाली नूमा है जहां पूर्ण संभावना है पानी भरने की और जब इस मार्ग पर पानी भरेगा तो और भी अधिक परेशानियों को सामना आमजन एवं व्यापारियों को करना पड़ेगा क्योंकि पानी भरने के चलते कोई भी प्रतिष्ठानों तक नही पंहुच पायेगा, यातायात में भी परेशानियॉ होगी। कलेक्टर महोदय के द्वारा उक्त मार्ग निर्माण कार्य कि जांच की जानी चाहिये और मार्ग निर्माण में जिन लोगो के द्वारा यदि लापरवाही बरती गई तो नियमानुसार कार्यवाही की जानी चाहिये।

# सड़कों पर आई झाड़ियां दे रही दुर्घटना को आमंत्रण

## विभागीय लापरवाही का नतीजा उजागर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के अनेकों ऐसे मार्ग है जहां लोक निर्माण विभाग या संबंधित ठेकेदार के द्वारा मार्गो के किनारे साईड पटरी की साफ सफाई एवं छोटे बडे पेड़ो की टहनियों कटाई छटाई नहीं नहीं दिया जा रहा है। अमुमन देखा गया है कि ना तो ठेकेदार के द्वारा और ना ही विभाग के द्वारा इस प्रकार साफ सफाई की जाती है। जिसके चलते सड़को पर अनेकों बार छोटी बड़ी दुर्घटनाऐं घटित हो रही है। क्षेत्र के अनेक मार्गो पर बांस कटंग की रांझ फैलते हुये रोड़ के उपर तक आ चुकी है और बांस या कटंग की रांझ काटेदार होती है जिससे बडी दुर्घटना का अंदेशा हमेशा बना रहता है। अनेक जगहों पर बांस की रांझ इतनी फैल चुकी है कि आगे की ओर से ना तो आवागमन कर रहा वाहन दिखाई देता है और ना ही मार्ग दिखाई देता है जिसके कारण कभी बड़ी अप्रिय दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं मार्ग पर उगी झाड़ियों के कारण

करने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। इसके बावजूद भी विभाग अथवा ठेकेदार द्वारा पूरी गर्मी बीत जाने के उपरांत भी मार्ग की साफ-सफाई करने की जहमत नहीं उठाई। प्रतिवर्ष विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से बारिश में रोड़ के किनारे उगने वाली झाड़ियों की सफाई करवा दी जाती है और यह ठेकेदार की गारंटी में भी शामिल होता है। किन्तु देखा जा रहा है कि विभागीय अधिकारी की सांठ-गांठ के चलते ठेकेदार के द्वारा मार्गों की साफ-सफाई एवं मेंटनेंस की ओर ध्यान सूचना बोर्ड भी दिखाई नहीं देते। अनेक जगहों पर रोड़ के किनारे लगे साइड गार्ड भी इन झाड़ियों के कारण दिखाई नहीं दे रहे हैं। वर्तमान में बारिश प्रारंभ हो चुकी है एवं पानी मिलने से ये झाड़ियां और तेजी से बढ़ेगी एवं पुरी रोड़ को चपेट में ले लेगी। क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों ने लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री सड़क योजना विभाग के संबंधित ठेकेदारों से अपील की है कि शीघ्र क्षेत्र के सभी मार्गों की साफ-सफाई की जावें।

# कुनबी समाज के फर्जी अध्यक्ष और उनके सहयोगियों के विरुद्ध न्यायालय से जारी हुआ वारंट

## लांजी क्षेत्र के मूलतः निवासी रायपुर में समाज संगठन के पदाधिकारी बनकर ठगी का आरोप

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मूलत: लांजी क्षेत्र के निवासी जो रायपुर में कुनबी समाज संगठन के पदाधिकारी बन कर संगठन चलाने वाले देवराज पारधी ग्राम मोहझरी, पुरूषोत्तम टोण्डरे ग्राम मोहारा और श्याम देशमुख कड़कना किरनापुर निवासियों के विरुद्ध न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी रायपुर माननीया अंकिता यदु की अदालत ने भारतीय दण्ड विधान की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर उनकी उपस्थिति के लिये वारंट जारी किया है। इन आरोपियों के विरुद्ध संगठन के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर नाकतोड़े ने मिश्रा चेम्बर रायगढ़ के सीनियर एडवोकेट अशोक कुमार मिश्रा-आशीष कुमार मिश्रा के मार्पत न्यायालय में आपराधिक प्रकरण पेश कराया था एवं आरोप लगाया था कि इन अपराधियों ने संस्था भवन का ताला तोड़कर स्वयं को कुनबी समाज का पदाधिकारी घोषित कर दिया एवं लोगों को ठग-ठग कर चंदा वसूल कर रहे हैं तथा संगठन की रकम का बैंक से आहरण कर रहे हैं जबकि छत्तीसगढ़ शासन ने भी इनकी कार्यकारिणी को अवैध घोषित कर दिया है। इन आरोपियों की ठगी का शिकार होने वाले सतीश रावते, विजय बेन्द्रे और रामेश्वर नाकतोड़े ने न्यायालय में अपना बयान दर्ज कराया एवं इनके अपराधों के सबूत के रूप में कुल 10 दस्तावेजी प्रमाण अदालत में पेश किया। ज्ञात हो कि कुनबी समाज संगठन का बैंक खाता सील करने के

लिये वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार मिश्रा द्वारा नोटिस दिये जाने पर बैंक ने इस संस्था का खाता वर्ष 2023 में फ्रीज कर दिया था लेकिन इसके बाद भी आरोपीगण आम जनता को इस संस्था का पदाधिकारी होना बताकर चंदा वसूलते रहे । संस्था के इस फर्जीवाड़ा की अपील मिश्रा चेम्बर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष की गई थी जिस पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने देवराज पारधी की समूची कार्यकारिणी को अवैध होना पाया एवं 15 मार्च 2024 को पंजीयक को निर्देशित किया कि 6 माह के भीतर संस्था का चुनाव कराया जाए परंतु शासन का यह फैसला आने के बाद भी शासन के इस फैसले को न तो आरोपीगण ने महत्व दिया, न ही पंजीयक ने महत्व दिया, जिसके कारण राजधानी में यह फर्जीवाड़ा बेखौफ फलता-फूलता रहा एवं अपराधीगण कानून को अंगूठा दिखा कर चिढ़ाते रहे। लेकिन जब यह मामला अदालत में पहुंचा, तब इन अपराधियों की सभी चालाकी धरी की धरी रह गई एवं वे कानून की गिरफ्त में आ गए। यहां यह उल्लेखनीय है कि न्यायालय द्वारा इन अपराधियों के विरुद्ध विभिन्न गंभीर दण्डनीय धाराओं का अपराध पंजीबद्ध किया गया है जबकि पंजीयक फर्म्स एण्ड सोसायटी का कार्यालय इन आरोपियों का मददगार बनकर इन्हें भरपूर सहयोग देता रहा एवं शासन का आदेश होने के बाद भी इनके हाथ से संस्था की बागडोर छीनने में नाकामयाब रहा । न्यायालय में आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य और दस्तावेज पेश करने के बाद 5 फरवरी को इस मामले में रायगढ़ के सीनियर वकील अशोक कुमार मिश्रा और उनकी सहयोगी श्रीमती शीलू त्रिपाठी द्वारा तर्क प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात न्यायालय ने संपूर्ण प्रकरण का अध्ययन करने के बाद आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दण्ड विधान की धारा 417, 420, 466, 467, 468, 471, 120 बी का अपराध दर्ज कर लिया एवं उनकी उपस्थिति के लिये वारंट जारी कर दिया है। न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए परिवादी रामेश्वर नाकतोड़े ने कहा कि आज उन्हें यह महसूस हुआ है कि कानून जिन्दा है वरना इन आरोपियों को देख कर उन्हें ऐसा लगने लगा था कि कानून का अस्तित्व ही नहीं है। प्रकरण की पैरवी करने वाले अधिवक्ता अशोक कुमार मिश्रा और श्रीमती शीलू त्रिपाठी ने कहा कि न्यायालय का यह आदेश बाहुबली अपराधियों के लिये यह संदेश है कि अपराध करने के बाद उसके परिणाम से बचना नामुमकिन है क्योंकि न्यायालय की नजर में कोई बाहुबली नहीं है।

# राजेश बोरकर को मिली पीएचडी उपाधि

किरनापुरबालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील के ग्राम सेवती से राजेश बोरकर पिता स्व.भजन दास बोरकर ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से पीएचडी की

उपाधि प्राप्त कर ली है। उल्लेखनीय है कि राजेश बोरकर पिता स्व.भजन दास बोरकर ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से अर्थशास्त्र विभाग से शोध निर्देशक प्राध्यापक उमेश कुमार दुबे अर्थशास्त्र शासकीय कन्या महाविद्यालय रांझी के निर्देशन में शोध प्रबंध विषय - अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं का आर्थिक अध्ययन (बालाघाट जिले के विशेष संदर्भ में ) शोध प्रबंध को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। राजेश बोरकर को पीएचडी की उपाधि मिलने पर उनके स्नेहीजनों एवं परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाईयां दी है।

# आरबीएसके योजना से निसार होगा उपचार

## सांदीपनि स्कूल में लॉटरी निकाल कर किया जाएगा प्रवेश, 104 आवेदनों पर हुई जनसुनवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम श्री जीएस धुर्वे तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। जनसुनवाई में प्राप्त 104 आवेदनों पर सम्बंधित विभाग प्रमुख से जानकारी प्राप्त करते हुए आवेदन के निराकरण करने के निर्देश दिए गए। एक आवेदिका गुणवंता चौहान ने अपने नाती की आंखों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए आवेदन किया। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने रेटिना में सूजन की समस्या से झुझ रहे 15 वर्षीय निसार मेश्राम का उपचार कराने के निर्देश सीएमएचओ ड़ॉ. परेश उप्लव को दिए। सीएमएचओ डॉ. उप्लव ने बताया कि राष्ट्रीय बाल कार्यक्रम के अंर्तगत प्रकरण बनाकर उपचार कराया जाएगा।

### सीट होने पर लॉटरी के माध्यम से होगा प्रवेश

कटंगी तहसील में सेलवा पंचायत के अभिभावकों ने जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि गांव में माध्यमिक शाला है, यहां 16 विद्यार्थियों ने कक्षा 8 वी पास की है। अब सांदीपनि स्कूल में प्रवेश चाहते है। इस मामलें में जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सीट उपलब्धता के आधार पर अगर उस श्रेणी में आते है तो लॉटरी के माध्यम से प्रवेश कराया जाएगा।

### पीएचई और तहसीलदार पुनः करेंगे आंकलन

जनसुनवाई में एकोडी के हितेश ने आवेदन में कलेक्टर श्री मीना को बताया कि उनका मकान भले ही शासकीय भूमि पर बना है। लेकिन आसपास और भी भूमि है जिस पर टंकी बनाइ जा सकती है। पंचायत द्वारा मेरा आवास तोड़ा जा रहा है। मैं अपने 2 छोटे-छोटे बच्चों को लेकर परेशान हु। कलेक्टर श्री मीना ने पीएचई विभाग को निर्देश दिए है कि देखें उसी स्थान पर शासकीय भूमि है तो प्रतिवेदन भेजे। पीएचई के प्रभारी अधिकारी श्री सत्यम ने बताया कि पंचायत को अवगत कराया गया है। वहां अन्य भूमि पर टंकी का निर्माण कार्य कराया जा सकता है। पुन: स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन कलेक्टर श्री मीना को सौंपा जाएगा।

# गायत्री मंदिर में कल गायत्री जयंती गंगा दशहरा पर्व पर तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के बस स्टैंड भिलाई रोड़ स्थित गायत्री शक्तिपीठ लांजी में कल 5 जून दिन गुरुवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युग ऋषि वेद मुर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का महाप्रयाण दिवस, गायत्री जयंती गंगा दशहरा पर्व मनाया जायेगा। गायत्री शक्तिपीठ लांजी के परिव्राजक विनोद तिडके ने जानकारी में बताया कि इस अवसर पर शक्तिपीठ में प्रात: 6 से 7 बजे तक जप -ध्यान एवं प्रात: 8 बजे से तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संस्कार कार्यकर्ता उद्बोधन एवं महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। ब्लॉक गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा नगर व क्षेत्र के सभी प्रज्ञा मण्डल, महिला मण्डल एवं युवा मण्डल तथा सभी धर्म प्रेमी जनों को कार्यक्रम में उपस्थित होकर

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# पचमढ़ी के राजभवन में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण

## राजस्व-लैंड रिकॉर्ड कमिश्नर होंगे संयुक्त : 1200 पदों पर होगी भर्ती, लेबर एक्ट में संशोधन को मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को पचमढ़ी राजभवन में कैबिनेट बैठक हुई। यह बैठक राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित की गई। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट ने राजस्व विभाग के बिल को स्वीकृति दी है। इसमें प्रमुख राजस्व आयुक्त और अभिलेख आयुक्त के पदों को मिलाकर नया पद कमिश्नर लैंड रिसोर्स एंड मैनेजमेंट बनाया गया है। अब लोगों को सीधे और पारदर्शी सुविधा मिले, इसके लिए आईटी का प्रवेश राजस्व विभाग में जल्द हो। अब तहसीलदार को दो श्रेणी में बांटा जाएगा। राजस्व का न्यायालय देखने वाले न्यायालय देखेंगे और जो लॉ एंड ऑर्डर देखेंगे वो लॉ एंड ऑर्डर का काम ही देखेंगे। उन्होंने कहा कि आईटी के चलते अब विभाग के 500 पदों को समाप्त कर 1200 नए पद सृजित किए जाएंगे। इन नए पदों में सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित पदों को प्राथमिकता दी जाएगी। विजयवर्गीय ने कहा कि यह तेज गति से राजस्व को चलाने वाला देश का पहला राज्य मध्य प्रदेश होगा।

इसके अलावा बैठक में श्रम विभाग के संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें ठेका श्रम विनियम उत्पादन अधिनियम 1970 में 20 ठेका श्रमिक को 50 तक बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। साथ ही कारखाना अधिनियम 1948 में 10 श्रमिक के स्थान पर 20 श्रमिक बिना हाथ से काम करने वाले यानी मशीन पर काम करने और हाथ से काम करने वालों की संख्या 20 से 40 की गई है। इन परिवर्तन से औद्योगिकरण में श्रमिकों के अधिकारों का संरक्षण करते हुए लेवर एक्ट में संशोधन किया है। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण में रात में काम करने की अनुमति देने हेतु श्रम कानूनों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। साथ ही, ठेका श्रमिकों से जुड़े नियमों को भी संशोधित किया जाएगा ताकि शोषण से बचाव हो सके।

### राजा भभूत सिंह के नाम पर होगा पचमढ़ी अभयारण्य

उन्होंने बताया कि सरकार ने पचमढ़ी वन्य जीव अभयारण्य का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर करने का फैसला लिया है। राजा भभूत सिंह की कर्म भूमि, जन्म भूमि पर कैबिनेट की हुई है। उन्होंने मधुमक्खियों से मक्खियों से अंग्रेजों को भगाने का काम किया। वे नर्मदा अंचल के शिवाजी कहलाते थे। 5 जून को उज्जैन में वेलनेस समिट का आयोजन किया जाएगा। 9 जून को पीएम मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होंगे, इसको लेकर कार्यक्रम होंगे।

### इंदौर आईआईटी में एग्रो आईआईटी हब बनेगा

इंदौर आईआईटी में एग्रो आईआईटी हब बनाने का फैसला किया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसके लिए प्रस्ताव कैबिनेट में दिया है। इसके माध्यम से कृषि तकनीक में बढ़ावा देने का काम होगा। कृषि क्षेत्र के नौजवान इसके माध्यम से स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे।

# जन-जन तक पहुंचेगी मोदी सरकार की उपलब्धियां

## - संकल्प से सिद्धि अभियान को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसी सिलसिले में मंगलवार को भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में एक बड़ी बैठक आयोजित हुई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, संगठन प्रभारी, मंत्री और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सीएम ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि 11 जून से 21 जून तक 'संकल्प से सिद्धि' अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जिला, मंडल और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री कहा कि जो काम पिछले 75 वर्षों में नहीं हो पाए, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 साल के कार्यकाल में करके दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, गरीब कल्याण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। डॉ. यादव ने यह भी कहा कि देश के दुश्मनों से निपटने और आतंकवाद के खिलाफ घर में घुसकर मारने की नीति केवल प्रधानमंत्री मोदी जैसे नेतृत्व में ही संभव है।

### तीन दिवसीय कार्यशाला भी होगी

इस बैठक में निर्णय लिया गया कि 14, 15 और 16 जून को विधायकों, सांसदों और मंत्रियों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसमें पार्टी की भावी रणनीति, संगठन विस्तार और जनहित के मुद्दों पर गहन मंथन होगा।

## राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक, तख्ती लेकर गाड़ी के सामने आ गई महिला

भोपाल । राजधानी भोपाल में राहुल गांधी की सुरक्षा चूक हुई है। राजा भोज सेतु के सामने कमला पार्क के पास अचानक भीड़ अनियंत्रित हो गई। जिसकी वजह से करीब 30 सेकंड तक काफिला रोकना पड़ा। वहीं एक महिला तख्ती लेकर गाड़ी के सामने आ गई। जिसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उसे तुरंत सडक़ से हटाया। राहुल गांधी के भोपाल दौरे के दौरान पुलिस की नाकामी भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए हजारों महिलाएं आईं थीं। साथ ही जातिगत जनगणना को लेकर धन्यवाद देने के लिए आए थे। लेकिन काफिला नहीं रोका गया।

# 4500 करोड़ का फिर कर्ज लेगी सरकार

## - अब 4.31 लाख करोड़ का कुल कर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार नए वित्त वर्ष में दूसरी बार 4500 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। यह कर्ज 2000 करोड़ और 2500 करोड़ रुपए का होगा। इसके पहले मई में ढाई-ढाई हजार करोड़ रुपए के दो कर्ज लिए गए थे। इस तरह चालू वित्त वर्ष में सरकार पर कर्ज की राशि 9500 करोड़ रुपए हो जाएगी जबकि कुल कर्ज का आंकड़ा बढक़र 431240.27 करोड़ रुपए हो जाएगा। सरकार कर्ज की इस राशि से विकास कार्य कराने के साथ कर्मचारियों के महंगाई भत्ते, लाड़ली बहना योजना की किस्तें जमा करने और बारिश के पहले निर्माण संबंधी कामों पर आए खर्च का भुगतान करेगी। नए वित्त वर्ष में अप्रैल का महीना छोडऩे के बाद हर महीने फिर कर्ज लिए जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। वित्त विभाग के अनुसार 3 जून को आरबीआई के माध्यम से दो लोन मोहन सरकार लेने जा रही है जिसका भुगतान 4 जून को होने वाला है। पहला लोन 2000 करोड़ रुपए का है जो 16 साल के लिए लिया जाएगा और सरकार ब्याज के साथ इसकी अदायगी 4 जून 2041 तक करेगी। इसी तरह दूसरा लोन 2500 करोड़ रुपए का है जो 18 साल के लिए लिया जा रहा है। इसका भी भुगतान 4 जून को होगा और यह 4 जून 2043 तक ब्याज के साथ चुकाया जाएगा।

### 7 मई को लिया था 5 हजार करोड़ का कर्ज

मोहन यादव सरकार ने इसके पहले 7 मई को दो कर्ज ढाई-ढाई हजार करोड़ रुपए के लिए हैं। मई में ढाई हजार करोड़ का पहला कर्ज 12 साल के लिए सात मई को लिया गया था जिसका ब्याज सात मई 2037 तक के लिए चुकाना है। इसी तरह ढाई हजार करोड़ रुपए का दूसरा कर्ज सात मई को ही 14 साल के लिए लिया गया है। जिसकी भरपाई सात मई 2039 तक ब्याज के रूप में होगी।

### रेवेन्यू सरप्लस बताया

सरकार ने अपनी रेवेन्यू को लेकर कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार 12487.78 करोड़ के रेवेन्यू सरप्लस में थी। इसमें आमदनी 234026.05 करोड़ था जबकि खर्च 221538.27 करोड़ रहा। इसके विपरीत वित्त वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार की रिवाइज्ड आमदनी 262009.01 करोड़ और खर्च 260983.10 करोड़ बताया है। इस तरह पिछले वित्त वर्ष में भी सरकार की आय 1025.91 करोड़ सरप्लस बताई गई है।

# राहुल ने किया दादी इंदिरा गांधी का अपमान!

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को मध्य प्रदेश के दौरे पर पहुंचे। राहुल गांधी राज भोज एअरपोर्ट से सीधे कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एवं अपनी दादी इंदिरा गांधी का अपमान किया। दरअसल, कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुष्पांजलि के लिए इंदिरा गांधी जी की तस्वीर रखी गई थी।

राहुल गांधी कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और दादी इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। लेकिन इस दौरान उन्होंने जूते नहीं उतारे। उनके साथ मौजूद विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी जूते पहनकर पुष्प अर्पित किए। जबकि बाकी नेताओं ने जूता उतारकर पुष्प अर्पित किए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है

## जूते पहनकर फोटो पर चढ़ाया फूल, उमंग सिंघार ने भी नहीं उतारे शूज

कांग्रेस कार्यालय में जाने से पहले राहुल गांधी इंदिरा गांधी की फोटो पर जूता पहनकर पुष्प अर्पित कर रहे हैं। उनके पीछे उमंग सिंघार भी जूते पहने हुए नजर आ रहे हैं और अपने नेता की तरह बिना जूता उतारे ही फूल चढ़ाए और निकल गए। वहीं जीतू पटवारी, केसी वेणुगोपाल ने जूते उतारकर पुष्पांजलि अर्पित की।

### सीएम बोले- यह हमारे संस्कार नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी उनकी दादी थीं, उनकी तस्वीर पर जूते पहनकर पुष्पांजलि देना हमारे संस्कारों के खिलाफ है। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी जोड़ा कि भाजपा ने अपने कार्य, संस्कार और सेवा भाव के कारण जनता का दिल जीता है, यही कारण है कि मध्य प्रदेश भाजपा का गढ़ बना हुआ है और भाजपा लगातार आगे बढ़ रही हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी राहुल पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जूते पहने हुए ही राहुल गांधी ने अपनी दादी इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की, इससे उनकी सोच और संस्कार साफ नजर आ रहे हैं। जिसमें अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा नहीं है, भारत की संस्कृति की जानकारी नहीं है। ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस प्रधानमंत्री बनाने के सपने देख रही है। वहीं, इसको लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी ने इंदिरा जी का अपमान किया है। यह इटली की संस्कृति हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पोलिटिकल टूरिज्म पर भोपाल आए हैं। संगठन सृजन की बात करने वाले राहुल गांधी ने अपनी ही दादी का अपमान कर दिया। भारतीय परंपरा में हम किसी भी महापुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करते समय जूते नहीं पहनते। राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि नहीं दी, बल्कि फूल फेंके। यह भारतीय नहीं, इटली की संस्कृति है। लगता है राहुल अभी तक भारत के संस्कार सीख नहीं पाए। भोपाल छोडऩे से पहले उन्हें इस पूरे मामले पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

# उज्जैन में होगी प्रदेश की पहली स्प्रिचुअल वेलनेस समिट

भोपाल। उज्जैन को स्पिरिचुअल सिटी बनाने के लिए शहर में पहली बार स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 जून को शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में देशभर से अध्यात्म, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म और योग से जुड़े लोग शामिल होंगे। साथ ही, लगभग 300 ऐसे प्रतिभागी भी आएंगे जो शहर में अपने-अपने केंद्र स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन अब वेलनेस और स्पिरिचुअल सेंटर के रूप में विश्वस्तरीय पहचान स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश की पहली स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट 5 जून को होटल अंजुश्री में आयोजित की जा रही है। इसमें स्वामी चिन्मयानंद जी महाराज, पतंजलि ट्रस्ट से योगी बालकृष्ण, शतायु आयुर्वेद, सॉलिटेयर वेलनेस, आकार वेलनेस, आयुष ग्राम, हार्टफुलनेस और विचार मंथन जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। ये विशेषज्ञ उज्जैन में वेलनेस और अध्यात्म के माध्यम से एक नई इंडस्ट्री खड़ी करने पर विचार साझा करेंगे।

एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने बताया कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक शांति, मानसिक संतुष्टि, भावनात्मक आनंद और बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहल की है। इसी क्रम में 5 जून को उज्जैन में स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर के प्रमुख वेलनेस सेंटर प्रतिनिधि शामिल होंगे। वे उज्जैन में वेल-बिंग सेंटर स्थापित करने, इस इंडस्ट्री की संभावनाएं और इसमें निवेश की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

एमपीआईडीसी के माध्यम से इस आयोजन में उज्जैन को धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी के साथ-साथ एक सशक्त आध्यात्मिक हब बनाने पर जोर दिया जाएगा। इस समिट में देश के प्रतिष्ठित आध्यात्मिक मार्गदर्शक, नीति निर्माता, आयुर्वेद, योग और जीवनशैली विशेषज्ञ भाग लेंगे। अब तक प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्टर समिट का आयोजन होता रहा है, लेकिन यह पहली बार है जब स्पिरिचुअल और वेलनेस क्षेत्र में विकास व निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समिट का आयोजन किया जा रहा है।

# मप्र में लागू होगा नया किराएदारी अधिनियम

## किराएदार मकान पर नहीं कर पाएगा कब्जा

भोपाल (ईएमएस)। मप्र सरकार अब राज्य में नया किराएदारी अधिनियम लागू करने जा रही है। इसके माध्यम से मकान मालिक और किराएदार दोनों के अधिकारों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसके लिए अधिनियम का प्रारूप तैयार कर लिया है, जिसे आगामी विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जा सकता है। यह अधिनियम शहरी क्षेत्रों के साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों की व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियों पर भी लागू होगा।

नए विधेयक के अनुसार, किराएदार को अनुबंध में निर्धारित अवधि के बाद मकान खाली करना अनिवार्य होगा। यदि वह ऐसा नहीं करता, तो मकान मालिक किराया प्राधिकारी से शिकायत कर सकता है, जिसके बाद बेदखली की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हालांकि, किसी आपदा की स्थिति में किराएदार को खाली करने की बाध्यता नहीं होगी, परंतु उसे अनुबंध के अनुसार किराया देना होगा।

### अनुबंध के बिना उप-किराएदार नहीं रख सकेगा

कई बार ऐसी शिकायतें आती हैं कि किराएदार, मकान मालिक को बिना बताए किसी और को मकान किराए पर दे देता है। प्रस्तावित अधिनियम में ऐसा करने के लिए मकान मालिक की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अनुबंध समाप्त होने पर भी यदि किराएदार मकान खाली नहीं करता, तो उसे पहले दो माह तक दोगुना और उसके बाद चार गुना किराया देना होगा।

### मकान मालिक के लिए भी बनाए गए हैं नियम

नए कानून के तहत मकान मालिक भी किराएदार को बेवजह तंग नहीं कर सकेगा। यदि मकान की मरम्मत या निरीक्षण के लिए प्रवेश करना है, तो उसे 24 घंटे पहले सूचना देनी होगी। साथ ही वह जल, विद्युत, पाइप गैस, लिफ्ट, सीढ़ी की रोशनी, पार्किंग, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं को बाधित नहीं करेगा। बिना अनुमति के किराएदार के परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

यदि किराएदार की मृत्यु हो जाती है, तो उसके उत्तराधिकारी को किराए पर रहने का अधिकार होगा, लेकिन उन्हें भी अनुबंध के सभी नियमों का पालन करना होगा। विधेयक के अनुसार, राज्य के हर जिले में किराया अधिकरण स्थापित किया जाएगा। डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी को किराया प्राधिकारी बनाया जाएगा, जबकि किराया न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर की कोर्ट होगी। किसी भी शिकायत का 60 दिनों के भीतर निपटारा करना अनिवार्य होगा। आदेश का पालन न करने पर स्थानीय निकाय या पुलिस की सहायता से कब्जा दिलाया जा सकेगा और कुर्की जैसी कार्रवाई भी संभव होगी।

## नौ टोल प्लाजा का संचालन करेंगी महिला स्व-सहायता

भोपाल । मप्र सरकार ने राज्य के नौ महत्वपूर्ण टोल प्लाजा का संचालन महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपने का फैसला लिया है। ये टोल प्लाजा वे हैं जहां सालाना राजस्व दो करोड़ रूपये से कम आता है। इस योजना के तहत महिला समूहों को टोल से प्राप्त कुल राजस्व का 30 प्रतिशत कमीशन के रूप में दिया जाएगा, जबकि बाकी 70 प्रतिशत राजमार्ग निधि में जमा कर सडक़ों के रखरखाव और सुधार के लिए उपयोग किया जाएगा। राज्य सरकार की योजना के तहत, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, भोपाल, रीवा, धार जैसे प्रमुख इलाकों में स्थित नौ टोल प्लाजा पर केवल महिला स्टाफ तैनात किया जाएगा।

# कलेक्टरी में 'लिंगानुपात' सुधरा, पर कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में से सिर्फ एक महिला कलेक्टर

## - प्रदेश में पहली बार 12 जिलों की कमान महिलाओं के हाथ में

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा नारी सशक्तिकरण की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदमों का असर न सिर्फ सरकारी योजनाओं में दिख रहा है, बल्कि प्रशासनिक में भी नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि प्रदेश में पहली बार 12 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। हालांकि कलेक्टरों की पदस्थापना में तबादला नीति का पालन नहीं किया गया है। नीति के बिंदु क्रमांक 39 के अनुसार 'कम लिंगानुपात वाले जिलों में उच्च प्रशासनिक पदों पर यथासंभव महिला अधिकारियों की पदस्थापना की जावे।' का प्रावधान है, लेकिन इसका पालन नहीं हुआ है। प्रदेश में कम लिंगानुपात वाले 9 जिले हैं, जिनमें सिर्फ एक जिला ग्वालियर में ही महिला कलेक्टर है। खास बात यह है कि इनमें एक भी जिले में महिला एसपी नहीं है। तबादला नीति के अनुसार प्रदेश में 900 से कम लिंगानुपात वाले 9 जिले मुरैना, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा और रायसेन हैं। इनमें से ग्वालियर जिले में महिला जिलाधीश है। जबकि अन्य जिलों में पुरूष अधिकारी ही पदस्थ हैं। इतना ही नहीं इनमें से किसी भी जिले में महिला पुलिस अधीक्षक नहीं है। न ही संभागायुक्त या अन्य किसी बड़े प्रशासनिक पद पर महिला अधिकारी है। नीति के अनुसार प्रदेश में सबसे कम लिंगानुपात 838 भिंड जिले में है, यहां महिला पुलिस अधीक्षक कभी पदस्थ नहीं रहीं। 20 साल से किसी महिला को जिलाधीश भी नहीं बनाया। 1994 बैच की आईएएस श्रीमती रश्मि अरुण शमी भिंड जिले की आखिरी महिला जिलाधीश थीं। वहीं रुचिका चौहान ग्वालियर जिले की पहली महिला जिलाधीश हैं।

### कमलिंगानुपात वाले जिलों में उच्च अधिकारी

| जिला | लिंगानुपात | कलेक्टर | पुलिस अधीक्षक |
|---|---|---|---|
| मुरैना | 839 | पुरुष | पुरुष |
| भिंड | 838 | पुरुष | पुरुष |
| ग्वालियर | 862 | श्रीमती रुचिका चौहान | पुरुष |
| शिवपुरी | 877 | पुरुष | पुरुष |
| दतिया | 875 | - | पुरुष |
| छतरपुर | 884 | पुरुष | पुरुष |
| सागर | 896 | पुरुष | पुरुष |
| विदिशा | 897 | पुरुष | पुरुष |
| रायसेन | 899 | पुरुष | पुरुष |

### 12 जिलों में महिला कलेक्टर

डिंडौरी श्रीमती नेहा मारव्या
ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान
रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल
झाबुआ सुश्री नेहा मीणा
नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीणा
नरसिंहपुर श्रीमती शीतला पटले
सिवनी सुश्री संस्कृति जैन
मैहर श्रीमती रानी बाटड
शाजापुर ऋजु बाफना
खरगोन सुश्री भव्या मित्तल
मंदसौर सुश्री अदिति गर्ग
बड़वानी सुश्री गुंजा सनोबर

# सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में हाईटेक गाड़ी में होगी सफारी

## नेशनल पार्कों के लिए 11 हाईटेक वाहन तैयार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3 नेशनल पार्क को 11 हाईटेक वाहनों की सुविधा दी। मप्र टूरिज्म द्वारा दिए जा रहे प्रत्येक वाहन की कीमत 23 लाख रुपए है। इसमें से दो वाहन पचमढ़ी आने वाले पर्यटकों को घूमने के लिए मिली है।

मप्र टूरिज्म बोर्ड के जीएम संदेश ने बताया कि कैबिनेट बैठक के दौरान मुख्यमंत्री 11 हाईटेक वाहनों की सौगात नेशनल पार्कों को दी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सहित दूसरे पार्कों को वाहन की सुविधा मिली। सभी वाहनों की सुविधा संबंधित क्षेत्र के पर्यटकों को मिलेगी।

### पचमढ़ी में निर्माण कार्यों को मिलेगी रफ्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पचमढ़ी में पर्यटन विभाग के 12 करोड 49 लाख रुपए के 05 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। 21 करोड़ 39 लाख के 06 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। महिला सशक्तिकरण अंतर्गत जटाशंकर एवं पांडव केव्स पर पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण किया। इसी क्रम में जयस्तंभ क्षेत्रांतर्गत दोनों ओर पाथवे, घूपगढ पर जल प्रदाय हेतु जलगली से घूपगढ तक पाइप लाइन एवं पंप हाउस, पचमढ़ी के प्रवेश द्वार, सतपुडा रिट्रीट में किचन एवं रेस्टोरेंट नवीनीकरण तथा स्वीमिंग पूल का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मप्र पर्यटन विभाग अंतर्गत 1 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले हांडी खो पर पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधायें विकसित करनें का कार्य का भूमिपूजन किया। इसी क्रम में 2 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से बनाये जाने वाले सतपुडा टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत पर्यटक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्य, 34 लाख रुपए से पॉलिथिन मुक्त पचमढी, हिलटॉप बंगला को होम स्टे के रूप में परिवर्तन, कम्युनिटी सेंटर व ग्लेन व्यू में केन्द्रीय नर्सरी की स्थापना के कार्यों का भूमिपूजन किया।

# रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपना पहला आईपीएल जीता

## 18वें सीजन में 8वां चैंपियन मिला; 191 रन चेज कर रहा पंजाब 6 रन से हारा

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना पहला टाइटल जीत लिया है। टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में IPL को 8वां चैंपियन मिला।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 191 रन का टारगेट चेज कर रही PBKS 184 रन ही बना सकी। बेंगलुरु की ओर से विराट कोहली ने 35 गेंद पर 43 रन बनाए। जितेश ने तेज बल्लेबाजी की और 240 के स्ट्राइक रेट से 10 गेंद में 24 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या ने 17 रन देकर 2 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार ने भी 2 विकेट लिए। पंजाब से अर्शदीप सिंह और काइल जैमिसन ने 3-3 विकेट लिए।

RCB की टीम IPL इतिहास की आठवीं चैंपियन बनी है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स (5 बार), मुंबई इंडियंस (5 बार), कोलकाता नाइट राइडर्स (3 बार), राजस्थान रॉयल्स (1 बार), डेक्कन चार्जर्स (1 बार), सनराइजर्स हैदराबाद (1 बार) और गुजरात जायंट्स (1 बार) चैंपियन बनी है।

# भारत के खिलाफ खासे सफल रहे हैं स्मिथ

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भारतीय गेंदबाजों के लिए हमेशा ही परेशानी साबित हुए हैं। स्मिथ का रिकार्ड भारतीय टीम के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। 2015 एकदिवसीय विश्वकप की बात करें या 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल सहित कई मैचों में स्मिथ के कारण ही भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पायी। डब्लयूटीसी फाइनल 2023 में स्मिथ ने 121 रन बनाए थे। इस मैच में उनकी और ट्रेविस हेड के बीच हुई 285 रनों की साझेदारी से ये मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया था। भारतीय टीम के खिलाफ स्मिथ ने 24 टेस्ट मैचों में 58.90 के औसत से 2356 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भी स्मिथ का औसत भारत के खिलाफ 50 से अधिक का रहा है। भारतीय टीम के खिलाफ 30 एकदिवसीय मैचों में स्मिथ ने 53.19 की औसत से 1383 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ 11 मैचों में 229 रन बनाये हैं।

स्मिथ ने अपने करियर की शुरुआत एक लेग स्पिनर के रूप में की थी। स्मिथ ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए आठवें नंबार पर बल्लेबाजी की थी पर पांच साल बाद ही वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बन गये। इसके अलावा वह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज भी बन गये। उनका करियर विवादों में भी रहा है। मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़खानी विवाद के कारण स्मिथ को एक साल के लिए प्रतिबंधि कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें कप्तानी से भी बाहर कर दिया गया था। स्मिथ ने अबतक 116 टेस्ट मैचों में 56.74 की औसत से 10271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाये हैं। स्मिथ अब रिकी पोंटिंग के 13378 रनों से आगे निकलना चाहेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें सचिन तेंदुलकर के 51 टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी होंगी। स्मिथ का कहना है कि टेस्ट क्रिकेट को अब भी वह सबसे पहली प्राथमिकता देते हैं। वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज और फिर घर पर इंग्लैंड के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि मै अब भी उस स्तर पर काफी कुछ योगदान दे सकता हूं।

# आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस इस टीम के कुल 13 सदस्यों को म्यूनिख जाने वाली इस विश्वकप टीम में भी शामिल किया गया है। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चयनित टीम में तीन नए खिलाड़ी भी रहेंगे। राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। वहीं पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को शामिल किया गया है। हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत भी इसमें शामिल हैं।

# भारत-थाईलैंड के बीच दोस्ताना फुटबॉल मैच आज

थाइलैंड । स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री की कप्तानी में भारतीय फुटबॉल टीम बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना फुटबॉल मैच में थाईलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। दोनो ही टीमों के बीच अतीत में एशियाई खेलों से लेकर एशियाई कप और किंग्स कप में रोमांचक मुकाबले हुए हैं। जिसमें भारतीय टीम जीती थी। छेत्री ने कहा, ''मुझे पिछले मैच का याद है जिसमें हमारी टीम के युवा खिलाड़ियों ने थाईलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसलिए इस बार भी हम उससे प्रेरणा लेकर उतरेंगे। भारतीय टीम को अब थाईलैंड के खिलाफ लगातार तीसरी जीत के लिए छेत्री से एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी।

# 14 जून से होगा 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट

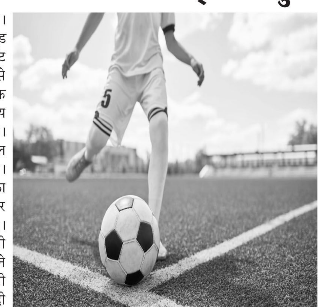

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट इसी माह 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी। कॉनकैकएएफ, सीएएफ और एएफसी क्लब को 9.55 मिलियन डॉलर मिलेंगे जबकि ओएफसी (ओशिनिया) क्लब 3.58 मिलियन डॉलर दिये जाएंगे। टूर्नामेंट से होने वाली सभी कमाई क्लब फुटबॉल के विकास में ही लगाई जाएगी।

# कुश्ती प्रतियोगिता में उदयवीर ने जीता स्वर्ण पदक

गाजीपुर। महाराष्ट्र के नासिक में हुई ग्राफ्लिंग कुश्ती सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में कोटिशा के पुरुष प्रशिक्षु पहलवान उदयवीर यादव ने 92 किलो भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। स्टेडियम के संस्थापक के अनुसार उदयवीर इस पदक की जीत के बाद विश्व चैंपियनशिप के लिए सर्बिया जाएंगे। साथ ही कहा कि आगामी ओलंपिक में हम उनसे पदक की उम्मीद कर रहे हैं। उदयवीर की इस उपलब्धि पर उनके शहर नासिक के कुश्ती जगत में भी खुशी छायी हुई है। सभी ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

# आदिल राशिद बने इंग्लैंड के नंबर एक स्पिनर

लंदन। इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने दिग्गज स्पिनर ग्रीम स्वान को पीछे छोड़ दिया है और वह नंबर एक स्थान पर आ गये हैं। राशिद ने 298 पारियों में 412 विकेट लिए हैं जबकि स्वान ने 223 पारियों में 410 विकेट लिए थे। राशिद को लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन के कारण ही यहां तक पहुंचे हैं। अच्छी लेग स्पिन और विविधतापूर्ण गेंदबाजी के कारण ही वह सीमित ओवरों के प्रारुप में इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ी बने हैं। एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में उनकी गूगली और फ्लिपर को खेलना बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहा है। इससे आधुनिक क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी का दबदबा भी बढ़ा है। राशिद ने स्वान की तुलना में अधिक पारियां खेलीं पर निरंतरता और हालात के अनुसार ढ़लने से ही वह यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन से युवा स्पिनरों के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में तीसरे स्थान पर मोईन अली हैं, उन्होंने 318 पारियों में 366 विकेट लिए हैं। अली की ऑफ स्पिन और ऑलराउंड क्षमता से भी इंग्लैंड को कई अवसरों पर लाभ हुआ है। वहीं चौथे स्थान पर पूर्व स्पिनर डेरेक अंडरवुड हैं, जिन्होंने 175 पारियों में 329 विकेट हासिल किए। अंडरवुड को अपने जमाने का सबसे बेहतर स्पिनर माना जाता था जबकि 5वें स्थान पर जॉन एम्बुरी हैं, जिन्होंने 164 पारियों में 223 विकेट लिए।

# 4 जून से खेला जाएगा छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप - टीसीएआई

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप बुधवार 4 जून से शुरु होगा। ये 6 जून शुक्रवार को समाप्त होगा। फेडरेशन कप का आयोजन भारतीय टेनिस क्रिकेट संघ (टीसीएआई) द्वारा किया जा रहा है, जो अंतर्राष्टीय टेनिस क्रिकेट महासंघ (आईटीसीएफ) का सदस्य निकाय है। फेडरेशन कप में देश भर की 12 टीमें भाग लेंगी। इसे ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) का साथ मिला हुआ है। रूस और पोलैंड के विरुद्ध अंतर्राष्टीय टेनिस क्रिकेट सीरीज में भाग लेने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों का चयन फेडरेशन कप से ही किया जाएगा। भारतीय टेनिस क्रिकेट संघ (टीसीएआई) के अध्यक्ष कन्हैया गुर्जर ने कहा, हम अपने टूर्नामेंट को प्रायोजित करने और हमारा समर्थन करने के लिए ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के आभारी हैं। टेनिस क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में उनका समर्थन सबसे अहम होगा। उनके समर्थन से हमारा लक्ष्य इस रोमांचक प्रारूप में और अधिक व्यावसायिकता और मान्यता जोड़ना है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक अवसर और अनुभव मिल सके।

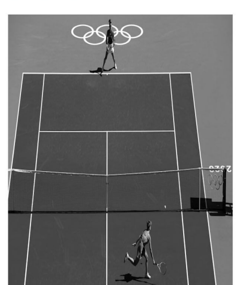

इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 12 टीमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, गोवा, बिहार, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, विदर्भ, हरियाणा, राजस्थान, मुंबई और मध्य प्रदेश से हैं। डीएलआई के मुख्य रणनीतिकार चेतन्य नंदा ने कहा, हम फेडरेशन कप को प्रायोजित करके खुश हैं और सामने आने वाली प्रतिभा को देखने के लिए उत्सुक हैं। हम टेनिस क्रिकेट के भविष्य में विश्वास करते हैं, और यह फेडरेशन कप अगली पीढ़ी के विकास की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा, हम भविष्य में भी छोटे जिलों के खिलाड़ियों को बढ़ावा देने और उन्हें अवसर प्रदान करने के लिए इस तरह के जमीनी स्तर के टूर्नामेंट प्रायोजित करते रहेंगे।

ड्रीम लीग ऑफ इंडिया में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल विश्व कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया जूनियर (13-18) और सीनियर (18) दोनों के लिए होगी, जिसमें दोनों श्रेणियों में छह फ्रेंचाइजी भाग लेंगी। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के लिए 860 जूनियर और 860 सीनियर खिलाड़ियों को नीलामी के लिए चुना जाएगा, जहां प्रत्येक श्रेणी में छह फ्रेंचाइजी अपनी टीमों का चयन करेंगी।

# रोहित ने इसलिए नहीं दिया करण को बल्ला

मुंबई । मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पंजाब किंग्स के साथ हुए आईपीएल के दूसरे क्वालीयर मुकाबले के बाद ऑटो ग्राफ और उपहार देते हुए देखा गया। मैच समापत होने के बाद मुंबई के कई खिलाड़ी रोहित शर्मा की टी शर्ट पर आटोग्राफ और बल्ला लेते हुए नजर आए। इस दौरान रोहित ने जॉनी बेयरस्टो सहित कई खिलाड़ियों को बल्ला दिया पर जब कर्ण शर्मा उनके पास पहुंचे तो रोहित ने उन्हें इंकार कर दिया क्योंकि तब तक उनकी किट बैग खाली हो गयी थी। सोशल वीडियो में साझा किये गये एक वीडियों में रोहित ने कहा, अब मेरे पास कोई बल्ला नहीं है। साथ ही कहा कि किट पूरी भरी थी और उसमें रखे सभी छह बल्ले बांट दिये हैं। रोहित ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 418 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 29.86 का रहा। उन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक भी लगाये हैं। मुंबई इंडियंस को पंजाब किंग्स के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में हार का सामना करना पड़ा है। दस मैच में मुम्बई ने 203 रनों का अच्छा स्कोर बनाया था पर कप्तान श्रेयस अय्यर के अच्छे प्रदर्शन से मुम्बई ने ये हासिल कर लिया था।

# विलियमसन ने दूसरी बार केंद्रीय अनुबंध से इंकार किया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने दूसरी बार न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड से केंद्रीय अनुबंध लेने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अब विलियमसन अगले महीने जिम्बाब्वे के दो टेस्ट मैचों के दौरे में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी केंद्रीय अनुबंध लेने से मना कर दिया था जिससे कि वह विश्वभर की टी20 लीग खेल सकें। इसी जगह पर उन्होंने एक आकस्मिक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। इससे उन्हें साल 2024 में न्यूजीलैंड की ओर से 13 टेस्ट मैचों में से 9 में खेलने का अवसर मिल गया। इसमें उन्होंने 1,000 से अधिक रन बनाए।

विलियमसन न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी 20 अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं थे। वहीं उनके अलावा डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सीफर्ट और लॉकी फर्ग्यूसन भी विदेशी टी20 लीग में खेलते हैं और उनके भी एक आकस्मिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की संभावनाएं हैं। वहीं ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास और जैक फाउलकेस, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार अनुबंध में शामिल किया गया है। है। इन्हे टिम साउथी, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन के नहीं होने से जगह मिली है।

विलियमसन अभी इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडिलसेक्स के लिए और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट की ओर से खेल रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में जब न्यूजीलैंड की टीम जिम्बाब्वे से खेलेगी। तब वह काउंटी खेल रहे होंगे। विलियमसन ने गत माह कहा था कि आकस्मिक अनुबंध को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ उनका समन्वय अच्छा रहा है।

# इंडिया ए इंग्लैंड लायंस के बीच ड्रॉ हुए पहले मैच में भारतीय बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन

नॉर्थम्पटन। इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहले मैच का कोई परिणाम नहीं निकला और ये ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस गैर मान्यता प्राप्त मैच में चार युवा भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगाये वहीं करुण नायर ने लंबे समय बाद वापसी करते हुए दोहरा शतक लगाया । यशस्वी जायसवाल ने 64 रन जबकि कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 68 रन और ध्रुव जुरेल ने नाबाद 53 रन बनाये। वहीं नीतिश कुमार रेड्डी ने नाबाद 52 रनों की पारी खेली। इस मैच में इंडिया ए ने दूसरी पारी में 41 ओवर में दो विकेट पर 241 रन बनाए, जिसके बाद केवल 25 ओवर बचे थे जिसको देखते हुए दोनो ही कप्तानों से सलाह के बाद मैच समाप्त घोषित कर दिया गया ।

इस मैच में इंग्लैंड लायंस ने पहली पारी में 587 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की थी। उसके निचले क्रम ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ए के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। एडी जैक ने 25 रन और अजीत सिंह डेल ने नाबाद 27 रन बनाये। इंग्लैंड लायंस की ओर से टॉम हेन्स ने 171 रन, मैक्स होल्डन ने 101 रन, और डेन मूसले ने 113 रनों की पारी खेली। वहीं इंडिया ए की ओर से मुकेश कुमार ने 25 ओवर में 92 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि शार्दुल ठाकुर ने 105 व हर्षित राणा ने 99 रन बनाये।

# अंतिम गेंद पर नेपाल ने स्कॉटलैंज को हराया

फोर्थिल। स्कॉटलैंज और नेपाल के बीच आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग टू 2023-27 का 74वां मैच फोर्थिल में खेला गया। इस मैच की अंतिम गेंद पर नेपाल को जीत के लिए 1 रन की जरुरत थी पर अंतिम गेंद पर कुछ ऐसा हुआ कि दोनों टीमों के खिलाड़ी जश्न मनाने लगे, इसके बाद अंपायर ने जो फैसला सुनाया उससे स्कॉटलैंज की टीम निराश हो गयी जबकि नेपाल की टीम खुशी मनाने लगी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम ने चार्ली टियर और फिनले मैक्रीथ के अर्धशतकों की सहायता से निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट पर 296 रन बनाये। चार्ली टियर ने 80 जबकि फिनले मैक्रीथ ने 55 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की टीम ने 49 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 290 रन बना दिये। 49वें ओवर में करन केसी ने 18 रन बना दिये। नेपाल को अंतिम ओवर में जीत के लिए 7 ही रनों की जरुरत थी पर संदीप लामिछाने पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद नेपाल की अंतिम जोड़ी मैदान में थी। अंतिम ओवर की 5 गेंदों पर नेपाल ने 6 रन बनाकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। अंतिम गेंद पर नेपाल को जीत के लिए 1 रन की जरुरत थी। स्कॉटलैंड के गेंदबाज मार्क वॉट की अंतिम गेंद पर नेपाल के बल्लेबाजों ने रन के लिए दौड़ लगायी। गेंद विकेट कीपर के हाथों से फिसल कर स्टंप में लग गयी। इससे मैच सुपर ओवर में जाता देख स्कॉटलैंड के खिलाड़ी खुश हो गये पर तभीअंपायर ने गेंद को वाइड करार दिया जिससे नेपाल को जी मिल गयी।

# महामारी का रूप लेता जा रहा कोरोना...

## भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट...एक्टिव केस 4 हजार पार, 11 राज्यों में अब तक 38 की मौत

नई दिल्ली/मुंबई/भोपाल। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 4026 पहुंच गई है। इनमें से 50 फीसदी मामले केरल और महाराष्ट्र में हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1416 एक्टिव केस हैं। वहीं, महाराष्ट्र से 494 मामले सामने आए हैं। अब तक देशभर में 2700 मरीज ठीक भी हुए हैं। कोरोना से अब तक 38 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 31 की मौत बीते 4 दिन में हुई हैं। लेकिन विडंबना यह है कि देश के अधिकांश अस्पतालों के कोरोना के मरीजों को भर्ती करने और इलाज करने की व्यवस्था ही नहीं हो पाई है। यही नहीं एक तरफ कोरोना से लगातार मौतें हो रही हैं, दूसरी तरफ सरकार ने कोरोना को लेकर अभी तक कोई गाइडलाइन जारी नहीं की है।

थाईलैंड-अमेरिका की ही तरह भारत में भी ओमिक्रॉन वैरिएंट एनबी.1.8.1 सक्रिय है, यहां संक्रमण की रफ्तार पिछले 10 दिनों में 10 गुना से अधिक हो गई है। 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 13 दिन में ही बढ़कर 3 जून को 4026 हो गए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1416 मामले हैं, महाराष्ट्र में 494 और गुजरात में 397 लोग कोरोना का शिकार हुए। हालांकि अच्छी बात ये है कि यहां कोरोना से रिकवरी रेट अभी अच्छी है। 1 जनवरी से अब तक करीब 2700 लोग संक्रमित होकर ठीक हो चुके हैं, वहीं पिछले 24 घंटे में ही 512 लोग संक्रमण से ठीक हुए हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को एक 70 साल और एक 73 साल की महिला की जान चली गई। राज्य में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई हैं। 24 घंटे में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी 1-1 मौत हुई है।

### भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है।

### नए वैरिएंट पर वैक्सीन का असर नहीं

जानकारों का कहना है कि जिन लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया था, उन्हें भी सावधानी बरतने की जरूरत है। इसकी वजह यह है कि वैक्सीनेशन नए वैरिएंट का असर होने से नहीं रोक सकता। हालांकि वैक्सीनेशन की इम्यूनिटी अभी भी पूरी तरह से कमजोर नहीं हुई है। यह आपके शरीर को नए वैरिएंट से लड़ने में मदद जरूर कर सकती है। यही नहीं देश में जो पुराने वैक्सीन निर्मित किए गए थे, वे भी स्टॉक में नहीं हैं। हैरानी की बात तो यह है कि सरकार ने इसको लेकर अभी कोई भी दिशा-निर्देश जारी नहीं किया है। ऐसे में अगर मामले बढ़े तो विकट स्थिति निर्मित हो सकती है।

### कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई

उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी एक्टिव है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन, सैंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी निर्णय लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए।

### सरकारी अस्पतालों में किट नहीं

अस्पतालों में सर्दी-खांसी के मरीजों की कोरोना जांच में लापरवाही हो रही है। कई अस्पतालों में अभी तक आरटी-पीसीआर जांच शुरू नहीं हुई है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। दरअसल, अस्पतालों को किट का इंतजार है। जांच केंद्रों पर भीड़ बढ़ने और सुरक्षा उपायों की कमी से स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग केवल लोगों से सतर्कता बरतने और लक्षण दिखने पर इलाज कराने की अपील कर रहा है। स्थिति यह है कि हल्के लक्षणों को देखकर कोविड टेस्ट नहीं किए जा रहे, जिससे संभावित संक्रमण फैलने की आशंका और बढ़ जाती है। भोपाल एम्स के विशेषज्ञों का कहना है कि यह वैरिएंट तेजी से जरूर फैलता है, लेकिन यह घातक नहीं है। फिर भी यह सतर्कता की मांग करता है क्योंकि यह दुनिया के कई हिस्सों में सबसे आम वैरिएंट बना हुआ है।

# लवेरी में प्रज्ञा मंडल गायत्री शक्तिपीठ द्वारा मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

किरनापुरबालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आओ हम अमर वीर शहीदों एवं समाज संस्कृति धर्म निष्ठा व्यक्तित्व का सम्मान करें, ग्राम लवेरी में बिगत दिवस श्रद्धा संस्कार सम्मान प्रतिमा का सम्मान कार्यक्रम पंच कुंडी गायत्री यज्ञ विशिष्ट कलश यात्रा एवं क्षेत्रीय विधायक राज कुमार कर्राहे की उपस्थिति में ग्राम लवेरी के जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चेतना कुर्राहे जनपद सदस्य हरीश लिल्हारे ,सरपंच श्रीमती रेखा उयके ,उपसरपंच ज्ञानी राम बंबुरे, व पुलिस पटेल लुरेन्द्र रांहगडाले ,व डॉ, वागीस रंहांग डाले, ग्राम के भूतपूर्व सरपंच श्रीमती पुस्त कला/ कोमल लिल्हारे ,नंदू लाल बघेले ,भीकू नगपुरे, लक्ष्मी नारायण बंबुरे एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों व कर्मचारियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में धनीराम लिल्हारे, देवराम बिरागरे, कन्हैयालाल योगेश सीहोरे ,हेमराज तेजलाल मस्करे बालचंद लिल्हारे, विक्की लिल्हारे, फूलचंदलिल्हारे, मुकेश कश्यप अनिरुद्ध बघेले ,चुमेश बघेले, रामेश्वर दमाहे, दिलीप नगपुरे,गणपत बिरनवार ,भोज लाल, रेखा लाल पिता श्री राम लिल्हारे, चुमेश लिल्हारे,प्रीतम ग्राम कोटवार हरिदास वैघ ,सहायक सचिव धनराज बंबुरे ,राम प्रसाद मस्करे, चमन नगपुरे,रामेश्वर कावडे, खिलेंद्र पटले, देवीलाल पाचे, विट्ठल बिरागरे, श्रीमती पुष्पा/ खेमराज सीहोर प्रर्मीला/ रेखलाल सिहोरे, आदि की भूमिका सराहनीय रही। 75 वर्ष के युवाओं के ऊपर वयो वृद्ध पुरुष/ महिलाओं को कपड़े (वस्त्र) वितरण, मेरिट व गायत्री संस्कृत परीक्षा 2024- 25 के विद्यार्थियों को स्टील पानी बोतल , पालकों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया, दिव्यांग व गरीबों को भी वस्त्र वितरित किए गए, साथ ही भारत रत्न श्री भीमराव अंबेडकर जी , भगवान बुद्ध, महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई ग्राम रामगढ़ी प्राथ. व माध्य. शाला के विद्यार्थियों का सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें गोंडी डांस, सपेरा डांस ,नवदुर्गा पर भुजलिया विसर्जन, झांकी ,भुजलियां की टोकरी, ध्वज को लिए 28 बच्चों की विशिष्ट प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही, जबलपुर से पधारी छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ी मयूर डांस , शिव तांडव नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की गई, जिसमें इन छात्रों को बुलवाने में श्री तेज लाल मस्करे जी का विशेष भूमिका रही, कार्यक्रम श्रीमती श्रद्धा डॉ. जे पी सुनेरी जी के मार्गदर्शन व प्रहलाद मस्कोले की उपस्थिति में किया गया, झांकी में श्री कमल बम्बुरे व साथी मोहनलाल बघेले ट्रैक्टर का सहयोग सुबेलाल बघेले , विनोद के मधुर सुंदर गीत गुरुदेव पंडित श्री राम शर्मा और माता भगवती देवी शर्मा की सूचना संरक्षक में गायत्री परिवार की सब प्रकार विश्व में विचार क्रांति की ज्ञान यज्ञ की मिसाल का प्रकाश फैला रहा है प्रस्तुत किया गया। श्री हरिश्चंद्र मौदे , हिम्मत पांडे जी ,दिलेश्वर, रामभरोस गौतम , दिव्या बिसेन, शंकर राव कर्वे, सुरेश टेमरे, उर्मिला भूते, दुर्गा जी येरपूड़े हेमराज निखाड़े ,उपमन्यु नगपुरे, सेवक सुंदर ,पांडुरंग रंहागडाले आदि का सहयोग भरपूर इस कार्यक्रम में प्राप्त हुआ।

# एसडीएम ने 03 अनाधिकृत कॉलोनी की रजिस्ट्री पर लगाई रोक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एसडीएम वारासिवनी श्री आरआर पांडे द्वारा 03 अनाधिकृत कॉलोनी की रजिस्ट्री पर रोक लगायी है। उन्होंने वारासिवनी तहसील अंतर्गत ग्राम रामपायली प.ह.नं. 34/39, रानिमं स्थित भूमि खसरा नंबर 331/1 रकबा 0.673 हेक्टे, पर भूमिस्वामी चन्द्रकिरण सिंह बैस पिता उत्तमसिंह, हर्ष पिता प्रदीप सिंह अर्चना पति प्रदीप सिंह के द्वारा बिना अनुमति के अवैध प्लाटिंग/कालोनी विकसित करने पर भूमि के भू-खण्ड के क्रय विक्रय एवं पंजीयन (रजिस्ट्री) पर रोक लगाने के आदेश दिए गए है। इसके साथ ही एसडीएम श्री पांडे ने ग्राम रामपायली के ही प.ह.न 34/39, रानिम भूमि खसरा नंबर 553/1 रकबा 0.235 हेक्टे पर भूमिस्वामी रविन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, अमित सिंह, नारायण सिंह पिता ईश्वरसिंह जाति राजपूत तथा प.ह.न. 34/39 रानिम व भूमि खसरा नंबर 247 रकबा 1233 हेक्टे. पर भूमिस्वामी नरेन्द्र सिंह पता गनपत अन्य 7 जाति राजपुत द्वारा बिना अनुमति के वर्ष 2024-25 में अवैध प्लाटिंग / कालोनी विकसित करने पर भूमि के भू-खण्ड के क्रय विकय एवं पंजीयन (रजिस्ट्री) पर आगामी आदेश तक रोक लगाने के आदेश जारी किए है।

# खुद को जिंदा साबित करने दर- दर की ठोकरे खा रहा 100 साल का बुजुर्ग

## रिटायर्ड बेटे ने बुजुर्ग बाप को, दस्तावेजो में किया मृत घोषित, बाप को मृत घोषित कर, बेटे ने हड़पी बाप की जमीन , खेत व घर से भी बुजुर्ग बाप को कर दिया बेदखल, इंसाफ की फरियाद लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा बुजुर्ग

बालाघाट( पद्मेश न्यूज़ )। तरह तरह की समस्याओं को लेकर शासकीय कार्यालयों के बाहर भटकते किसी व्यक्ति को देखा जाना आम बात है, लेकिन क्या आपने कभी ऐसे शख्स को देखा जो शासकीय कार्यालय के बाहर अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए चक्कर लगा रहा हो।यदि नही तो आज हम आपको एक ऐसे शख्स से मिलाएंगे। जिसका सरकारी दस्तावेजो में करीब 8 माह पूर्व स्वर्गवास हो चुका है, लेकिन वो आज भी अपने आपको जिंदा साबित करने के लिए शासकीय कार्यालयो के चक्कर काट रहा है। लेकिन आज तक उसे कोई भी अधिकारी कागजात में जिंदा साबित करने में कामयाब नही हो पाया है।मामला लांजी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम उमरी का है।जहा के मूल निवासी 100 वर्षीय बुजुर्ग अनाराम सिंधु भीमटे,पिछले 8 माह से सरकारी दस्तावेजों में मृत बने घूम रहे है।बुजुर्ग का आरोप है कि उन्ही के 3 पुत्रों में से एक रिटायर्ड शिक्षक पुत्र ने उनकी जमीन जायदाद हडपने के लिए उन्हें सरकारी दस्तावेजों में मृत घोषित कर दिया है।वही उन्हें मृत घोषित कर अपने नाम घर व खेत कराकर उन्हें उनकी प्रॉपर्टी से भी बेदखल कर दिया है।जहा अपना घर व खेत पाने के लिए अब बुजुर्ग को सरकारी दस्तावेजों में जिंदा होना जरूरी है। जो अपने आप को जिंदा साबित करने की जहा तहा गुहार लगा रहा है लेकिन दस्तावेज में वहां स्वर्गवासी ही दिखा रहा है।

### सरकारी दस्तावेजों में स्वर्गवासी बना घूम रहा है बुजुर्ग

कुछ साल पहले एक फिल्म कागज ओटीटी प्लेफॉर्म पर रिलीज हुई थी. जिसमें एक व्यक्ति सरकारी कागजों में मृत घोषित कर दिया जाता है और उसे खुद को जिंदा साबित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ठीक उसी तरह ग्राम उमरी वार्ड नं 17 निवासी 100 साल का बुजुर्ग अनाराम भीमटे भी अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए जद्दोजहद करता नजर आ रहा है। लेकिन उनकी फरियाद कही नही सुनी जा रही है।जिसके चलते फिरयादी अनाराम, अपने बुजुर्ग रिश्ते के मामा के साथ लाठी के सहारे स्वर्गवासी बना घूम रहा है।जो अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए दर दर की ठोकरे खाने मजबूर है।

### कपकपाते ओठो से बोला अनाराम- बताओ मैं जिंदा हूं या नही ?

अपने आप को जिंदा साबित करने में जब अनाराम जहां-तहां से नाकाम हो गया तो वह मंगलवार को एक अन्य बुजुर्ग के सहारे लाठी टेकते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। जहां उसने ज्ञापन के माध्यम से अपने आप को सरकारी दस्तावेज में जिंदा घोषित करने की मांग की है।कलेक्टर से फरियाद लगाने के बाद बाहर निकलकर बुजुर्ग अनाराम कलेक्टर कार्यालय परिसर में खड़े कुछ लोगों के पास जाकर यह पूछ रहा था कि बताओ वह जिंदा है या मर गया है? यह सवाल सुनते ही कई लोगों के होश उड़ गए तो कुछ लोगों की हंसी छूट गई।तब बुजुर्ग ने उन्हें अपनी दास्तां सुनाई जिसमें उन्हें शासकीय दस्तावेज में मृत घोषित किया गया है। यह मामला जैसे जैसे लोगों के संज्ञान में आता गया लोग हैरान होते गए।

### क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील लांजी ग्राम उमरी वार्ड नंबर 17 निवासी अनाराम सिंधु भीमटे की उम्र 100 वर्ष के पार हो चुकी है। फरियादी अनाराम ने बताया कि उनके तीन पुत्र और दो बेटियां है। जिनकी एक बेटी विकलांग है तो वहीं दूसरी बेटी विधवा है।जबकि उसके बड़े पुत्र शिक्षक थे जो रिटायर्ड हो चुके हैं। दूसरे पुत्र प्रोफेसर है।तो वहीं तीसरे पुत्र भी शिक्षक है।फिरयादी अनाराम के अनुसार उन्होंने अपनी सारी प्रॉपर्टी बच्चों मे बाट दी है। वही मकान और सवा एकड़ जमीन उनकी पत्नी कारनबाई और उनके नाम पर थी। पत्नी की मृत्यु हो गई है और वे अपनी बेटी के साथ रह रहे है ,जो अपनी सवा एकड़ की भूमि और मकान अपनी पुत्री को देना चाहते है।लेकिन बड़े बेटे ने मां की मृत्यु होने पर पिता का नाम प्रॉपर्टी में चढाने के लिए उनसे दस्तावेज मांगे और 2000 की राशि भी ली। इसके बाद उन्होंने बुजुर्ग अनाराम को सरकारी रिकार्ड में मृत घोषित कर दिया। वही अनाराम को मृत घोषित कर प्रॉपर्टी अपने नाम पर चढ़ा ली। फरियादी के अनुसार करीब 8 माह से वे सरकारी दस्तावेज में मृत घोषित है।जो अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं।

### मैं मरा नही अभी जिंदा हु-अनाराम

अपने आप को जिंदा साबित करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे फरियादी अनाराम ने चर्चा के दौरान उक्त जानकारी से अवगत कराते हुए बताया कि उनके बड़े पुत्र ने धोखे से उनसे दस्तावेज मांगकर, उन्हें सरकारी दस्तावेजों में मृत घोषित कर दिया है।मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर सवा एकड़ भूमि धोखे से अपने नाम कर लिया है।जबकि मैं अभी मरा नही हु, मैं अभी जिंदा हु, उसके बाद भी मेरे लड़के ने मुझे सरकारी कागजातो में मृत घोषित कर प्रॉपर्टी हड़प ली है। मैं चाहता हु की मुझे सरकारी दस्तावेजो में भी जिंदा घोषित कर धोखे से हड़पी गई जमीन को मुझे वापस कराकर इंसाफ दिया जाए।

# ट्रैक्टर की ठोकर से 87 वर्षीय वृद्ध की मौके पर मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम बाकीगुड्डा से निक्कूम के बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर की ठोकर से एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक केसर दास पिता विसप दास आधवान 87 वर्ष ग्राम बाकीगुड्डा थाना मलाजखंड निवासी है। 2 जून को 3:30 बजे करीब या दुर्घटना उसे समय हुई जब यह वृद्ध अपने गांव से पैदल निक्कूम जा रहा था। मलाजखंड पुलिस ने इस व्रद्ध का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केसर दास अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था 2 जून को 3:30 बजे करीब केसर दास अपने गांव बाकीगुड़ा से पैदल निक्कूम जाने निकला था। ग्राम बाकीगुड्डा में ही निक्कूम रोड़ पर दुलीराम खैरवार के खेत के सामने पीछे से तेज रफ्तार से आ रहा ट्रैक्टर ने केसर दास को ठोस मार दिया ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से केसर दास की मौके पर ही मौत हो गई बताया गया है कि दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को वहीं छोड़कर फरार हो गया यह दुर्घटना की सूचना मिलती ही केसर दास के परिवार के अलावा गांव मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। इस घटना की रिपोर्ट दुलीराम खैरवार 40 वर्ष बाकीगुड्डा निवासी ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक राम भजन साहू अपने स्टाफ के साथ ग्राम बाकीगुड्डा पहुंचे और मौके की कार्रवाई की और शव पंचनामा करने के बाद केसर दास का शव पोस्टमार्टम हेतु बिरसा अस्पताल भिजवाये । 3 जून को उप निरीक्षक श्री साहू ने केसरदास का शव बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और मर्ग जांच उपरांत ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 ए 9817 के चालक के विरुद्ध धारा 106 भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

# मोटरसाइकिल रोड किनारे खंबे से टकराई दो युवक की मौत-एक युवक घायल

## पत्नी के लिए टिफिन लेकर समनापुर अस्पताल आ रहा था पवन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना अंतर्गत लामता रोड ग्राम समनापुर के पास मोटरसाइकिल रोड किनारे खंभे से टकराने से तीन युवक घायल हो गये।गम्भीर रूप से घायल एक युवक की जिला अस्पताल मौत हो गई। वही एक व्यक्ति ने नागपुर ले जाते समय रास्ते मे दम दिया। ।घायल युवक नवीन पिता रामप्रसाद उइके 21 वर्ष ग्राम भरवेली थाना उगली जिला सिवनी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों मृतक जिनमे पवन पिता नन्दू मर्सकोले 42 वर्ष ग्राम केवाटोला मगरदर्रा और रितेश पिता परसराम भलावी 27 वर्ष ग्राम बाउली थाना उगली जिला सिवनी निवासी है। 2जून की रात्रि 9:00 बजे यह दुर्घटना उस समय हुई तीनों मोटरसाइकिल में केवाटोला से समनापुर अस्पताल खाना लेकर आ रहे थे। 3 जून को जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों मृतको का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन मर्सकोले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। पवन मर्सकोले के परिवार में पत्नी कलावंती मर्सकोले है और एक बड़ी बेटी है करीब 4 वर्ष की है। चार दिन पहले ही नवीन उइकेअपनी पत्नी के साथ केवाटोला अपने ससुराल आया था। उसका रिस्तेदार रितेश भलावी भी केवाटोला आया हुआ था। 2 जून को सुबह पवन मर्सकोले की पत्नी कलावंती ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समनापुर में बेटे को जन्म दी थी। रात्रि 9:00 बजे करीब पवन मर्सकोले अपने रिश्तेदार रितेश भलावी और नवीन उइके के साथ मोटरसाइकिल में अपनी पत्नी के लिए खाना लेकर केवाटोला से समनापुर अस्पताल आ रहे थे। मगरदर्रा से समनापुर आते समय समनापुर के पास गोलाई में सामने से आरहे डम्फर को साइड देते समय मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे खंबे से टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल में सवार पवन मर्सकोले, रितेश भलावी और नवीन उइके तीनो मोटरसाइकिल सहित फेका गये। इस दुर्घटना में पवन मर्सकोले और रितेश भलावी गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गए थे वही नवीन उइके को इस दुर्घटना में मामूली चोटे आई। 108 एंबुलेंस से तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया जिनमे रितेश भलावी को मृत घोषित कर दिया गया है। रितेश भलावी की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। दुर्घटना में घायल नवीन उइके और पवन मर्सकोले को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। गंभीर रूप से घायल पवन मर्सकोले को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया था। जब पवन मर्सकोले को उसकेपरिवार के लोग उपचार हेतु नागपुर ले जा रहे थे तभी उसकी रास्ते में मौत हो गई।जिसका शव वापस जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।3 जून को जिला अस्पताल पुलिस ने दोनो मृतक पवन मर्सकोले और रितेश भलावी का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर, मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव बालाघाट भिजवा दी है।

Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
आधुनिक तकनीकी का प्रीमियम काईरा राईस ट्रांसप्लांटर
विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन एवं हार्वेस्टर पर विशेष अनुदान
शासकीय अनुदान उपलब्ध
फायनेंस सुविधा उपलब्ध
ट्रे. सीडर स्टॉक उपलब्ध
14900/- में सीडर पायें
62/- 58/- 4 रु. की बचत
18900/- 14900/- 4000 रु. की बचत
पिछले 3 वर्ष में सिवनी, बालाघाट एवं पूरे महाकौशल में 500 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक
● रोट्रावेटर मल्टीस्पीड में उपलब्ध
● स्टेनलेश स्टील ब्लेड के साथ जो चले सालों साल
● 6.5 फीट एवं 7.5 फीट में उपलब्ध, जो जुताई में दमदार, दिखने में जोरदार
● 4 गियर में उपलब्ध जो सुखे एवं कीचड़ में आसानी से चले
● मार्केट से कम दाम में उपलब्ध
रोट्रावेटर की हर खरीदी पर रेनकोट फ्री
के.के. इंटरप्राईजेस/ साईं ट्रेक्टर्स (पॉवरट्रेक ट्रेक्टर्स)
साईं ट्रेक्टर्स के बाजू में, मोती तालाब रोड, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड, पटेलटोला, बरघाट
मो. 9425138685, 8770334649, 9669674379

# संभागीय कमिश्नर श्री भदौरिया आज मानसून पूर्व बाढ़ आपदा के संबंध में वीसी के माध्यम से करेंगे समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संभागीय कमिश्नर धनंजय सिंह भदौरिया बुधवार को मानसून पूर्व बाढ़ आपदा के संबंध में वीसी के माध्यम से शाम 5:30 बजे समीक्षा करेंगे। समीक्षा में कमिश्नर श्री वर्मा आपदा संवेदनशील क्षेत्रों का आकलन, बाद उन्मुख नदियां, बाढ़ के मुख्य कारण एवं आपातकालीन कार्यवाहियों जैसे विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा सुनिश्चित करेंगे।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▶ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▶ MINING ENGINEERING
▶ CIVIL ENGINEERING
▶ MECHANICAL ENGINEERING
▶ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
ALWAYS A BETTER CHOICE.
PADMESHXFIBERNET CONNECTION.

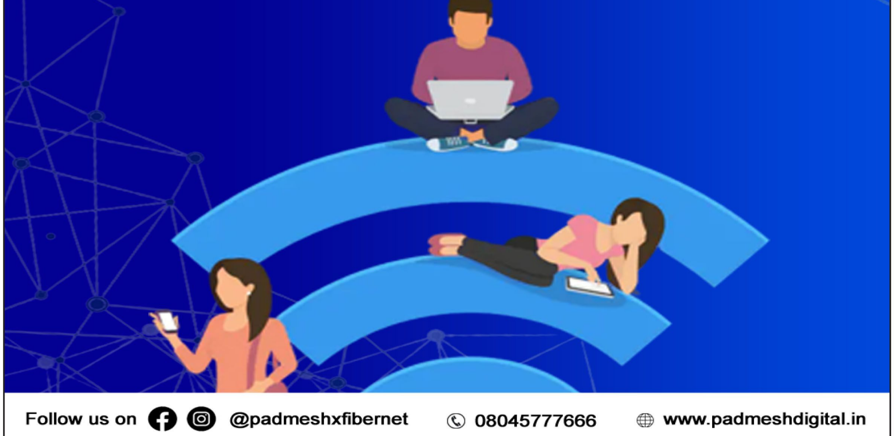

Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
★ सम्मानजनक मानदेय ★ पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
★ तेजी से विकास का मौका ★ नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट ( म.प्र. ) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट